दैनिक पुकार

* वर्ष 40 * अंक 206 * प्रभात * पंजीयन सं. 46518/85 * पृष्ठ 8 * मूल्य ₹ 3 /- * संस्थापक : स्व. श्री कुंजबिहारी आचार्य

www.dainikpukar.com

उदयपुर रविवार दिनांक 11 मई 2025

दक्षिणी राजस्थान का प्रमुख हिन्दी दैनिक

धोखेबाज पाकिस्तान

जम्मू से जैसलमेर तक सीजफायर का उल्लंघन; तीन राज्यों में ब्लैकआउट; एयर डिफेंस सिस्टम ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाक में सीजफायर के कुछ घंटों बाद ही जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में शनिवार रात हालात अचानक फिर से तनावपूर्ण हो गए। जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में अखनूर, राजौरी और आरएसपुरा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तोपों से गोलाबारी की है। बारामूला में ड्रोन के जरिए हमला किया गया, जबकि पलनवाला सेक्टर में भी सीजफायर का उल्लंघन किया गया। पाकिस्तानी हिमाकत के जवाब में भारतीय सेना को कड़ा और मुंहतोड़ जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। पाकिस्तान के सीजफायर उल्लंघन की खबरों के बाद कई शहरों में एहतियातन ब्लैकआउट लागू किया गया है।

श्रीनगर और उधमपुर में दिखे पाकिस्तानी ड्रोन

सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान ने अखनूर और आरएसपुरा सेक्टर में सीजफायर का उल्लंघन किया है। सीमा सुरक्षा बल ने भी इसकी पुष्टि की है और बताया कि जवाबी कार्रवाई की जा रही है। बीएसएफ और भारतीय सशस्त्र बलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पाकिस्तान की हर कार्रवाई का कड़ा और सटीक जवाब दें। श्रीनगर और उधमपुर के ऊपर पाकिस्तान के ड्रोन देखे गए, जिसके बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत एंटी-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिए हैं। ये सिस्टम पाकिस्तानी ड्रोन को हवा में ही निष्क्रिय करने में सक्षम हैं। सीमा से जुड़े सभी सेक्टरों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सेना और सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि किसी भी तरह की घुसपैठ या हमले का जवाब तुरंत और पूरी ताकत से दिया जाए।

पंजाब के कई जिलों में ब्लैकआउट

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के उल्लंघन के बीच पंजाब के बरनाला और संगरूर जिलों में शनिवार रात 9 बजे से 11 बजे तक फिर से ब्लैकआउट लागू कर दिया गया। होशियारपुर की डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने जानकारी दी कि यह फैसला वायुसेना के पठानकोट और आदमपुर बेस से मिले इनपुट्स के आधार पर लिया गया है। लोगों से अपील की गई है कि वे रात के दौरान अपने घरों के अंदर रहें और लाइटें बंद रखें। अमृतसर शहर के साथ लगते गांव की भी बिजली पूरी तरह से गुल कर दी गई है। अमृतसर के अलावा चंडीगढ़ में भी ब्लैकआउट कर दिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पंजाब के फाजिल्का में भी ब्लैकआउट किया गया है।

वहीं बठिंडा जिला प्रशासन ने जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है। जिले के आधिकारिक बयान में कहा गया, सीजफायर उल्लंघन को लेकर मीडिया में आई खबरों पर जनता सवाल कर रही है, लेकिन अभी किसी तरह की घबराहट की जरूरत नहीं है। हम सभी संबंधित एजेंसियों के संपर्क में हैं और अगर कोई बड़ा खतरा हुआ, तो समय रहते सूचना दी जाएगी। कृपया हमारे डीपीआरओ के आधिकारिक पेज पर अपडेट देखते रहें।

भारत-पाक के बीच संघर्ष विराम

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य संघर्ष के बीच शनिवार को विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि दोनों पक्षों में आज शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी थी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दोनों पक्षों के बीच सहमति की जानकारी एक्स पर एक पोस्ट में दी थी। उन्होंने कहा था, भारत और पाकिस्तान के बीच आज गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बन गयी। भारत ने सभी प्रकार के आतंकवाद के विरुद्ध अपना अडिग रुख कायम रखा है और आगे भी ऐसा ही करता रहेगा।

इससे पहले, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने यहां प्रेस वार्ता में बताया कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने अपराह्न तीन बजकर 35 मिनट पर भारतीय डीजीएमओ से फोन पर बात की। उन्होंने कहा, उनके बीच यह सहमति बनी कि दोनों पक्ष शनिवार को शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे। उन्होंने कहा, इस सहमति को लागू करने के लिए दोनों पक्षों को निर्देश दिए गए हैं। डीजीएमओ 12 मई को दोपहर 12 बजे फिर से बातचीत करेंगे।

पाकिस्तान की तरफ से युद्धविराम का घोर उल्लंघन

सेना को खुली छूट : सख्त कदम उठाने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के सीजफायर तोड़ने पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने रात 11 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, पिछले कुछ घंटे से सीजफायर समझौते का पाकिस्तान की ओर से उल्लंघन हो रहा है। भारतीय सेना जवाबी कार्रवाई कर रही है और अतिक्रमण से निपट रही है। ये अतिक्रमण बेहद निंदनीय है और पाकिस्तान इसके लिए जिम्मेदार है।

मिसरी ने कहा, पाकिस्तान ने भारतीय सीमा में घुसना चाहा, हमने भारतीय सेना को फ्रीहैंड दे दिया है।'

हमारा मानना है कि पाकिस्तान इस स्थिति को ठीक से समझे और इस अतिक्रमण को रोकने के लिए तुरंत उचित कार्रवाई करे। सेना इस स्थिति कड़ी नजर रख रही है और उसे किसी भी अतिक्रमण से निपटने के लिए ठोस और सख्त कदम उठाने के आदेश दिए गए हैं।'

दोनों देशों के बीच सीजफायर 5 बजे हुआ था। इसके तीन घंटे बाद करीब 8 बजे पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पंजाब और गुजरात में शैलिंग और ड्रोन अटैक किया।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा

शनिवार शाम को रक्षा मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें आर्मी से कर्नल सोफिया कुरैशी, एयरफोर्स से विंग कमांडर व्योमिका सिंह और नेवी के कमोडोर रघु आर नायर मौजूद थे।

रक्षा मंत्रालय की 9 मिनट की ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया ने पाकिस्तान की तरफ से गलत सूचनाएं फैलाने की जानकारी दी। वहीं कमोडोर नायर ने कहा कि भारत की सेनाएं पूरी तरह सतर्क और तैयार हैं। अगर फिर हमला हुआ, तो हम मुंहतोड़ जवाब देंगे।

अब मैं आपको पाकिस्तान की मिस इन्फॉर्मेशन कैंपेन के बारे में जानकारी दूंगी। पहला उसने अपने जेएफ-17 से हमारे एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइल बेस को नुकसान पहुंचाया। ये बिल्कुल गलत है। उसका कहना है कि हमारी एयरफील्ड सिरसा, जम्मू,पठानकोट और भुज में हमला किया है, ये भी पूरी तरह से गलत है।

हमारे चंडीगढ़ और ब्यास स्थित हथियार खाने पर हमला किया, यह बात भी गलत है। हमने आपको सुबह भी बताया था कि ये सभी मिलिट्री फैसिलिटीज पूरी तरह सुरक्षित हैं, इन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

पाकिस्तान कह रहा है कि भारत ने मस्जिदों को नुकसान पहुंचाया। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। भारत की सेना उसकी वैल्यूज की बहुत अच्छी झलक है। हमने उनके मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचाया। भारत ने पाकिस्तान की एयरफील्ड स्कर्दू, जकूबाबाद, सरगोदा और बुलारी को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हमने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम, रडार सिस्टम को फेल किया। उनके मिलिट्री सिस्टम का हमने नुकसान किया। इंडियन आर्म्ड फोर्सेस पूरी तरह तैयार हैं। भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए तैयार है।

पाकिस्तान पर भड़के उमर अब्दुल्ला

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर समझौता चंद घंटों में ही टूट गया। पाकिस्तान ने लगातार तीसरी रात जम्मू, श्रीनगर समेत कई शहरों में ड्रोन हमले कर दिए, जिसे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। इन हमलों के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भड़क गए और लिखा कि What the hell... सीजफायर का क्या हुआ? उन्होंने कहा कि यह कोई सीजफायर नहीं है, श्रीनगर में एयर डिफेंस सिस्टम शुरू हो गया है।

इससे पहले, उमर अब्दुल्ला तथा उनके पिता एवं सतारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा का स्वागत किया था। उमर ने अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, 'मैं भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम बहाली के बारे में भारत सरकार के प्रवक्ता द्वारा की गई घोषणा का तहे दिल से स्वागत करता हूं।' उन्होंने कहा, 'देर आए दुरुस्त आए, लेकिन यदि यह संघर्ष विराम दो या तीन दिन पहले हो जाता, तो शायद जो रक्तपात हमने देखा और जो बहुमूल्य जानें हमने गंवाईं, वे सुरक्षित होतीं।'

पाकिस्तानी पीएम शहबाज का झूठ : भारत ने तोड़ा सीजफायर

कहा- पहलगाम की आड़ में पाकिस्तान पर अटैक बेबुनियाद

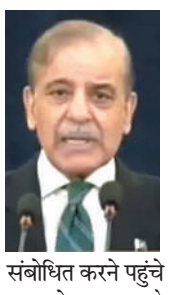

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय समय के मुताबिक शनिवार रात 11.30 बजे फिर झूठा दावा किया। शहबाज ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान पर पहले हमला किया।

शहबाज शरीफ पाकिस्तान को संबोधित करने पहुंचे थे। अपनी स्पीच में उन्होंने कहा कि भारत ने हमला करके जो गलती की है उसका खामियाजा उसे जरूर भुगतना होगा।

शरीफ करीब 12 मिनट बोले। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का शुक्रिया अदा किया।

पाकिस्तानी पीएम ने भारत के खिलाफ साथ देने के लिए सऊदी अरब, तुर्किए और चीन को भी धन्यवाद दिया।

जंग को अंजाम तक पहुंचाएंगे : शहबाज

हम दुश्मन पर फिर से भारी पड़े हैं। मैं असीम मुनीर (पाकिस्तान आर्मी चीफ) समेत सभी अफसरों को सलाम पेश करता हूं। हमें आप पर नाज है। हम इस जंग को अंजाम तक पहुंचाकर दम लेंगे। पाकिस्तान की इज्जत के लिए फौज और अवाम दोनों काबिल हैं।

हम लश्कर बनकर दुश्मन का मुकाबला करेंगे और दुश्मन को शिकस्त देंगे। हम आपके जज्बे को सलाम पेश करते हैं क्योंकि आप (सेना) सच्चाई के लिए लड़ रहे हैं। भारत बेशक 100% एकतरफा फैसले कर ले मगर उससे हकीकत नहीं बदलेगी। दहशतगर्दी से सबसे ज्यादा परेशान मुल्क पाकिस्तान है। हमने दहशतगर्दी के खिलाफ जंग में 90 हजार लोगों को गंवाया। 152 अरब डॉलर का नुकसान बर्दाश्त किया है।

पहलगाम हमले की आड़ में पाकिस्तान पर हमला बेबुनियाद है। अमन पसंद मुल्क के तौर पर पाकिस्तान ने पहलगाम वाकये की जांच की पेशकश की थी। लेकिन भारत ने कानून न मानते हुए गलत रास्ता अख्तियार किया। जम्मू-कश्मीर एक मुसलमा तनाजा था, है और उस वक्त तक रहेगा, जब तक कश्मीरी भाइयों को उनका हक नहीं मिल जाता। दुश्मनों ने निहत्थे लोगों पर हमला कर खुद को ताकतवर समझा। लेकिन पाकिस्तान मुंहतोड़ जवाब देना जानता है। हम अपनी सेना की दिलेरी को सलाम करते हैं,, जिन्होंने भारत को जवाब दिया है। पाकिस्तानी वायु सेना ने अपने सरहद के भीतर रहते हुए दुश्मनों के जहाजों के परखच्चे उड़ा दिए।

पाकिस्तान के पीएम शरीफ ने फिर झूठ बोला, हमारी सेना ने दुश्मन को ऐसा घाव दिया है जो कभी भर नहीं पाएगा। भारत के बुजदिलाना हमले में पाकिस्तान के 26 मासूम शहीद हुए हैं। इनमें बच्चे और औरते हैं।

चीन ने दिया पाकिस्तान का साथ तो डोभाल ने की चीनी विदेश सचिव से बात

युद्ध नहीं चाहता भारत...'

बीजिंग (एजेंसी)। संघर्ष विराम का एलान होने के बाद चीन पाकिस्तान के समर्थन में उतर आया है। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने एनएसए अजित डोभाल से बात की। एनएसए डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री को दो टूक जवाब दिया कि भारत युद्ध नहीं चाहता है। यह किसी पक्ष के हित में नहीं है।

चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से फोन पर बातचीत की। अजित डोभाल ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में भारतीयों के गंभीर रूप से हताहत होने की वजह से भारत को आतंकवाद विरोधी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। युद्ध भारत की पसंद नहीं थी और यह किसी भी पक्ष के हित में नहीं था। भारत और पाकिस्तान युद्ध विराम के लिए प्रतिबद्ध होंगे और जल्द से जल्द क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बहाल करने की उम्मीद करेंगे।

इस पर वांग यी ने कहा कि चीन पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करता है और सभी प्रकार के आतंकवाद का विरोध करता है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय स्थिति अशांत और आपस में जुड़ी हुई है। एशियाई क्षेत्र में शांति और स्थिरता को हासिल करना मुश्किल है और इसे संजोकर रखना चाहिए। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ऐसे पड़ोसी हैं जिन्हें दूर नहीं किया जा सकता है और दोनों चीन के पड़ोसी हैं। चीन आपके इस कथन की सराहना करता है कि युद्ध भारत की पसंद नहीं है और ईमानदारी से उम्मीद करता है कि भारत और पाकिस्तान शांत और संयमित रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे बातचीत और परामर्श के माध्यम से मतभेदों को ठीक से संभालेंगे और स्थिति को बढ़ने से रोकेंगे। चीन भारत और पाकिस्तान से परामर्श के माध्यम से एक व्यापक और स्थायी युद्ध विराम हासिल करने का समर्थन करता है और उम्मीद करता है।

तलाशी अभियान के बीच घुसपैठिये से संतरी की भिड़ंत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के नगरोटा में सीजफायर के उल्लंघन के संदिग्ध गतिविधि देखने को मिली है। सैन्य स्टेशन पर तैनात एक संतरी की घुसपैठिये से भिड़ंत हो गई। संतरी को मामूली चोट आई है। घुसपैठियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान जारी है। जम्मू-कश्मीर के नगरोटा में सीजफायर के उल्लंघन के दौरान आतंकी हमले की खबर गलत निकली है। पहले समाचार एजेंसी एएनआई पर इस तरह की जानकारी दी गई थी कि हमला हुआ है। हालांकि कुछ संदिग्ध गतिविधि की बात सामने आ रही है। सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया है। इससे पहले पाकिस्तान ने शनिवार को दुस्साहस दिखाते हुए श्रीनगर को निशाना बनाने की कोशिश की, मगर सभी हमलों को नाकाम कर दिया गया।

विराट ने जताई टेस्ट से संन्यास लेने की इच्छा जताई, बीसीसीआई ने कहा 'दोबारा विचार करें'

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा जताई है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को यह जानकारी दे दी है। हालांकि, बीसीसीआई ने उन्हें अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। इससे पहले गुरुवार को रोहित शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए टेस्ट से संन्यास लेने का ऐलान किया था।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में 25 से कम की औसत से रन बनाए थे

बॉर्डर- गावस्कर सीरीज में विराट का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। बीजीटी में कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए। पिछले 5 साल में उन्होंने 37 टेस्ट में सिर्फ 3 शतक लगाए और औसत 35 से भी नीचे रहा। इससे पहले कोहली ने टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन ढाका 2025 में वह जबरदस्त फॉर्म में रहे। उन्होंने अब तक 11 मैच में 505 रन बनाए हैं।

टेस्ट में 9 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं

36 साल के कोहली अब तक 123 टेस्ट में 9,230 रन बना चुके हैं। उन्होंने अपनी पारी में 30 शतक और 31 अर्धशतक भी जमा चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया में बनाए हैं सबसे ज्यादा शतक : विराट कोहली टेस्ट करियर में 30 शतक बनाए हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा 9 शतक बनाए हैं। जबकि बांग्लादेश के खिलाफ सबसे कम 2 शतक जमाए हैं।

कोहली ने टेस्ट करियर में सबसे ज्यादा शतक देश में बनाए हैं : कोहली ने टेस्ट में 30 शतक बनाए हैं। इसमें से सबसे ज्यादा 14 शतक भारत में बनाए हैं। न्यूजीलैंड में उन्होंने केवल एक शतक जड़ा है।

टेस्ट में रोहित- धोनी से बेहतर कप्तान

रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी भारत को आईसीसी ट्रॉफी दिलाने वाले कप्तान हैं। दूसरी ओर विराट कोहली हैं। वे कभी कप्तान के तौर पर आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत सके। हालांकि, जब चर्चा टेस्ट क्रिकेट की होती है तो बतौर लीडर वे धोनी और रोहित दोनों से मीलों आगे नजर आते हैं। घर में सभी 11 सीरीज जीतीं धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत को घर में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो टीम इंडिया को न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी झेलना पड़ा है।

कोहली की कप्तानी में ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने भारत की जमीन पर 11 टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी की। भारत ने सभी 11 सीरीज अपने नाम कीं। कोहली ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार घरेलू मैदान पर कप्तानी की थी। अश्विन और जडेजा के सपोर्ट और कोहली की अटैकिंग फील्ड स्ट्रैटजी से भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज 3-0 से जीती। यहां से कोहली की कप्तानी में टीम ने घर सभी टेस्ट सीरीज जीतीं।

कप्तानी में कोहली ने 7 दोहरे शतक भी लगाए हैं

विराट कोहली ने वैसे तो हर कप्तान की मौजूदगी में अपना बेस्ट प्रदर्शन दिया, लेकिन जब वह खुद कप्तान बने तो टेस्ट बैटिंग की सारी कमियों को अचीवमेंट्स में बदल दिया। कोहली ने अपनी कप्तानी में रिकॉर्ड 7 दोहरे शतक लगाए। 2014 में इंग्लैंड दौरे पर कोहली बैट से कुछ खास नहीं सके, लेकिन 2018 में उन्होंने इसे पलटा और सीरीज के टॉप रन स्कोरर बन गए।

4 दिन पहले केरल में दस्तक दे सकता है मानसून

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि दक्षिण पश्चिमी मानसून 27 मई को केरल पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून तक केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार इसके जल्दी केरल पहुंचने की उम्मीद है। अगर मानसून 27 मई तक केरल में दस्तक दे देता है तो यह साल 2009 के बाद से सबसे जल्दी मानसून का आगमन होगा। साल 2009 में मानसून ने केरल में 23 मई को दस्तक दे दी थी।

सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान

बीते साल मानसून ने केरल में 30 मई को दस्तक दी थी। वहीं साल 2023 में 8 जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में 3 जून को और साल 2020 में 1 जून को मानसून केरल पहुंचा था। आमतौर पर दक्षिण पश्चिम मानसून एक जून को केरल पहुंचकर 8 जुलाई तक पूरे भारत को कवर कर लेता है। 17 सितंबर से मानसून भारत के उत्तर पश्चिमी इलाकों से पीछे हटना शुरू हो जाता है और 15 अक्तूबर तक पूरी तरह से विदा हो जाता है। मौसम विभाग ने अपने अप्रैल महीने के अनुमान में साल 2025 में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की उम्मीद जताई है। इससे अल-नीनो के असर को नकारा जा रहा है, क्योंकि अल नीनो के असर से सामान्य से कम बारिश होती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने बताया कि भारत में इस साल चार महीने के मानसून के मौसम में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है। इस दौरान 105 प्रतिशत बारिश हो सकती है, जो औसत बारिश 87 सेंटीमीटर से ज्यादा है। मौसम विभाग ने साफ किया कि केरल में मानसून के जल्दी या देर से आने का मतलब देश में ज्यादा या कम बारिश होना नहीं है। इसमें कई अन्य फैक्टर शामिल होते हैं। हाल में मौसम विभाग ने बताया था कि इस साल दक्षिणी अंडमान सागर, बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और निकोबार द्वीपसमूह में मानसून 13 मई को ही आगे बढ़ सकता है। आमतौर पर ऐसा 20 मई के आसपास होता है, लेकिन इस बार एक हफ्ते पहले ही ऐसा हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारियों की बैठक सम्पन्न

पूर्व संभागीय आयुक्त भट्ट संगठन से जुड़े

उदयपुर (पुकार)। अखिल भारतीय सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारियों के संगठन की द्विमासिक बैठक शनिवार को फील्ड क्लब में आयोजित की गई। सेवानिवृत्त सीसीएफ और एनटीसीए के सदस्य राहुल भटनागर ने बताया कि बैठक में उदयपुर के पूर्व संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट भी संगठन में शामिल हुए और सभी सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर भट्ट ने कहा कि राजकीय सेवा में आम जनता से बन जुड़ाव सेवानिवृत्ति के बाद भी हमेशा बना रहना चाहिए और सेवानिवृत्त अधिकारियों को अपने अनुभवों का लाभ समाज के जरूरतमंद लोगों को देना चाहिए। उन्होंने समस्त सेवानिवृत्त अधिकारियों से आह्वान किया कि सेवानिवृत्ति के बाद भी वह रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े रहे।

इस मौके पर अधिकारियों ने आगामी दिनों में आयोजित होने वाली रचनात्मक गतिविधियों और उसमें अधिकारियों की भूमिका विषय पर चर्चा की। बैठक में उदयपुर मुख्यालय के सेवानिवृत अधिकारी और परिजन सम्मिलित हुए।

राज्य स्तरीय सतर्कता और मॉनिटरिंग समिति में ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा सदस्य मनोनीत

जयपुर /उदयपुर (पुकार)। राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित उच्च शक्ति प्राप्त राज्य स्तरीय सतर्कता और मॉनिटरिंग समिति में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा को समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है।

इसी प्रकार विधानसभा की अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति में वर्तमान में फूल सिंह मीणा सभापति थे इस समिति का कार्यकाल संपन्न होने के पश्चात विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा को पुनःअगले कार्यकाल के लिए समिति का सभापति मनोनीत किया है। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी मीडिया उदयपुर संभाग प्रभारी चंचल कुमार अग्रवाल ने दी।

जवानों की सुरक्षा के लिए पूजा पाठ किया

आकोला। नगर मंडल आकोला के कार्यकर्ताओं महिला शक्ति द्वारा हमारे देश के गौरव, वीर जवानों की 'सुरक्षा, साहस और विजय' के लिए हनुमानजी का पाठ किया गया। ईश्वर हमारे भारत माता के वीर सपूतों को अदम्य साहस, अपार शक्ति और अटूट विजय प्रदान करें। उनका हर कदम विजय की ओर अग्रसर हो और वे सदा सुरक्षित रहें। इस मौके पर वरिष्ठ कार्यकर्ता मदन लाल टेलर, आकोला नगर मंडल मंडल अध्यक्ष शंकर लाल साहु, पूर्व प्रधान नरेंद्र भट्ट, महामंत्री हिम्मत टांक, उपाध्यक्ष बसंती लाल छिपा, हीरालाल छिपा, मंडल प्रतिनिधि नरेश माली, युवा मोर्चा अध्यक्ष हरि सोनी, महामंत्री मनोज यादव, परमेश्वर गिरी, बालूराम तेली, सांवरिया टेलर, महिला मोर्चा अध्यक्ष रीना छिपा, पूरण सोनी, मंडल के संयोजक देवेंद्र छिपा, शांति लाल सेन, नवीन टेलर, कन्हैया लाल छिपा आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारत-पाक के बीच सीज फायर का स्वागत

उदयपुर (पुकार)। शहर विधायक ताराचंद जैन ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर का स्वागत किया है। विधायक जैन ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंक का खात्मा करने के लिए ही एयर स्ट्राइक की थी और इस स्ट्रायक में एक भी पाकिस्तानी आम नागरिक की मौत नहीं हुई थी पर इसके बाद भी पाकिस्तान ने हमला किया तो भारत ने उसका मुहँतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान को भारत की ताकत का अहसास करवा दिया। शहर विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की आतंक के खात्मे के लिए समय-समय पर इस तरह से आतंकवादियों को मारकर जनता की उम्मीदों को पूरा करेंगे।

मातृ दिवस के अवसर पर पारितोषिक वितरण समारोह रविवार को

उदयपुर (पुकार)। उदयपुर तालीम तरबियत फाउंडेशन एवं राम मेहता चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्तधान में रविवार 11 मई को मातृ दिवस के अवसर पर पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम के संचालक अब्दुल लतीफ मंसूरी ने बताया कि रविवार को मातृ दिवस अवसर पर एच आर एम रिपा ओटीसी सभागार महाकालेश्वर मन्दिर के समीप रानी रोड़ पर आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर गायत्री तिवारी, विशिष्ठ अतिथि प्रो.सैयद साजिद अली इनके अलावा समारोह में अजय मेहता, समाज सेवी शेख शब्बीर के. मुस्तफा, श्रीमती बतुल हबीब, डॉ. इकबाल सागर, जाहिद मंसूरी सहित कई गणमान्य नागरिक समारोह में उपस्थित होंगे।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव 22 को

उदयपुर (पुकार)। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जोगी तालाब, (सविना) उदयपुर में 22 मई को कैम्पस प्लेसमेंट ड्राईव का आयोजन किया जाएगा। प्रधानाचार्य सी.एस.टाक ने बताया कि कैम्पस प्लेसमेंट ड्राईव में पूणे की कंपनी ईकेए मॉबिलिटी विद्यार्थियों का इन्टरव्यू लेकर उन्हें जॉब का अवसर देगी। इस प्लेसमेंट ड्राईव में इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच के डिप्लोमा पास हो चुके व डिप्लोमा अंतिम वर्ष के संभाग भर के निजी व सरकारी पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के विद्यार्थी हिस्सा ले सकते हैं। प्लेसमेंट ड्राईव सुबह 10.00 बजे शुरू होगी। टांक ने बताया कि इस तरह का यह दूसरा कैम्पस प्लेसमेंट ड्राईव है, इससे पूर्व 6 मई 2025 को हुए कैम्पस प्लेसमेंट ड्राईव में कृष्णा मारूति कम्पनी द्वारा 12 विद्यार्थियो का 2.5 लाख सीटीसी पर चयन हुआ है। सी.एस.टाक ने डिप्लोमा उत्तीर्ण व डिप्लोमा अंतिम वर्ष के इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए इसे सुनहरा अवसर बताते हुए इसमें भाग लेने का आह्वान किया।

डाइट में शोध समीक्षा कार्यशाला का समापन

उदयपुर (पुकार)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट उदयपुर के सेवारत प्रभाग के तत्वावधान में पाँच दिवसीय शोध समीक्षा कार्यशाला का समापन शुक्रवार को हुआ। प्रभारी अधिकारी श्रीमती अमृता जोशी ने बताया कि गत 5 मई को प्रारंभ हुई इस कार्यशाला में सत्र 2024-25 में संपादित संयुक्त शोध (राज्य स्तरीय), दो जिला स्तरीय, पाँच प्रभाग स्तरीय एवं 12 डर्फ स्तरीय संपादित किए शोध कार्यों की समीक्षा डाइट प्रधानाचार्य डीईओ चन्द्र शेखर जोशी, प्रभागाध्यक्ष गायत्री जोशी, प्रभारी श्रीमती अमृता जोशी के मार्गदर्शन में कार्यदल के सदस्यों विशेषज्ञ देवी लाल ठाकुर, कल्पेश कुमार जैन, डॉ. कल्पना सुथार, श्रीमती उमा पारीक, सुश्री गार्गी भट्ट द्वारा की गई। जिसमें शोधार्थियों द्वारा की गई शोधों की समीक्षा कर उन्हें प्रतिपुष्टि दी गई, साथ ही शोधों से प्राप्त निष्कर्षो एवं सुझावो के आधार पर संबंधित विभाग को लागू करने हेतु अनुशंसाएँ की गई।

स्काउटिंग जीवन जीनें की कला सीखानें के साथ-साथ चरित्र निमार्ण की भी पाठशाला है : सांसद डा. रावत

उदयपुर (पुकार)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ उदयपुर एवं जिला मुख्यालय उदयपुर के तत्वावधान में सूरजपोल स्थित विवेकानन्द सभागार में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का स्मरण कार्यक्रम डॉ मन्नालाल रावत सांसद के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया।

स्थानीय संघ सचिव सैम्युल फ्रांसिस ने जानकारी देते हुऐ बताया कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का स्मरण कार्यक्रम वर्तमान में पहलगाम आतंकवादी हमले के कारण सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत स्काउट व गाइड के वालियंटर्स को देश भक्ति के जज्बे, सेवा त्याग और समपर्ण की भावना को विकसित करने तथा जरूरत होनें पर स्काउट गाइड को सेवाऐं देनें हेतु तत्पर रहनें के उदेष्य से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद डॉ मन्नालाल रावत का शाब्दिक स्वागत स्थानीय संघ के प्रभारी सहायक जिला कमिष्नर स्काउट ललित कुमार दक ने किया।

उदयपुर जिले के सी.ओ स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने मुख्य अतिथि को भारत स्काउट व गाइड संगठन का स्कार्फ पहनाकर स्थानीय संघ के कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ लोकेश जैन ने मेवाडी पाग पहनाकर तथा स्थानीय संघ के ही उपाध्यक्ष हेमंत श्रीमाली ने पुश्पगुच्छ भेंटकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पद से संबोधित करते हुऐ सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने अपनें छात्र जीवन के संस्मरण सुनाते हुऐ कार्यक्रम में उपस्थित कब, बुलबुल, स्काउट, गाइड, रोवर्स को बताया कि वे स्वॅय बाल्यकाल में स्काउट रहनें का शौभाग्य प्राप्त कर चुके है। तथा जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों में तम्बू लगाकर अल्प साधन एवं संसाधनों में जीवन जीनें की कला कैपिंग के जरिये सीख चुके है। बॉय हाथ मिलानें की बात को उन्होनें समझाते हुऐ कहा कि वन्स ऐ स्काउट आलवेज स्काउट भावना से ओतप्रोत एक स्काउट प्रत्येक दूसरे स्काउट का भाई होता है और वे बॉय हाथ इस लिऐ मिलाते है क्यों कि हमारा हदय बॉयी तरफ होता है इसके कारण हम एक दूसरे के साथ विष्व भाईचारे की भावना के साथ दिल से मिलते है। उन्होनें इस अवसर पर भारत स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय के सभाकक्ष को विकसित करने के अपनें सांसद कोटे से दो लाख रूपये की घोषणा करते हुऐ इसे शुरूआत बताया तथा अपनें छात्र जीवन में स्काउट रहनें के कर्ज को भारत स्काउट व गाइड संगठन को हर संभव सहयोग प्रदान करनें के लिऐ आष्वस्त किया। तथा एक पेड मॉ के नाम से आगामी वर्षाकाल में सघन वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर स्थानीय संघ की कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ लोकेश जैन ने स्थानीय संघ उदयपुर की स्काउट गाइड गतिविधियों की जानकारी देते हुऐ किये जा रहे कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुऐ स्थानीय संघ उदयपुर के कार्यालय एव प्रशिक्षण केन्द्र के लिऐ भूखण्ड का प्रस्ताव रखा। जिस पर सांसद महोदय ने आवष्यक कार्यवाही के लिऐ आष्वस्त किया।

इस अवसर पर सी.ओ स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने भारत स्काउट व गाइड की परिभाषा, सिद्धांत, नीति, नियम तथा मूलभूत आधार स्तंभो की जानकारी देते हुऐ राश्ट्रीय स्तर से यूनिट स्तर की गतिविधियों, बॉयज, गर्ल्स की गुणात्मक प्रगति, वयस्क लीडर की गुणात्मक प्रगति के साथ ही स्काउटिंग के सभा आयु वर्ग के आदर्श वाक्यों की जानकारी देते हुऐ उदयपुर संभाग तथा मण्डल शिविर केन्द्र उदयनिवास पर वर्ष प्रर्यन्त आयोजित होनें वाले राश्ट्रीय, राज्य, मण्डल, जिला, स्थानीय संघ यूनिट स्तर के शिविर गतिविधियों तथा शिविर के दैनिक कार्यक्रमों, शिविरकला आदि की जानकारी देते हुऐ ऑपरेशन सिंदूर के तहत जिला प्रशासन द्वारा चाही जानी वाली स्काउट गाइड वालियंटर्स सेवाओं के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर स्थानीय शिक्षण संस्थाओं के कब, बुलबुल, स्काउट, गाइड, रोवर तथा उनके प्रभारी स्काउटर्स, गाइडर्स ने उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया। स्थानीय संघ उदयपुर के ललित दक, डॉ लोकेश जैन, हेमंत श्रीमाली, जगदीश अरोडा, डॉ. भगवतीलाल साहू, विक्रम कुमावत, उमेश पुरोहित, हेमंत थापा, शिप्रा चतुर्वेदी, उर्मिला राव, विशाल गुप्ता सहित अन्य स्काउटर्स गाइडर्स उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पहुंचे उदयपुर

डॉ. गिरिजा व्यास के निधन पर जताया शोक, परिजनों को बंधाया ढांढस

उदयपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ गिरिजा व्यास को श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों को ढांढस बंधाते विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी।

उदयपुर (पुकार)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवारको उदयपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विविध आयोजनों में भाग लिया।

देवनानी शनिवार सुबह विमान से डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सड़क मार्ग द्वारा सर्किट हाउस उदयपुर आए। सर्किट हाउस में कुछ देर रूकने के बाद देवनानी उदयपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं प्रख्यात साहित्यकार डॉ. गिरिजा व्यास के निवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने परिजनों ने मुलाकात कर डॉ व्यास को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक व्यक्त किया। देवनानी ने शोकाकुल परिवारजनों से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। इस अवसर पर देवनानी ने डॉ. व्यास के साहित्यिक योगदान को भी याद किया और कहा कि उनकी रचनाएं हमेशा समाज को नई दिशा और प्रेरणा देती रहेंगी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदानकरने की प्रार्थना की।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने पूर्व महापौर रजनी डांगी के निवासपर भी पहुंचे तथा उनके पति वीरेंद्र डांगी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने शोक संतप्त परिवारजनों को ढांढस बंधाया। देवनानी ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के उपनिदेशक गौरीकांत शर्मा के निवास पर पहुंच कर उनकी धर्मपत्नी के निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया।

इस दौरान उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, समाजसेवी प्रमोद सामर, गजपाल सिंह राठौड़ सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 5 लाख प्रकरण निस्तारित, लगभग 21 करोड से अधिक के अवार्ड पारित

एन.आई.एक्ट न्यायालयो मे 810 प्रकरण निस्तारित, लगभग 11 करोड से अधिक के अवार्ड पारित

उदयपुर (पुकार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं माननीय सदस्य सचिव राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में उदयपुर जिले में श्रीमान ज्ञान प्रकाश गुप्ता अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उदयपुर के निर्देशन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कुलदीप शर्मा एडीजे एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उदयपुर ने बताया कि उदयपुर मुख्यालय के न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं पक्षकरों की गरीमामय उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन के साथ दिनांक 10 मई 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ किया किया गया। दिनांक 10 मई 2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत में लगभग 5 लाख प्रकरण निस्तारित लगभग 21 करोड रूपये से अधिक के अवार्ड पारित।

कुलदीप शर्मा एडीजे एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उदयपुर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रकरण का निस्तारण होने पर प्रकरण का हमेशा के लिए निस्तारण हो जाता है। निस्तारित प्रकरण की अपील नहीं होती है। राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रकरण का निस्तारण होने पर पक्षकारों द्वारा दी गई कोर्ट फीस पुनः लोटा दी जाती है। राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रकरण का निस्तारण होने से पक्षकारों में आपसी भाईचारे एवं सोहार्द की भावना बनी रहती है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के समय अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिशाषी अभियंता राजस्व अधिकारी एवं जिला मुख्यालय अजमेर डिस्काम के समस्त सहायक अभियंता एवं सहायक राजस्व अधिकारी देबारी, गिर्वा, मादडी, अशोक नगर, अम्बामाता, सवीना, पावर हाउस प्रथम एवं पावर हाउस द्वितीय, बडगांव, कुराबड, मधुवन, सेक्टर न. 4, एवं विद्युत विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। युनियन बैंक, एस.बी.आई., इन्डियन बैंक, बजाज फाईनेन्स, बैंक ऑफ बडौदा, पजांब नेशनल बैंक, एस.बी.आई. कार्ड, आर.एम.जी.बी., हिरो फिन कोर्प, आई.सी.आई.सी.आई., बैंक ऑफ इण्डिया, उद्गम कॉमर्सियल, अर्श इन्फो, युको बैंक, सुन्दरम फाइनेन्स, श्रीराम फाइनेन्स, आर.बी.एल. फिन. सर्व, केनरा बैक के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कुलदीप शर्मा एडीजे एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उदयपुर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु उदयपुर मुख्यालय एवं तहसीलों पर स्थित न्यायालयों पर बेंचां का गठन किया गया था।

शिल्पग्राम में नृत्याकृति उत्सवः ओडिसी नृत्य में रामाष्टकम, स्वागतम कृष्णा और दशावतार की मनमोहक प्रस्तुतियाँ

उदयपुर (पुकार)। शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में नृत्योर्मि संस्थान द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव नृत्याकृति में शनिवार को ओडिसी नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। यह आयोजन भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को बढ़ावा देने और स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। नृत्याकृति उत्सव में नृत्योर्मि संस्थान के कलाकारों ने ओडिसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कृष्णेंदु साहा ने ओडिसी नृत्य के माध्यम से रामाष्टकम की एक मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस प्रस्तुति में भगवान राम के बाल्यकाल से लेकर रावण वध तक की विभिन्न लीलाओं को ओडिसी नृत्य की भावपूर्ण और लयबद्ध शैली में जीवंत किया गया, जिसने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को और उजागर किया।

स्वागतम कृष्णाः भगवान कृष्ण के चंचल और दैवीय स्वरूप का प्रदर्शन

संस्थान के छात्रों ने 'स्वागतम कृष्णा' की भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को भक्ति और आनंद के सागर में डुबो दिया। इस प्रस्तुति में भगवान कृष्ण की बाल लीलाएँ, रासलीला, गोवर्धन पर्वत उठाना और कालिया मर्दन जैसे प्रसंगों को ओडिसी नृत्य की लयबद्ध चाल, त्रिभंगी मुद्राओं और भावपूर्ण अभिव्यक्तियों के माध्यम से दर्शाया गया। कलाकारों ने कृष्ण के चंचल, दैवीय और करुणामय स्वरूप को बखूबी उभारा, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जयदेव के दशावतार और पल्लवी प्रस्तुतियों ने बाँधा समाँ : जयदेव के गीत गोविंद से प्रेरित दशावतार की शानदार प्रस्तुति ने भगवान विष्णु के दस अवतारों को ओडिसी नृत्य की शैली में जीवंत कर दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद बसंत राग में बसंत पल्लवी, भैरव राग में भैरव पल्लवी और कलावती पल्लवी, कविदेव की ठुमरी की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को अपनी लय और सौंदर्य से आकर्षित किया। कार्यक्रम का समापन 'मोक्ष मंगलम' की प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने आध्यात्मिकता और शांति का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेवाड़ पूर्व राजपरिवार की सदस्य निवृत्ति कुमारी मेवाड़ थीं।

विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रेम भंडारी और विलास जानवे थे। कार्यक्रम का संचालन रिचा पानेरी ने किया।

राष्ट्र सर्वापरि का भाव रखें, शिक्षा का अंतिम उद्देश्य रोजगार प्राप्ति नहीं, रोजगार सृजनकर्ता बनें- देवनानी

विद्याभवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, उदयपुर का 59वां स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह

उदयपुर (पुकार)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र सर्वापरि की भावना रखनी चाहिए, तभी देश उन्नति के पथ पर निरंतर अग्रसर होगा। मौजूदा दौर में किताबी ज्ञान से ज्यादा व्यावहारिक और तकनीकी ज्ञान की जरूरत है। सिर्फ परीक्षा पास करना शिक्षा का उद्देश्य नहीं होना चाहिए। अनुशासन, मर्यादा और समर्पण से ही समाज और राष्ट्र का विकास संभवहै।

देवनानी शनिवार को विद्याभवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, उदयपुर के 59वें स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। पूर्व विद्यार्थी संस्था की ओर सेआयोजित कार्यक्रम में देवनानी ने कहा कि आज एआई का जमाना है। हमारी शैक्षणिक संस्थानों को इस दिशा में भी सोचना चाहिए। सकारत्मक दृष्टिकोण से जीवन स्वर्ग बन सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नौकरी के पीछे मत भागो। रोजगार देने की सोचो। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ संस्कार भी जरूरी है। पढेंगे, कमाएंगे और जीएंगे देश के लिए, यही हमारा संकल्प होना चाहिए। मोहनजोदड़ो के समय से भारत तकनीक के मामले में सिरमौर रहा है। राष्ट्र प्रथम का भाव रखें। अपने आसपास के लोगों का जीवन स्तर बढ़ाएं। जोयुगानुकूल है, उसे देशानुकूल बनाएं।

हम पूर्व नहीं अपूर्व बनें

देवनानी ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान के लिए पूर्व छात्र धरोहर होते हैं। हम पूर्व नहीं अपूर्वबनें। पूर्व विद्यार्थी संस्था के संस्थापक बीएल मंत्री, विद्या भवन संस्थापक मोहन सिंह मेहता, पहले प्राचार्य सीएस अग्रवाल के योगदान को याद करते हुए कहा कि जब शिक्षा की कोई कल्पना भी नहीं करता था, तब विद्या भवन की स्थापना करके अभूतपूर्व काम किया। मुझे 30 वर्ष तक इस संस्थान में काम करने का अवसर मिला। आज भी इस संस्था में जो कुछ सीखा वो मेरे काम आ रहा है। जीवन में नई दिशा मिली। 1956 में एक ब्रांच से शुरू हुआ। अब 6ब्रांच हैं। इससे पूर्व उन्होंने सरस्वती मेकाट्रॉनिक लैब, स्मार्ट क्लास रूम, सीएनसी वर्टिकल मशीनिंग सेंटर, लैथ मशीन का अवलोकन किया।

दुनिया में जमी भारत की धाक

देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति कर रहा है। मोदी की विदेश नीति के चलते विश्व पटल पर भारत का मान बढ़ा है। वर्तमान हालातों में भी दुनिया ने भारत कापराक्रम देखा। भारत ने आंतकियों के ठिकानों को खाक में मिला दिया और पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। इससे दुनिया में भारत की धाक जमी है।

पुरानी यादें हुई ताजा : देवनानी विद्या भवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय उदयपुर में 1991 से 2000 तक प्राचार्य रहे हैं। देवनानी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ अपने अनुभव बांटे। कार्यक्रम में संस्थान से पास आउट हुए 50 वर्ष पूर्ण करने वाले 22 और 25 वर्ष पूर्ण करने वाले 26 पूर्व छात्रों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन भी उपस्थित रहे। पूर्व विद्यार्थी संस्था के अध्यक्ष नवीन व्यास और उपाध्यक्ष जयप्रकाश श्रीमाली ने महाविद्यालय की विकास यात्रा की जानकारी दी। पूर्व विद्यार्थी संस्था की ओर से महाविद्यालय में विकास कार्यों की जानकारी देते हुए संस्थान के उत्थान को लेकर संकल्प दोहराया। विद्या भवन सोसाइटी के मुख्य संचालक और सेवानिवृत्त आईएएस राजेन्द्र भट्ट ने आभार प्रकट किया।

देवनानी आज करेंगे एकलिंगजी और नाथद्वारा के दर्शन

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी रविवार 11 मई को सुबह 8.30 बजे सड़क मार्ग से उदयपुर से प्रस्थान कर एकलिंगजी पहुंचेंगे।

वहां एकलिंगजी मंदिर में दर्शन के उपरान्त नाथद्वारा के लिए प्रस्थान करेंगे। नाथद्वारा मंदिर में दर्शन के बाद अजमेर के लिए प्रस्थान करेंगे।

शायराना की साहित्य, साज़ सुरों की मेगा महफिल 25 मई को

उदयपुर (पुकार)। शायराना उदयपुर प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को साहित्य, साज़ सुरों की मेगा महफिल सजा रहा है। मई महीने में यह आयोजन 25 मई रविवार को ऐश्वर्या कॉलेज, उदयपुर में आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम की थीम देशप्रेम देशभक्ति रखी गई है जिसमें देशभक्ति से ओतप्रोत गीत संगीत छन्द दोहे शेर शायरी कविताओं पैरोडी फिल्मी गाने लोक गीत राजस्थानी गानो का प्रस्तुतीकरण किया जा सकेगा।

इस आयोजन में अपनी प्रस्तुति देने वाले सदस्य 23 तारीख तक अपना नाम एवं गीत का नाम मनोज जी आँचलिया को प्रस्तुति विवरण सहित भिजवा कर पंजीकृत करवा लें। 24 तारीख शनिवार को फाइनल सूची तैयार हो जाएगी और उस सूची में दर्ज प्रतिभागी ही 25 तारीख को अपनी प्रस्तुति दे सकेंगे, इस व्यवस्था में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम नियत समय प्रातः 10:00 से प्रारम्भ होकर लगभग 2 बजे तक रहेगा। इस अवधि में लगभग 30 प्रतिभागी अपनी प्रस्तुति दे सकेंगे, अतः 23 तारीख तक अपने नाम पंजीबद्ध करवा लें। साहित्य और संगीत से जुड़े गुणिजन अपनी विशेष प्रस्तुति प्रदान करेंगे। आवश्यक जानकारी के लिए इस कार्य क्रम के प्रभारी एवम संगीतकार मोहन सोनी से संपर्क किया जा सकता है।

वर्तमान ही जीवन, उसे बेहतर बनाएँः अग्रवाल

उदयपुर (पुकार)। नारायण सेवा संस्थान में दिव्यांगजन के साझे में चल रहे त्रिदिवसीय कार्यक्रम 'अपनों से अपनी बात' के अन्तिम दिन शनिवार को अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि समस्याएं अनायास आती हैं। जो होनी है, वह होकर रहती है। इससे यदि हम पस्त हो जाएंगे तो जीवन भार बन जाएगा। हमें खुश रहते हुए हालातों का सामना करना होगा। न अतीत के बुरे दिनों को याद करना है और न वर्तमान के हालातों पर आंसू बहाने हैं। जीवन का हर क्षण नया है, अपने कर्तव्य से विमुख न हो और जीवन का पूरा आनंद ले। सभी रोगों की सिर्फ एक अचूक दवा है, खुश रहना। उन्होंने कहा कि व्यक्ति कभी-कभी स्वयं दुःख मोल ले लेता है। क्षणिक सुख या छोटे स्वार्थ के लिए वह दीर्घकालिक सुख और संतोष की अनदेखी करता है। लोगों की बातों से दुखी हो जाता है, खाली बैठकर नकारात्मक विचारों को अपने मनोमस्तिष्क में डेरा जमाने का मौका देता है। हम सत्संग, सत्साहित्य और सत्कर्मों में अपना समय दें। भूत और भविष्य में जीवन नहीं है, वर्तमान को बेहतर बनाकर परमानंद को प्राप्त करें। उन्होंने कार्यक्रम में कौशल विकास के लिए जीवन प्रबंधन, अध्ययन, व्यवस्थित दिनचर्या को अपनाते हुए चिंता और तनाव से दूर रहने को कहा। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कुछ निजी समस्याएं रखी। जिनका समाधान भी परस्पर विचारों से किया गया।

संक्षिप्त समाचार

आदिनाथ भगवान मंदिर में सत्तरभेदी पूजा व ध्वजा परितर्वन समारोह सम्पन्न

श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्वावधान में हुआ आयोजन

उदयपुर (पुकार)। श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्वावधान में 100 फिट रोड स्थित आदिनाथ भगवान मंदिर में शनिवार को सत्तरभेदी पूजा व ध्वजा परितर्वन का आयोजन हुआ।

महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि प्रन्यास प्रवर निरागरत्न विजय महाराज, साध्वी जय दर्शिता, साध्वी कीर्तिरेखा श्रीजी की निश्रा में सुबह 7.45 बजे पूजा एवं ध्वजा परिवर्तन हुई। जिसमें पार्श्व वल्लभ महिला मण्डल की बहिनों ने सत्तरभेदी की पूजा पढ़ाई गई। उसके बाद भगवान की अंग रचना की गई। इस दौरान आदिनाथ भगवान के विभिन्न भक्ति गीतों पर मौजूद श्रावक-श्राविकाएं झुम उठे एवं भगवान के जयकारें लगाए। उसके बाद सभी श्रावक-श्राविकाओं का सामूहिक नवकारसी का आयोजन हुआ। आयोजन में आए श्रावक-श्राविकाओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। नाहर ने बताया कि ध्वजा परिवर्तन का लाभ उमा-बसंती लाल मारवाड़ी परिवार ने लिया। इस दौरान राजेश जावरिया, कुलदीप नाहर, अशोक जैन, सतीश कच्छारा, गोवर्धन सिंह बोल्या, यशवंत पोरवाल, अक्षय पगारिया, हिमांशु जैन, दिनेश बापना, प्रकाश नागोरी, हेमंत कोठारी, रमेश सिरोया, श्रेयांश पोरवाल आदि मौजूद रहे।

भरत मेनारिया ने कराया योगाभ्यास

उदयपुर (पुकार)। सामाजिक सरोकारिता के मद्देनजर सुखाडिया विश्वविद्यालय योग केंद्र के तत्वाधान में विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में स्थित विवेकानंद ऑडिटोरियम के प्रांगण में विगत 19 अक्टूबर 2021 से निरंतर चल रहे निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए योग केंद्र समन्वयक डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि बिना किसी अवकाश के विगत 186 सप्ताह से निरंतर प्रातः चल रहे इस शिविर के 1302 दिन पूर्ण हुए, इस सप्ताह योग प्रशिक्षक भरत मेनारिया द्वारा हार्ट स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए सूक्ष्म व्यायाम, ताड़ासन, त्रिकोणासन, गौमुखासन, मंडूकासन, शशांकासन, मकरासन, भुजंगासन, नौकासन सर्वंगासन, धनुरासन, व शलभासन आसन के साथ कपालभाति, नाड़ी शोधन एवं भ्रामरी प्राणायाम तथा योगनिद्रा का अभ्यास करवाया गया। आज के अभ्यास में भाजपा के नगर अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ भी उपस्थित रहे।

भारतीय सेना के शौर्य को सलाम, कांग्रेस सशस्त्र बलों के साथ खड़ी है- पंकज शर्मा

उदयपुर (पुकार)। पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की सराहना करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता पंकज कुमार शर्मा ने भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और शौर्य को नमन किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सशस्त्र बलों के साथ खड़ी है और देश की सुरक्षा के लिए उठाए गए हर कदम का समर्थन करती है। शर्मा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना द्वारा किए गए साहसिक एवं निर्णायक अभियानों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे सैनिकों ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवाद के ठिकानों पर जिस साहस के साथ कार्रवाई की, वह हर भारतीय को गर्व महसूस कराता है। देश की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए उनकी यह कार्रवाई प्रेरणादायक है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि कांग्रेस नेतृत्व ने एकजुटता दिखाते हुए निर्णय लिया है कि 'संविधान बचाओ रैलियां' और अन्य निर्धारित कार्यक्रम कुछ दिनों के लिए स्थगित किए जाएंगे, ताकि इस समय पूरा देश सशस्त्र बलों के साथ खड़ा दिखे। पंकज कुमार शर्मा ने कहा, 'हमारी सेना पर हमें गर्व है। सरकार इस दिशा में जो भी कदम उठा रही है, कांग्रेस उसका पूर्ण समर्थन करती है। देशहित में पार्टी की प्राथमिकता हमेशा एकजुटता और राष्ट्रीय सुरक्षा रही है।

प्रवासी अग्रवाल समाज महिला समिति की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

समाज को एकजुट करने की शपथ, हर व्यक्ति की हो सहभागिता

उदयपुर (पुकार)। प्रवासी अग्रवाल समाज महिला समिति की नवीन कार्यकारिणी 2025 से 2027 तक के लिए दो वर्षीय कार्यकाल का गठन किया गया। महिला सचिव संतोष पित्ती ने बताया कि समाज हित में कार्य करने हेतु द्विवर्षीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह महिला अध्यक्ष रमा मित्तल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आने वाले दो वर्षों में किए जाने वाले सामाजिक एवं सेवा कार्यों की विस्तृत चर्चा की गई। सभी कार्यकारिणी की सदस्यों ने समाज को एकजुट करने, सामाजिक कार्यक्रमों में प्रत्येक परिवार की किस प्रकार सहभागिता हो, समाज कल्याण के कार्यों के कैसे उनकी हिस्सेदारी हो उसके लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के जरिए उनका जुड़ाव करने का प्रयास करने हेतु विचार विमर्श किया गया।

कार्यकारिणी की मनोनीत पदाधिकारियों क्रमशः सुषमा झुनझुनवाला, मधु गर्ग, कुसुम गोयल, सपना गुप्ता, पुष्पा जिंदल सुशीला गुप्ता, वीणा अग्रवाल, बबीता खेतान, सोनाली बंसल नीतू गुप्ता, सीमा अग्रवाल, निकिता अग्रवाल, शशि पित्ती, शीला अग्रवाल, लीसा खेतान चंद्रकांता अग्रवाल, लीलावती अग्रवाल सभी पदाधिकारियों द्वारा शपथ ग्रहण की गई।

उदयपुर-झाडोल-सोम मार्ग पर चट्टान खिसकने से बाधित मार्ग का स्थायी समाधान होगा

उदयपुर (पुकार)। उदयपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 58-ई (उदयपुर-झाडोल-सोम) में चट्टानों के खिसकने से बार-बार मार्ग अवरूद्ध होने को लेकर सांसद डॉ मन्नालाल रावत द्वारा केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे गए पत्र पर मंत्री द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने अपने पत्र में बताया था कि केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2017-18 में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 58-ई उदयपुर-झाडोल सोम मार्ग के सुदृढिकरण एवं चौड़ाईकरण हेतु वित्तीय राशि स्वीकृत जारी की गई थी। वर्तमान में उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुंडाल से झाडोल मार्ग पर दो स्थानों पर चट्टानों के खिसकने के फलस्वरूप आवागमन बाधित रहता है, जिससे दुर्घटना घटित होने का अंदेशा बना रहता है। सुरक्षा के मद्देनजर पुरानी सड़क पर नवीनीकरण का कार्य कर यातायात को संचालित किया जा रहा है। सम्बन्धित एजेन्सियों द्वारा चट्टानों का मलबा हटाया गया परन्तु चट्टानों की संरचना कमजोर श्रेणी की होने से समय-समय पर (वर्षा ऋतु में तथा तेज गर्मी में) चट्टानें खिसकती रहती है, जिस कारण राजमार्ग निर्माण का कार्य बाधित रहता है। सांसद डॉ रावत ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 58-ई के कुंडाल से झाडोल मार्ग पर स्थित उक्त दोनों स्थानों पर चट्टान खिसकने से मार्ग बाधित होने को रोकने के स्थाई समाधान के लिए केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा था। गडकरी ने अपने पत्र में सांसद डॉ रावत को अवगत करवाया है कि इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

'मुझे अमृता चाहिए' नाटक आज

उदयपुर (पुकार)। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' के अंतर्गत रविवार 11 मई को 'मुझे अमृता चाहिए' नाटक का मंचन सायं 7 बजे शिल्पग्राम उदयपुर स्थित दर्पण सभागार में किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया की प्रति माह आयोजित होने वाली मासिक नाट्य संध्या रंगशाला के अंतर्गत 'मुझे अमृता चाहिए' नाटक का मंचन 11 मई को सायं 7 बजे शिल्पग्राम उदयपुर स्थित दर्पण सभागार में किया जाएगा। इस नाटक के लेखक योगेश त्रिपाठी एवं निर्देशक परमिंदर पाल कौर है। इस कार्यक्रम में आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

करोड़ों की जमीन भूमाफियाओं ने हड़पी

उदयपुर (पुकार)। जमीन का म्यूटेशन खुलवाने के बहाने कुछ लोगों ने दो भाईयों की करोड़ों रूपए की जमीन को अपने नाम पर करवा ली ओर एक भाई को गायब कर दिया, जो लापता है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुलाबसिंह पुत्र स्व शंभू सिंह देवडा निवासी लई का गुडा बडी ने रिपोर्ट दी कि मेरे माता-पिता, दादा-दादी सब की मृत्यु हो गई हैं। हम दो भाई हैं, बडा मैं हूं और मेरे से छोटा नरपत सिंह ऊर्फ छोटू हैं। हमारे पैतृक जमीन लई का गुडा में स्थित हैं जो हमारे माता-पिता की मृत्यु के बाद हम दोनो भाईयो के नाम नामान्तरण हुआ हैं। मेरे छोटे भाई ने मुझे आज से 20-25 दिन पहले बडगांव रजिस्ट्री कार्यालय बुलाया और कहा नामान्तरण करवाना हैं, जिस पर मैं वहां गया। तहसील कार्यालय मेरा भाई मिला। वहां पर मांगीलाल कुम्हार निवासी बडगांव, अजयवीर सिंह पुत्र भंवर सिंह देवडा निवासी लई का गुडा, शैतान सिंह देवडा, संजय मेघवाल ऊर्फ शानू, सुरेन्द्र सिंह उर्फ सूर्यवीर सिंह उर्फ बिट्टू, जगदीश लौहार, अरविन्द सिंह देवडा खडे थे जिन्होने मुझे कहा की तुम्हारी जमीन के नामान्तरण में कुछ कमी रह गई हैं जो सही करवाना हैं। मुझे और मेरे भाई से स्टाम्प खरीदवा कर कागजो पर हस्ताक्षर कराए और एक ऑफिस में पेश किया। बाद में कहा की चार-पांच दिन में सब काम ठीक हो जाएगा। उसके बाद हम दोनो भाई घर चले गए। उसके कुछ दिन बाद हम दोनो भाईयो के खाते में 15-15 लाख रूपये आए, जिस पर मैंने मेरे भाई को बताया।

गत रविवार को मेरे नानीजी के घर से मेरे गांव देवरे पर गया जहां ये सभी लोग मिले, जिन्होने कहा की तेरे जमीन की रजिस्ट्री करा दी हैं ओर दोनो भाईयो के खाते में 15-15 लाख डलवाए हैं जो रूपये हमें देने पडेगें। मैंने मना किया तो जगदीश लौहार, अजय सिंह, शैतान सिंह, अरविन्द सिंह ने मेरे साथ मारपीट की। मुझे कहा की रूपये हमें देने पड़ेगें मैने मना कर दिया ओर चिल्लाया तो ये लोग भाग गए। उसके बाद मैं बडी मुश्किल से मेरे नानी के घर पर गया और यह बात बताई। उसके बाद मेरी नानी व मेरी मामी का लडका रविन्द्र सिंह भाटी निवासी देवाली को यह बात बताई इन्होने पता किया तो पता चला की मांगीलाल कुम्हार निवासी बडगांव ने इन सभी के साथ मिलकर म्यूटेशन कराने के बहाने तहसील बुला हम दोनो भाईयो की करोडो की जमीन की रजिस्ट्री करवा दी।

इन लोगों ने रजिस्ट्री के बाद मेरे छोटे भाई नरपत सिंह ऊर्फ छोटु को उसी दिन से गायब कर दिया हैं जो आज तक घर नहीं आया हैं। रिपोर्ट पर बड़गांव थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लूट की वारदात का खुलासा, 3 गिरफ्तार

उदयपुर (पुकार)। जिले की ऋषभदेव थाना पुलिस ने लूटी की वारदात का खुलासा करते हुए 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी भरत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि प्रार्थी हैमेन्द्र आचार्य पिता गोपाल आचार्य उम्र 37 साल निवासी गोपालगढ, गिरजाघर के पास, भरतपुर हाल जैन मन्दिर गली, खेरवाडा ने रिपोर्ट दी कि 26 अप्रेल को मैं निजी कार्य से जोधपुर गया हुआ था। जोधपुर से ऋषभदेव आने के बाद अपने मित्र के स्कूटर से ऋषभदेव से खेरवाड़ा आ रहा था। रात करीब 1 बजे बजे हाईवे नम्बर 48 पर माण्डवा कागदर ओवरब्रिज (पेट्रोल पम्प) के पास एक काले रंग की मोटरसाइकिल जिस पर तीन व्यक्ति आए और मेरे स्कूटर के आगे मोटरसाइकिल लगाकर मुझे जान से मारने की नियत से तलवार से मेरे सिर पर वार किया। जो मेरे हैलमेट पर लगा फिर तीनों ने मेरे साथ मुक्के व थप्पड़ से मारपीट करते हुए मेरे पैन्ट व शर्ट के जेब में रखे हुये 5,000 रूपये व मेरा पहचान पत्र, आधार कार्ड एवं एम.आई कम्पनी का मोबाईल फोन, लूट कर अपने साथ लेकर भाग गये। इस रिपोर्ट के बाद पुलिस टीम ने नेशनल हाइवे 48 पर खेरवाडा न्यायालय के कर्मचारी के साथ हुई लूट की वारदात का खुलासा करते हुये पुलिस ने रतनलाल पिता शान्तिलाल निवासी झामलिया फला सरूपाल, टीडी, .समरथ पिता आत्माराम निवासी बिलख, गडावत फला गोरिम्बा, ऋषभदेव और लालूराम उर्फ ललित उर्फ लाला पिता रमेश निवासी सरूपाल फला खेडीयां को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई।

मन्दिर से सोने-चांदी के छत्र चोरी करने वाले 4 शातिर नकबजन गिरफ्तार

उदयपुर (पुकार)। शहर की प्रतापनगर थाना पुलिस ने मंदिर से सोने-चांदी के छत्र चोरी करने वाले 4 शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले दो ज्वैलर्स भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के सामने इन नकबजनों ने आधा दर्जन से ज्यादा वारदाते करना कबूल किया है। पुलिस ने इनसे 8 किलोग्राम चांदी व तीन सोने के छत्र बरामद किए है।

प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण ने बताया कि प्रार्थी राजेन्द्र कुमार दवे निवासी बोहरा गणेश जी ने रिपोर्ट दी कि रात्रि में मेरे मकान पर बना ज्वाला माताजी मन्दिर का अज्ञात बदमाशों ने ताला तोड दिया और वहां से सोने व चांदी के छत्र चोरी कर ले गये। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज, बीटीएस लोकेशन व गुप्त सूचनाओं के आधार पर 4 संदिग्ध व्यक्तियों को डिटेन कर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान चारो बदमाशों ने दिन के समय मकान व मन्दिर की रैकी कर रात्रि के समय वारदात करना बताया। इस पर चारों बदमाशो को गिरफ्तार कर चोरी का माल जब्त किया। इसके अलावा थाना सुखेर सर्कल के गांव सुखेर, चित्रकुट नगर, काली मगरी, मीरा नगर, बेदला में भी रात्रि के समय मकानो से चोरी करना कबूल किया है। प्रकरण की वारदात में चोरी किये गये सोने चादी के छत्रो को विनय सोनी व ऋषभ सोनी निवासी नाथद्वारा जिला राजसमंद को विक्रय करना बताया। इस पर पुलिस ने विनय सोनी व ऋषभ सोनी को भी गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी का माल बरामद किया गया है।

प्रकरण मे पुलिस ने कालूनाथ पिता उदयनाथ निवासी गांवगुडा कालीघाटी, खमनोर, किशन पिता मिठठू निवासी थोरिया घाटा थाना केलवाडा, लोकेश पिता प्रभू निवासी रामनगर भूवाणा बाईपास थाना सुखेर व विनोद उर्फ बांका पिता अमरा निवासी इन्द्रा कॉलोनी, गोर्वधन विलास को गिरफ्तार किया है।

पाक समर्थन पर मार्बल एसोसिएशन ने किया तुर्की से व्यापार का विरोध

उदयपुर (पुकार)। उदयपुर मार्बल एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा मार्बलचौम्बर कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें पदाधिकारियों ने तुर्की द्वारा पाकिस्तान को सीधा समर्थन देने की निंदा की।

एसोसिएशन अध्यक्ष पंकज गंगावत ने बताया कि तुर्की से हमारे व्यापारिक रिश्ते अच्छे रहे हैं, जिस कारण काफी मार्बल व्यापारी तुर्की से मार्बल ग्रेनाइट का आयात करते हैं। तुर्की इसको नजरअंदाज करते हुए हमारे दुश्मन देश पाकिस्तान को सहयोग कर रहा हैं। इससे हमारे मार्बल व्यापारियों में बहुत ही आक्रोश हैं, और सभी मार्बल व्यापारी यह चाहते हैं कि तुर्की से व्यापार का बंद किया जाए। हाल ही में, तुर्की ने पाकिस्तान को समर्थन देने के लिए सीधे कदम उठाए हैं, जो न केवल भारत के हितों के विरुद्ध है, बल्कि यह क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए भी एक बड़ा खतरा है।

गंगावत ने बताया कि तुर्की से हर साल अरबों रुपये कामार्बल ग्रेनाइट आयात किया जाता हैं जो कि वर्तमान स्थिति में राष्ट्रीयता के खिलाफ हैं। हम सभी मार्बल व्यापारी सरकार से अपील करते हैं कि तुर्की के साथ मार्बल व्यापार को प्रतिबंधित कर देश हित की रक्षा करें और तुर्की से होने वाले आयात-निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करें, साथ ही हम तुर्की से होने वाले अन्यव्यापार की भी निंदा करते हैं।

एसोसिएशन देशवासियों से अपील की कि वे तुर्की से व्यापारिक प्रतिबंध के साथ ही पर्यटन को भी बंद कर दें। इस सम्बन्ध में मार्बल एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पियूष गोयल एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन को पत्र लिखकर आग्रह किया गया। हमें तुर्की को यह समझाना होगा कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिए कड़े औरनिर्णायक कदम उठाने में सक्षम है। तुर्की द्वारा इस प्रकार के सैन्य सहायता को भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है। सरकार को चाहिए कि वह इस संबंध में कड़ी कार्रवाई करें। हम सरकार से अपील करते हैं कि वह तुर्की के साथ होने वाले आयात-निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाए। भारत के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन करने वालों का हर तरह से बहिष्कार किया जाना चाहिए। इस बैठक में अध्यक्ष पंकज गंगावत, पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राव, उपाध्यक्ष राजेंद्र मौर, सचिव नीरज शर्मा, सह सचिव नरेन्द्र सिंह राठौड़ एवं कोषाध्यक्ष कुलदीप जैन उपस्थित थे।

'एक शाम ग़ज़ल के नाम' में सुरों की मिठास, महफिल में छाए कलाकार

उदयपुर (पुकार)। सुरों की मंडली के संस्थापक मुकेश माधवानी ने बताया की शहर की प्रतिष्ठित संस्था सुरों की मंडली द्वारा शुक्रवार शाम अशोका पैलेस में आयोजित संगीतमय संध्या 'एक शाम ग़ज़ल के नाम' में संगीत और शायरी के सुरों ने ऐसा समां बांधा कि हर कोई भावविभोर हो गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरों की मंडली के सदस्य और जाने माने गजल गायक राकेश माथुर थे, उनकी मौजूदगी और सराहना ने कलाकारों का हौसला और बढ़ा दिया।

सयोजक दिलीप जैन एवं कैलाश केवल्या ने बताया की संगीत संध्या में संस्था के सुर साधकों ने दिल को छू जाने वाली ग़ज़लों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

ग़ज़लों के बोल, सुरों की मिठास और शायरी की गहराई ने दर्शकों को देर तक बांधे रखा। हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज ने माहौल को खास बना दिया।

चेतना जैन एवं मुकेश शर्मा ने बताया की कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे शगुन जैन, पवन शर्मा, पूनम पालीवाल, दिव्या सारस्वत, हेमंत सूर्यवंशी, अकबर और दिलीप वर्मा शामिल रहे। इन सभी अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा और बढ़ा दी।

संयोजक कमल मेहता ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य शहर के संगीत प्रेमियों को एक भावनात्मक अनुभव देना है। वहीं संस्था के संस्थापक मुकेश माधवानी ने कहा कि सुरों की मंडली का मकसद सिर्फ सुरों की प्रस्तुति नहीं, बल्कि साहित्य, संगीत और संस्कृति को एक मंच देना है।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली सम्मानित हस्तियों को भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन चेतना जैन एवं नूतन वेदी ने किया।

साइबर अटैक से बचाव के लिए जागरूकता पर जोर

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला

उदयपुर (पुकार)। वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य और बढ़ते साइबर खतरों को ध्यान में रखते हुए, अनुष्का ग्रुप द्वारा सेक्टर 3 स्थित परिसर में 'साइबर अटैक से कैसे बचें' विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य साइबर सुरक्षा, बचाव के उपाय और नागरिकों को डिजिटल खतरों से अवगत कराना था। आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध की खबरें सुर्खियों में रहती हैं। हैकर्स निजी डेटा, बैंक विवरण चुराने और ठगी के नए-नए तरीके अपनाने में माहिर हो गए हैं। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि अनजान लिंक या नोटिफिकेशन पर क्लिक करने से डेटा चोरी का खतरा बढ़ जाता है। इस समस्या का सबसे आसान समाधान है- जागरूकता।

विशेषज्ञों की राय : साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और ड्रोन ट्रेनर अशोक कल्याणी ने कहा, 'अनजान ऐप्स को फोन में एक्सेस देना साइबर अपराध का प्रमुख कारण है। वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों से बचने के लिए जागरूकता जरूरी है।' उन्होंने बचाव के तरीकों पर भी प्रकाश डाला।

हिरण मगरी थाने के साइबर सेल कांस्टेबल राजकुमार जाखड़ ने विद्यार्थियों को सचेत करते हुए कहा, 'नोटिफिकेशन पर क्लिक करने से बैंक डेटा और निजी जानकारी चोरी हो सकती है। ऐसी स्थिति में तुरंत मोबाइल डेटा बंद करें, इससे धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाती है।' एसबीआई लाइफ के एजेंसी मैनेजर और साइबर बैंक फ्रॉड विशेषज्ञ अशोक पनवा ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से साइबर खतरों, डेटा उल्लंघन, रैनसमवेयर हमलों और साइबर सुरक्षा पेशेवरों की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी।

डिजिटल डेटा संरक्षण पर जोर

अनुष्का ग्रुप के निदेशक राजीव सुराणा ने कहा, 'डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम (DPDP), 2023 भारत में डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के लिए ऐतिहासिक कदम है। यह नागरिकों को उनके डिजिटल अधिकारों की सुरक्षा देता है और संगठनों को पारदर्शिता के साथ डेटा प्रबंधन का मार्गदर्शन करता है।' उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

उपस्थित गणमान्य

कार्यशाला में हिरण मगरी थाने के कांस्टेबल प्रताप सिंह राठौड़, एसबीआई लाइफ उदयपुर से निखिल कुमार सेवक, लाइफ मित्र उदयपुर से शानू पडिहार सहित अनुष्का ग्रुप के भूपेश परमार, प्रणय जैन, जितेंद्र मेनारिया, डॉ. हेमंत बाबेल, शैलेन्द्र सिंह चारण, लोकेंद्र सिंह राठौड़, गिरजा साल्वी, हर्षिता चौहान, प्रवीण सुथार, मोती चौहान, केसर लोहार, कशिश पुजारी, कुणाल बडोला, नीलम औदीच्य, कुलदीप मेघवाल आदि उपस्थित थे।

सैनिकों को शक्ति एवं सामर्थ्य प्रदान करने भाजपा के विभिन्न मंडलों द्वारा मंदिरों में की भव्य आरती, पूजा-अर्चना

उदयपुर (पुकार)। भाजपा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के समस्त कार्यकर्ता ने आज शाम को मंडी में हनुमानजी मंदिर पर विशेष आरती की एवं प्रार्थना कि बॉर्डर पर जो हमारे सैनिक पाकिस्तान से लड़ रहे हैं उनकी रक्षा करें एवं उन्हें ताकत प्रदान करें कि वह पाकिस्तान और आतंकवाद का खात्मा कर सके एवं देश के यशस्वी तेजस्वी ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और अधिक बल देवें और अधिक ताकत प्रदान करें जिससे भारत को विजय प्राप्त करें इस माह आरती में उपस्थित पूर्व उपमहापौर लोकेश त्रिवेदी ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा महामंत्री राजमल चित्तौड़ा उपाध्यक्ष संयोजक रामलाल साहू अनिल अग्रवाल सह संयोजक शत्रुघ्न बंदवाल दीपक वसीटा मंत्री रूपम नलवाया नीतू गुप्ता सुमन सोनी वर्षा कुमावत सदस्य कैलाश साहू प्रहलाद चौहान अनिल साहू कन्यालाल साहू हरीश कुमावत समस्त मंडल के सभी पदाधिकारी मौजूद थे

सुन्दर सिंह भंडारी मंडल के वार्ड 61 के सांदेश्वर महादेव मंदिर मे कार्यकर्ताओ ने महाआरती एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर विजयगोधा, मांगू सिंह रावत, अनिलकटारिया, गिरिराज सालवी, विशाल साहू, मुकेश धायभाई, नरेश चित्तौड़ा, चोसर मालि, मोहित सालवी, ललित चौधरी, नीलम रामेजा तथा भावना बोराणा, राजेन्द खोखावत, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नंदेश्वर मंडल भाजपा ने बड़ बड़ेश्वर महादेव पर आज पूजा अर्चना कर भारतीय वीर सपूतों रक्षा करने के लिए भगवान से प्रार्थना की और और विजय हासिल करने के लिए महादेव की पूजा अर्चना की गई और इस दौरान पूजा अर्चना में नादेश्वर मंडल अध्यक्ष सुनील चौधरी महामंत्री भगवती लाल तेली प्रवेंद्र सिंह देवड़ा भाजपा के जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष तख्त सिंह शक्तावत पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश धाबाई सभी जिला मंडल के पदाधिकारी पार्टी के वरिष्ठ मौजूद थे।

भाजपा देबारी मंडल में संगठन के शीर्ष नेतृत्व के आव्हान पर मंडल अध्यक्ष प्रताप सिंह राठौड़ के निर्देश पर चारभुजा नाथ जी की महाआरती कर देश की सेना को अपार साहस शौर्य शक्ति सुरक्षा देने की प्रार्थना की है।

इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष नंदलाल वेद, जिला परिषद सदस्य दूदाराम डांगी, कुराबड़ मंडल अध्यक्ष भरत मीणा, मंत्री चंदन सिंह देवड़ा, नवलराम, कालू, खुमान सिंह, अर्जुन लोहार, हर लाल, हरि सिंह, हरिराम लोहार, गौरव राठौड़, नरेंद्र चौधरी, राहुल वैष्णव, गमेर दास जी, रोशन गर्ग, अक्षय वेद युगल, दिग्विजय सिंह, नयनराज सिंह, सुमित्रा, कृतिका, कशिश, जमना समेत बच्चे बड़े गणमान्य राष्ट्रभक्त नागरिक मोजूद रहे।

भुवाणा मंडल के नागरिक बंधुओ के द्वारा रत्नेश्वर महादेव मंदिर बड़ी गांव में महाआरती एवं महामृत्युंजय मंत्र जाप का आयोजन रखा गया जिसमें भुवाणा मंडल महामंत्री महेंद्र सिंह देवड़ा मंदिर पुजारी भगवती लाल चौबीसा, खूबेश सुथार, पंचायत समिति सदस्य श्रीमती संजू सुथार, अजयवीर सिंह देवड़ा, विक्रम सिंह देवड़ा, बोथलाल सुथार एवं भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे। देश की सीमाओ की रक्षा करने वाले माँ भारती के वीर सपुत फौजियों/ सेनिको की रक्षा के लिए एवं उक्त मिशन की सफलता, कामयाबी के लिए उदयपुर के समस्त वार्डों में हनुमान चालीसा का आयोजन रखा गया जिसमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के वार्ड 33 में सेंट्रल एरिया, हनुमान मंदिर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय निवासियों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

देशी व अंग्रेजी शराब के 49 कार्टून जब्त

उदयपुर (पुकार)। झाडोल थाना पुलिस और स्पेशल टीम ने एक दुकान में अवैध रूप से स्टोर कर रखी देशी और अंग्रेजी शराब के 49 कार्टून जब्त किए है। स्पेशल टीम प्रभारी श्याम सिंह रत्नू और झाडोल थानाधिकारी फैलीराम ने बताया कि सूचना मिली कि चन्दवास तिराहे के पास से सवा पुत्र परथा निवासी चन्दवास झाडोल ने अपनी दुकान में अवैध रूप से देशी और अंग्रेजी शराब भंडारण कर रखी है। इस सूचना पर दबिश देकर दुकान से अंग्रेजी व देशी शराब के 49 कार्टून जब्त किए। इस दौरा सवा मीणा पुलिस को देख मौके से भाग गया। जब्त शराब की कीमत करीब एक लाख पचास हजार रुपये है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आम सूचना

यह आम सूचना मैं मेरे व्यवहारी श्री दीपक दास पिता स्व. श्री राधेश्यामदास जी, निवासी- मल्लातलाई चौराहा, उदयपुर (राज.) की और से अधिकृत होकर हर आम खास को सूचित करता हूँ कि मेरे व्यवहारी के भाई कृष्णदास व दिलीप दास जो कि विगत कई समय से मेरे व्यवहारी के कहने में न होकर मेरे व्यवहारी का घर छोड़ कर बिना बताये चले गए होकर करीब 1 वर्ष से अत्यधिक समय से कही अन्यत्र निवास कर रहे है और वहाँ से वह लगातार मेरे व्यवहारी को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं ऐसे में मेरा व्यवहारीया उनके व्यवहार से व्यथित हो उनसे अपने समस्त सम्बन्ध समाप्त कर, अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से भी बेदखल करता है ।

लिहाजा आज के बाद कोई भी किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार उनसे करें तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा उसमें मेरे व्यवहारी की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं रहेगी।

स्थान : उदयपुर ।
दिनांकः 09.05.2025

लोकेश कुमार सिन्धल
(एडवोकेट)
मो. 9024085706

सम्पादकीय

सधी रणनीति-कूटनीति

दशकों से पाक पोषित आतंकवादियों के हमले झेल रहे भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में सधे-सटीक मिसाइल हमले करके आतंक की पाठशालाएं धवस्त कर दीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप-रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत-पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया। दरअसल, चीन व तुर्की को छोड़कर दुनिया के तमाम बड़े मुल्क आतंक से प्रभावित भारत के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वहीं सऊदी अरब के उपविदेश मंत्री अदेल अलीजुबैर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। जिन्हें पहलगाम हमले के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया। भारत ने आतंक को बढ़ावा देना बंद न करने तक बातचीत से इनकार किया।

मोदी सरकार, सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों तथा सेना के तीनों अंगों ने बेहतर तालमेल के साथ ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद पाक द्वारा किए हमलों को विफल बनाने के लिये पर्याप्त होमवर्क किया। लगातार बैठकों व संवाद के जरिये इस चुनौती के मुकाबले की रणनीति को अंजाम दिया। जिससे देश के जनमानस का भरोसा बढ़ा कि देश सही हाथों में है। अब तक भारत पाक पोषित आतंकवादी हमलों के बाद सिर्फ कूटनीतिक स्तर पर कार्यवाही की कोशिश करता रहा है। ऐसी स्थिति मुंबई हमले, संसद पर हुए हमले तथा पठानकोट एयर बेस पर हुए हमलों के बाद सामने आई। भारत सबूतों के आधार पर वैश्विक संगठनों से कार्रवाई की मांग करता रहा है। लेकिन पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना नये भारत की बदली रणनीति का पर्याय ही है। पहले पाक के परमाणु हथियार का डर दिखाकर भारत को कार्रवाई करने से रोका जाता रहा है। कालांतर में 2016 में उरी में 19 सैनिकों के मारे जाने पर नियंत्रण रेखा के पार व 2019 में पुलवामा विस्फोट के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की गई। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद सीधी कार्रवाई करके साफ संदेश दिया कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब आतंकवाद को सींचने वाले पाक पर भारत सीधी कार्रवाई करेगा। भारत ने पहले पूरी दुनिया को पुलवामा हमले की साजिश के सबूत दिए और फिर कार्रवाई की। यही वजह है कि दुनिया के तमाम देश भारत के पक्ष में खड़े नजर आए। अब भारत ने महज अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गुहार लगाना बंद कर दिया है। निश्चय ही यह रणनीति मनोवैज्ञानिक दबाव बढ़ाने के बजाय अमेरिका व इस्राइल की तर्ज पर घर में घुसकर मारने की रणनीति है। बहरहाल, भारत ने दुनिया को बता दिया कि पाक अपनी जमीन पर आतंकियों को प्रशिक्षण व समर्थन तो देता है लेकिन उनके विरुद्ध कार्रवाई से बचता है। वहीं दूसरी ओर भारत ने परंपरागत युद्ध शैली से हटकर नई तकनीकों का भरपूर उपयोग किया। भारतीय रक्षा कवच एस-400 यानी सुदर्शन चक्र आदि का पाक हमलों को विफल करना नवीनतम तकनीकों का ही प्रतिफल है।

विराम में छुपे नापाक मंसूबे से हिन्द रहे सावधान

डॉ.अतुल कुमार

अप्रत्याशित तौर से मिले दो दिवसीय युद्ध विराम के सुखद समाचार में ना'पाक' की नीयत से संदेह के बादल मंडराते है। तेरह मई को अमेरिका की मध्यस्थता से पूर्ण विराम बना रहेगा नहीं यह एक यक्ष प्रश्न है। पाकिस्तान की घिनौनी हरकतों के इतिहास के बारे में लिखने के लिए नये शब्दों की जरूरत नहीं है। कुत्ते की हरदम टेढ़ी रहने वाली पूँछ की तरह आंतक के कारखाने को चलाये रखना उसकी आदत है। दुनिया युद्ध में लगी रहे यह तो अमेरिका की छिपी हरदम से मंशा है और पाकिस्तानी हूकमत को बने रहने के लिए आंतकवादी को वादी में पोसने की मजबूरी है। इसके बाद भी कल तक परमाणु हमले की धमकी देने वाले शेरखां बने मेमने की भांति मिमयाने क्यों लगे, इस पर सचेत रहने की जरूरत है। जुबां चलाने वाले पाकिस्तानी में अस्त्र चलाने की अक्ल कितनी है पता चल गयी। महान भारतीय सेना के पराक्रम और क्षमता की झलक ने ही इनकी औकात बता दी। देश रक्षा में सदैव तैयार रहने वाले भारतीय सैनिक की जबरदस्त मार ने पाकिस्तान की हवा खराब कर दी है।

हिन्द की एक एक जान राष्ट्रहित में हजार बार जान देने को तैयार है। सवा करोड़ की एक साथ उठी आवाज ने नभ जल थल को कंपायमान कर दिया। हमारी एकता साथ दिखी वहीं पाकिस्तान के चार टुकड़े होने को तैयार थे। हिन्दुस्तान का बच्चा-बच्चा अपनी फौज के साथ था वहीं पाकिस्तान के साथ उनके हुक्मरान तक नहीं थे। सच कहे तो फौज ने सिर्फ आज की रात में ही पाकिस्तान को नक्शे से गायब कर देना था। सही तरीके से निपटा कर कायरों के कब्जे से काश्मीर ले लेना जरूरी था। हमेशा का सिरदर्द खत्म कर शांति का वातावरण हमेशा का बन जाता। हिन्दुस्तान ने हमेशा शांति की पहल की है। इसी कारण तुरंत ही जब अमेरिका के माध्यम से विश्व जनमानस के देशों ने वार्ता की तो बात मानते हुए सिन्दुर सैन्य कार्यवाही को स्थगित कर दिया है। यह सर्वदा याद रहे कि पाकिस्तानी अपनी जुबां पर रहने वाली जमात नहीं है। सरकार और जनता भी किसी गफलत में आंखे बंद करके नहीं रहे। अचानक ही पलट कर मारने के मंशा हमेशा से पाकिस्तानी में रही है। इससे भी अलग यही बात है कि आंतकी हरकतों पर पाकिस्तानी शासन का कोई नियंत्रण ही नहीं है। इससे भी इतर एक और बात है कि आंतकी को पाल कर ही पाकिस्तान की दुकान चलती है। आंतकी सगठनों को पालने वालों के कुटिल मंसूबे पूरे नहीं होगें। वो हमेशा चाहते है कि निर्दोष और निरपराधों के रक्त बहता रहे। ऐसे गिरी घटीया सोच के लोगों को खाज पाना कठिन होता है। इन रक्त बीजों के खतरे से सावधान रहना है। इसलिए सेना ही की तरह इस संघर्षविराम पर सरकार, समाज और सभी साथियों के साथ हमारी जनता को सर्वदा तैयार रहना चाहिए। इसी सावधानी बरतते हुए विराम पर ध्यान रहे।

विक्रम राठौड़ जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जनसंपर्क प्रकोष्ठ के सह संयोजक नियुक्त

जोधपुर। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति डॉ.अजीत कुमार कर्नाटक द्वारा गठित विश्वविद्यालय जनसंपर्क प्रकोष्ठ में जनसंपर्क एवं लोक प्रशासन विषयों के विख्यात विशेषज्ञ विक्रम राठौड़ को जनसंपर्क प्रकोष्ठ का सह संयोजक नियुक्त किया है। समिति के सह संयोजक के रूप में विक्रम राठौड़ जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की जनसम्पर्क मीडिया, अकादमिक -प्रशासनिक नीतियों, विभिन्न कार्ययोजनाओं, आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, गतिविधियों -अभियानों का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं इनसे जुड़े विषयों पर कुलपति को परामर्श भी प्रदान करेंगे। इस आशय के जेएनवीयू जोधपुर द्वारा आदेश जारी किए है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. कर्नाटक ने राठौड़ को शुभकामनाएं प्रदान की एवं उन्होंने इस नियुक्ति हेतु कुलपति का आभार प्रकट किया। विक्रम राठौड़ राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के सह जनसंपर्क अधिकारी के रूप में भी अपनी मानद सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

जन्मदिन वैशाखी पूर्णिमा (इस वर्ष 12 मई 2025) पर विशेष :-

धन्य धरा मेवाड़... कांकरवा (मेवाड़) में जन्में थे योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु महंत दिग्विजयनाथ महाराज

गोरखपुर के गोरखनाथ मन्दिर को दशकों से देश में हिन्दुत्व की राजनीति का केन्द्र माना जाता रहा है। चर्चित व प्रसिद्ध गोरक्षनाथ पीठ पर मेवाड़ के महाराणा प्रताप के भाई के वंश में जन्मे एक योगी भी महन्त पद को सुशोभित कर चुके हैं। गोरखनाथ सम्प्रदाय के महन्त दिग्विजयनाथ महाराज ने ही इस मन्दिर को हिन्दुत्व की राजनीति का केन्द्र बनाया था।

असाधारण प्रचण्ड व्यक्तित्व, ओज, तेजस्विता का सजीव श्रीविग्रह, गौर वर्ण, मोहक आकर्षक व्यक्तित्व, दक्षता और सत्यावृत्त निष्ठा के प्रतीक, लम्बा और विशाल शरीर, सुडौल तथा सुगठित अंग-प्रत्यंग वाले, योगाचार्य, धर्माचार्य, शिक्षाचार्य-आचार्यत्रय की महिमा से सम्पन्न सिद्ध योगपीठ के महन्त व अप्रितम लोकनायक बाबा दिग्विजयनाथ का जन्म वर्ष 1894 की वैशाख पूर्णिमा को मेवाड़ में उदयपुर जिले के कांकरवां के राणावत परिवार में हुआ था।

उनका बचपन का नाम राणा नान्हू सिंह था। मेवाड़ के महाराणा प्रताप सिंह के 24 भाइयों में तीसरे भाई वीरमदेव के वंशज को काकरवाँ की जागीर मिली थी। उसी ठिकाने में मेवाड़ के महाराणा उदयसिंह से बाईसवीं पीढ़ी में ठाकुर उदयसिंह राणावत के कुल में चार पुत्रों में तीसरे पुत्र के रूप में महन्त दिग्विजयनाथ का जन्म हुआ था।

उदयपुर के सन्निकट फूलनाथ नामक नाथपंथ के एक योगी रहते थे। वे गोरखपुर के

गोरखनाथ मंदिर के तत्कालीन महन्त बलभद्रनाथ जी के शिष्य थे। ठा. उदयसिंह ने उनसे निवेदन किया- ''एक संतान मैंने गोरखनाथ के गोरखनाथ मंदिर में चढाने की मनौती की थी।

अतः मैं अपनी एक संतान आपको भेंट करता हूँ। फूलनाथ नान्हूसिंह पांच वर्ष की उम्र में 1899 में गोरखपुर लेकर आये, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ जी की देख-रेख में इनका पालन-पोषण हुआ तथा शिक्षा-दीक्षा की संतोषजनक व्यवस्था की गई। वे छात्र जीवन में स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रीय हो गये। 1920 में उन्होंने महात्मा गांधी द्वारा असहयोग आंदोलन के आव्हान पर विद्यालय छोड दिया था। 1922 में चोरीचौरा कांड में उनका नाम भी आया, लेकिन उनकी बुद्धिमता के सामने ब्रिटिश हुकुमत को झुकना पडा और उन्हें रिहा कर दिया गया।

15 अगस्त 1933 को गोरखनाथ मंदिर में उनकी योग दीक्षा हुई।

दिग्विजयनाथ के प्रारम्भिक जीवन काल में गोरखनाथ मन्दिर के महन्त सुन्दरनाथ थे। सुन्दरनाथ के गुरुभाई योगी ब्रह्मनाथ दिग्विजयनाथ पर अपार स्नेह रखते थे।

महन्त सुन्दरनाथ के ब्रह्मलीन होने के बाद 1989 में ब्रह्मनाथ महन्त पद पर अधिष्ठित हुये। उन्होंने विधिवत यौगिक शिक्षा प्रदान कर दिग्विजयनाथ को अपना शिष्य बनाया। उनके ब्रह्मलीन होने के बाद 15 अगस्त 1935 बाबा दिग्विजयनाथ महन्त पद पर अधिष्ठित हुये और जीवनपर्यन्त महन्त पद का दायित्व संभालते रहे। प्राचीन गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर का पुनर्निर्माण कर उसका भव्य कायाकल्प करने का श्रेय भी उन्ही का है।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर आंदोलन में गौरक्षपीठ गोरखपुर की भूमिका सर्वविदित है। महंत दिग्विजयनाथ इस आंदोलन की नींव डालने वालों में प्रमुख है। 1934 से 1949 तक उन्होने रामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व किया। 22-23 दिसम्बर 1949 को अयोध्या में भगवान रामलला की मूर्ति प्रकट होने के नौ दिन पहले महंत दिग्विजयनाथ महाराज के नेतृत्व में अखंड रामायण पाठ प्रारंभ हो गया था। उनके बाद उनके शिष्य महंत अवैद्यनाथ राममंदिर आंदोलन को निर्णायक दौर में ले गये। यह भी सुखद संयोग है कि राम मंदिर निर्माण के समय इस पीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री है।

दिग्विजयनाथ भारतीय शिक्षा जगत के महनीय आचार्य थे। गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना में भी उनकी अग्रणी भूमिका सर्वविदित है। उन्होंने अखिल भारतीय अवधूत भेष बारहपंथ नाथ योगी महासभा का सन 1939 ई. में गठन कर उसका आजीवन अध्यक्ष पद भी सुशोभित किया था तथा योगियों के जीवन में अद्भुत संक्रांति विकसित की। वे सच्चे अर्थ में हिन्दू थे, हिन्दुओं के प्रति उनके हृदय में अगाध निष्ठा और श्रद्धा थी।

दिग्विजयनाथ, नाथ सम्प्रदाय के महन्त बने, तो मन्दिर हिन्दुत्व की राजनीति का केन्द्र बन गया। महन्त बनने के तीन वर्ष पश्चात् ही 1937 में वे हिन्दू महासभा के प्रमुख चुन लिए गए थे। 1944 में योगीश्वर गोरखनाथ की तपोभूमि, गोरखपुर में अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के अधिवेशन का ऐतिहासिक आयोजन किया था। महासभा के अन्य सदस्यों की ही भांति वे भी महात्मा गांधी के आलोचकों में से एक थे। 1948 में उन्हें महात्मा गांधी की हत्या के षड्यंत्र के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन पर मिथ्या आरोप था कि उन्होंने ही नाथूराम गोडसे को हथियार दिए थे। 1949 में सरकार ने उन्हें ससम्मान रिहा किया। 1967 में गोरखपुर से सांसद् निर्वाचित हुए। कुछ दिनों की अस्वस्थता के बाद 28 सितंबर 1969 को वे चिर समाधि में लीन हो गये।

महन्त दिग्विजयनाथ महाराज का जन्म वीरमदेव के वंश में हुआ. वीरमदेव महाराज शक्तिसिंह के सगे छोटे भाई थे. महाराणा के रनिवास की सुरक्षा व्यवस्था का दायित्व वीरमदेव जी के पास था.

महाराज शक्तिसिंह ने हल्दीघाटी युद्ध के समय हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप के प्राण बचाये थे तो उनके छोटे भाई वीरमदेव के वंश में जन्मे दिग्विजयनाथ महाराज ने विभाजन के समय हिन्दू और हिन्दुत्व की रक्षा की.

आदर्श कर्मयोगी, राष्ट्रवादिता के प्राण, आचार्य शंकर, समर्थ स्वामी रामदास, स्वामी दयानन्द सरस्वती, स्वामी विवेकानंद तथा स्वामी रामतीर्थ की परम्परा के ही प्राणवान अंग थे पूज्य दिग्विजयनाथ महाराज का नाम कालजयी कृतित्व भारतीय इतिहास के पृष्ठों में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।

-डॉ. विजय विप्लवी
पूर्व पार्षद, उदयपुर

सुरक्षा इंतजामों को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

» एहतियातन उठाए जा रहे कई कदम » ड्रोन संचालन, आतिशबाजी पर प्रतिबंध, परामर्शी भी जारी » जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित

उदयपुर (पुकार)। वर्तमान परिपेक्ष एवं सीमा पर चल रहे तनाव के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मुद्दे को लेकर उदयपुर में जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। जिला मजिस्ट्रेट एव कलक्टर नमित मेहता ने उदयपुर जिले के सामरिक महत्व को देखते हुए एहतियान परामर्शी जारी की।

साथ ही जिले में आगामी 5 दिन तक ड्रोन संचालन और आतिशबाजी को भी प्रतिबंधित कर दिया है। आपात स्थिति में सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान को लेकर जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष भी स्थापित कियागया है, जो 24 घंटे क्रियाशील रहेगा।

निषेधाज्ञा जारी, ड्रोन उड़ाने व पटाखे जलाने पर प्रतिबंध : जिला मजिस्ट्रेट नमित मेहता ने शनिवार को निषेधाज्ञा जारी करते हुए उदयपुर जिले की सीमा में आगामी 15 मई दोपहर 12 बजे तक किसी भी प्रकार का ड्रोन, युएवी, गुब्बारे इत्यादि का संचालन या उड़ान को प्रतिबंध किया है। साथ ही इस समयावधि में पटाखे जलाने पर भी पूर्ण पाबंदी रहेगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी निषेधाज्ञा में कहा कि वर्तमान परिदृश्य के मद्देनजर उदयपुर जिले की सम्पूर्ण सीमा में स्थित आर्मी एरिया, महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक, हिन्दुस्तान जिंक, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेशन, गैस फेक्ट्री एवं ऐतिहासिक भवनों आदि की महता एवं संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए इनकी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना अनिवार्य है। इसी के मद्देनजर उक्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। आदेश के अनुसार विशेष परिस्थितियों में सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त करके ही ड्रोन का संचालन किया जा सकेगा।

उक्त आदेश सरकारी गतिविधियों यथा सेना, पुलिस, सशस्त्र बल, होमगार्ड एवं कानून व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों, रेलवे के लिये लागू नहीं होगा।

आदेश की अवहेलना करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

परामर्शी जारी, पालना के निर्देश : जिला मजिस्ट्रेट नमित मेहता ने वर्तमान परिपेक्ष एवं सीमा पर चल रहे तनाव को ध्यान में रखते हुए उदयपुर जिले में परामर्शी जारी की है। इसके तहत शादियों व अन्य समारोहों में रोशनी इत्यादि के लिए अधिक व्यवस्था नहीं करने, ब्लैक आउट होने की स्थिति में आवश्यक रूप से रोशनी को बंदकरने, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, पर्यटन स्थलों, बस स्टैंडों, रेलवे स्टेशनों जैसी भीड़ वाली जगहों पर विशेष निगरानीरखने, खास कर शाम व रात्रि के समय विशेष ध्यान रखे जाने, सायरन व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा इसके विस्तार हेतु विशेष ध्यान देने, साथ ही सायरन के संबंध में जनसाधारण को जागरूककरने, बड़े धार्मिक स्थलों, महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों तथा विजलीघरों, रिफाइनरी, बांधो इत्यादि की सुरक्षा सुनिश्चितकरने, अवांछित घटना होने पर इसकी रिपोर्टिंग के लिए केंद्र सरकार / राज्य सरकार द्वारा जारी की गई एडवाइजरी की पालना सुनिश्चितकरने, किसी भी साइबर अटैक से बचने के लिए ऐसी सभी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं जैसे बिजली आपूर्ति, बांधों के गेट खोलना इत्यादि जिनका संचालन कंप्यूटर प्रणाली के माध्यम से होता है वहां सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, खाद्यान्न एवं आमजन के उपयोग हेतु आवश्यक सामग्री की अनावश्यक रूप से होर्डिंग नहीं हो इस हेतु सतत निगरानी रखते हुए आवश्यक एवं प्रभावी कार्यवाहीकरने, अफवाहों को बढ़ावा नहीं दिया जाए एवं गलत अफवाहों के प्रवाह को यथासमय रोकने के प्रयासकरने के निर्देश दिए हैं। जिला मजिस्ट्रेट मेहता ने सभी सम्बन्धित अधिकारियो को परामर्शी की पालना सुनिश्चित कराने केनिर्देश दिए।

जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित : देश की सीमा पर विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिले में आपदा प्रबंधन के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

यह नियंत्रण कक्ष चौबीस घंटे, सातों दिन क्रियाशील रहेगा।

नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 0294-2414620 (टोल फ्री 1077) है। इस नंबर पर लू-ताप, बिजली और पेयजल समस्याओं के साथ ही आपदा प्रबंधन से जुड़ी सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा सकता है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) ने प्रतिदिन प्राप्त सूचनाओं को संकलित कर सूचना प्रभारी अधिकारी के निर्देशानुसार उच्च अधिकारियों को भिजवाने व सूचनाओं का रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए हैं। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष के लिए कार्मिकों का भी अधिग्रहण किया गया है।

बिजली की आंख मिचौली से सहेलीनगर वासी परेशान

उदयपुर (पुकार)। शहर का पोश इलाका फतहपुरा से लेकर सहेलीनगर का पूरा क्षेत्र पिछले एक सप्ताह से कभी विद्युत कटौती तो कभी आंख मिचौली का खेल निरंतर चल रहा है। जिससे क्षेत्र के लोग भीषण गर्मी एवं इस बेमौसम की बरसात की उमस से परेशान व हैरान है। क्षैत्रवासियों का मानना है कि विद्युत विभाग की नींद उड़ाने के लिए क्या हर बार हंगामा करना ही जरूरी है।

सहेलीनगर में रहने वाले एक बाशिंदे ने बताया कि ऑनलाईन जॉब करने वाले एवं ऑनलाईन ट्रांजेक्शन होने के कारण क्षैत्र के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। युवा वर्ग जो घर बैठकर अपने ऑफिस का काम करते है लेकिन विद्युत आपूर्ति बार-बार ठप हो जाने के लिए कारण उनके लेपटॉप चार्ज नहीं होते है और कम्प्यूटर काम करना बंद देते है। ऐसे में उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है और क्षेत्र में अपने परिचित के यहां बिजली आ रही है उस क्षैत्र की तरह जाने पर मजबूर होना पड़ता है।

पिछले पांच दिनों से दिन व रात में आठ-आठ बार विद्युत आपूर्ति ठप हो जाती है और पूरा क्षैत्र अंधेरे में डूब जाता है जिससे चोरियां होने का भी क्षैत्रवासियों का भय बना रहता है। विद्युत विभाग को लिखित में शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया केवल हर बार की तरफ रटारटाया जवाब मिलता है कि आगे से फॉल्ट होने के कारण विद्युत आपूर्ति ठप हुई है। लेकिन इसी क्षैत्र के विपरित पोलोग्राउण्ड व आसपास के क्षैत्र में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बहाल नजर आती है क्योंकि उन क्षैत्रों में अधिकांश सरकारी अधिकारी रहते है और सरकारी क्वार्टर्स है।

क्षैत्रवासियों का कहना है कि पिछले लम्बे समय से इस समस्या से ग्रसित है। पिछली बार इस समस्या के निदान के लिए क्षैत्रवासियों ने हंगामा किया तो कुछ समय तो विद्युत आपूर्ति सही हुई लेकिन फिर वापस वही हाल बेहाल है।

एक तरफ विद्युत विभाग के जयपुर से आने वाले वरिष्ठ अधिकारी निर्देश देते है कि विद्युत आपूर्ति बहाली में कोई कोताही नहीं बरतें दूसरे तरफ पोश कॉलोनियों में रहने वाले लोगों की हालत खराब हो रही है। हालात यह है कि जो इनवर्टर लगा रखे है उनका बेटरी बैकअप भी खत्म हो जाता है।

विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम, आभार और सम्मान प्रकट करते हुए मदर्स डे मनाया

विट्टी इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे मंत्रमुग्ध किया

उदयपुर (पुकार)। 'माँ... एक ऐसा शब्द जिसमें पूरी सृष्टि समाई हुई है। माँ... जो हमारी पहली गुरु, पहली मित्र और सबसे बड़ी शक्ति होती है। ' विट्टी इंटरनेशनल स्कूल में 9 मई 2025 को मातृ दिवस (मदर्स डे) के उपलक्ष्य में एक हृदयस्पर्शी एवं रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस विशेष दिन को विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम, आभार और सम्मान प्रकट करते हुए मनाया।

इस अवसर पर विद्यालय की संस्थापिका प्रीति सोगानी, प्राचार्य बिजो कुरियन, सी.आई. ई की प्राचार्या दीपा चक्रवर्ती, सी. आई. ई.एच एम अर्चना पुंडीर तथा मुख्य अतिथि द्वारा णमोकार मंत्र के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि को उपरणा पहनाकर तथा स्मृति चिह्न देकर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा प्रस्तुत एक सुंदर प्रार्थना और स्वागत गीत से हुई। कई बच्चों ने अपने हाथों से बनाए हुए ग्रीटिंग कार्ड्स और उपहार भी माताओं को भेंट किए, जिससे पूरे वातावरण में आत्मीयता और भावुकता का संचार हो गया। माँ और बच्चों के लिए गतिविधियां आयोजित की गईं जिसने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। माताओं और बच्चों ने स्कूल द्वारा विशेष रूप से सजाए गए मदर्स डे फोटो बूथ पर यादगार पलों को कैमरे में कैद किया। अंत में विद्यालय के प्राचार्य बिजो कुरियन तथा प्राचार्या दीपा चक्रवर्ती ने सभी माताओं को उनके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, 'माँ जीवन की प्रथम शिक्षक होती है। उनका निस्वार्थ प्रेम और योगदान अतुलनीय है।

हिन्दुस्तान ज़िंक ने नवीन तकनीक और नवाचारों से उत्पादन और सुरक्षा को बढ़ाया

हिन्दुस्तान ज़िंक भूमिगत खनन में टेली-रिमोट संचालन अपनाने वाली पहली भारतीय मेटल कंपनी

उदयपुर (पुकार)। नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर, भारत की एकमात्र और दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत ज़िंक उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान ज़िंक ने नवीन तकनीकों को अपनाने में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत किया है। यह कंपनी मेटल और मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र के भविष्य को नया आकार दे रही है। कंपनी ने हाल ही में टेली-रिमोट और मार्गदर्शन करने वाले लोडर का उपयोग शुरू किया है। इससे सतह पर बैठे ऑपरेटर खदानों में काम करने वाले लोडर को शिफ्ट बदलने के दौरान भी नियंत्रित कर सकते हैं। कंपनी के अपने ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से यह संभव हुआ है। इस नए तरीके से राजस्थान रामपुरा आगुचा माइन में उत्पादन में सुधार हुआ है, जिससे शाफ्ट से अयस्क निकालने की क्षमता 6, 500 टन प्रतिदिन से बढ़कर 8, 000 टन प्रतिदिन हो गई है।

एक और बड़ी उपलब्धि स्मोक-ऑवर्स ड्रिलिंग तकनीक का इस्तेमाल है। हिन्दुस्तान ज़िंक यह स्वचालित तकनीक इस्तेमाल करने वाली पहली भारतीय मेटल कंपनी बन गई है। इससे शिफ्ट बदलने के दौरान भी ड्रिलिंग का काम जारी रखा जा सकता है, और ऑपरेटर सतह से मशीन को चलाता है। औसतन, पिछले तीन वर्षों में इससे सालाना 22 हजार टन अतिरिक्त मेटल प्राप्त हुआ है। यह तकनीक विश्व की सबसे बड़ी भूमिगत ज़िंक माइन रामपुरा आगुचा और विश्व की शीर्ष पाँच चांदी उत्पादक खदानों में से एक सिंदेसर खुर्द दोनों में संचालित है।

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में बढ़ते हुए, कंपनी ने एक एआई-आधारित (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), सेंसर-आधारित अनुमान लगाने वाली रखरखाव प्रणाली भी लगाई है। इसे एक नई तकनीक स्टार्टअप इनफिनिट अपटाइम के साथ मिलकर विकसित किया गया है। 1 हजार से अधिक स्मार्ट सेंसर लगाकर, हिन्दुस्तान ज़िंक ने मशीनों के खराब होने के खतरे को सफलतापूर्वक कम किया है और अपनी माइंस और स्मेल्टर्स में बिना योजना के होने वाले डाउनटाइन को लगभग 500 घंटे तक कम कर दिया है। हिंदुस्तान जिंक ने जस्ता उत्पादन को कुशलतापूर्वक बढ़ाने के लिए एक एआई-आधारित ऑटोमेशन उपकरण भी लगाया है। यह उपकरण ऐतिहासिक डेटा पर प्रशिक्षित एक बुद्धिमान मॉडल के माध्यम से उच्च गुणवत्ता बनाए रखते हुए जिंक डस्ट, सोडियम सल्फेट, चूना, सीमेंट जैसे कच्चे माल के उपयोग को बेहतर बनाने के लिए एआई एमएल आधारित सिफारिश मॉडल का उपयोग करता है। इस अवसर पर हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड के मुख्यकार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि, तकनीक हमारी व्यवसाय प्रक्रिया का मूल है। हम ऐसी पहली तकनीकें इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं जो हमारे उत्पादन को बेहतर बनाती हैं और संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हुए अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने में मदद करती हैं। ऐसी तकनीकों को अपनाने से, हम अपने पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को भी कम कर रहे हैं और सभी के लिए एक जैसा कार्य करने का अनुभव दे रहे हैं। हम तेजी से एक प्रौद्योगिकी कंपनी बन रहे हैं, क्योंकि तकनीक अब हमारे धातु उत्पादन का जरूरी हिस्सा है। एआई एमएल, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन को तेजी से अपनाकर हम उद्योग और देश को आगे बढ़ा रहे हैं।

हिंदुस्तान जिंक ने अपने संचालन में रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन और इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीकों और नवाचारों को शामिल किया है। हाल ही में कंपनी ने अपने परिचालन में एक उन्नत एआई-आधारित कैमरा निगरानी प्रणाली लगाने की घोषणा की। यह नया समाधान कार्यस्थल की सुरक्षा, परिचालन दक्षता और नियमों का पालन सुनिश्चित करता है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आई है। इसके अलावा, कंपनी ने उच्च तापमान पर स्मेल्टर्स में रोबोटिक ऑटोमेशन का इस्तेमाल किया है, जिससे सटीकता बढ़ी है, धातुकर्म वर्कफ्लो सुव्यवस्थित हुआ है और उत्पाद की गुणवत्ता लगातार बनी हुई है। हिन्दुस्तान ज़िंक भूमिगत खदानों की मैपिंग की सटीकता बढ़ाने और अयस्क निकालने की योजना को बेहतर बनाने के लिए एलाआईडीएआर सक्षम ड्रोन-आधारित स्टॉप स्कैनिंग शुरू करने की तैयारी में है। वेदांता स्पार्क, वेदांता का खास वैश्विक कॉर्पोरेट एक्सेलेरेटर और वेंचर्स प्रोग्राम है जो नई तकनीकों के माध्यम से महत्वपूर्ण व्यावसायिक चुनौतियों का समाधान करके बड़े पैमाने पर बदलाव लाने के लिए नए स्टार्टअप के साथ मिलकर काम करता है। वेदांता स्पार्क के तहत, हिन्दुस्तान ज़िंक ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, कंप्यूटर विजन, ड्रोन तकनीक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी जैसी तकनीकों के उपयोग से विकास की बड़ी संभावनाओं को तलाशा है। हिन्दुस्तान ज़िंक सक्रिय रूप से नवीन तकनीकों का उपयोग कर रहा है और इनोवेशन कैफे के माध्यम से कंपनी के अंदर स्टार्टअप जैसी सोच को बढ़ावा देता है, जिससे कंपनी को अपनी श्रेणी में सबसे अच्छी संपत्ति विश्वसनीयता और परिचालन उत्कृष्टता हासिल करने में मदद मिलती है। पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी ने आपूर्ति श्रृंखला, खदान विकास और उत्पादन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दुस्तान ज़िंक के व्यापारिक भागीदारों और आपूर्तिकर्ता नेटवर्क से जुड़े कई एमएसएमई का सहयोग किया है। वेदांता समूह की कंपनी हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक़ उत्पादक और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 5 चांदी उत्पादकों में से एक है। कंपनी 40 से अधिक देशों को आपूर्ति करती है और भारत में प्राथमिक ज़िंक बाजार में लगभग 77 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती है। हिन्दुस्तान ज़िंक को लगातार दूसरे वर्ष एसएंडपी ग्लोबल कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2024 द्वारा मेटल और माइनिंग श्रेणी में दुनिया की सबसे सस्टेनेबल कंपनी के रूप में मान्यता दी गई है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामा से 2783 लंबित प्रकरणों का निस्तारण

■ 9 करोड़ 36 लाख 23 हजार रुपये से अधिक की राशि के अवॉर्ड जारी

राजसमंद (पुकार)। जिलेभर में शनिवार को आयोजित हुई राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 2783 लंबित प्रकरणों का निस्तारण हुआ। जिला प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश राघवेन्द्र काछवाल ने बताया कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सदस्य सचिव के निर्देशानुसार शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 11 बैंच गठित कर 5997 प्रकरणों का राजीनामा से निस्तारण के लिए रैफर किए गए थे, जिनमें से कुल 2783 लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया गया एवं 9 करोड़ 36 लाख 23 हजार रुपये से अधिक की राशि के अवॉर्ड जारी हुए। राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ प्राधिकरण अध्यक्ष राघवेन्द्र काछवाल ने सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण न्यायाधीश अश्विनी कुमार यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ममता सैनी, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट साक्षी शर्मा उपस्थित रहें। लोक अदालत में विभिन्न राजकीय विभागों यथा विद्युत विभाग, टेलीफोन विभाग तथा विभिन्न बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, राजस्थान ग्रामीण बैंक केलवा, कांकरोली, विभिन्न वित्तिय संस्थानों आदि के प्रतिनिधि समस्त रिकॉर्ड लेकर उपस्थित रहे और राजीनामा के मामलों में सहयोग किया। जिले के समस्त न्यायालयों में गठित बैंचों के समक्ष पक्षकारान की भीड़ रही। पक्षकारान ने वसूली के प्रकरणों का हाथो-हाथ बैंक से छूट स्कीम का फायदा लेते हुए राजीनामा किया। लोक अदालत से न्यायालय में वर्षों से लंबित प्रकरणों का राजीनामा के माध्यम से निस्तारण हुआ। पक्षकारों ने शीघ्र न्याय प्राप्त किया, मधुर संबंध भी बने रहे तथा न्यायालय फीस भी पुनः प्राप्त करेंगे तथा राजीनामा के बाद पक्षकार खुशी-खुशी अपने घर गए। इस दौरान प्राधिकरण अध्यक्ष राघवेन्द्र काछवाल, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण न्यायाधीश अश्विनी कुमार यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ममता सैनी एवं सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट साक्षी शर्मा, बैंच के समक्ष अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। आभार मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ममता सैनी ने ज्ञापित किया।

श्रीमती कंकुबाई-सोहनलालजी धाकड़ राउमावि शिशोदा को करेंगे पीएमश्री योजना में शामिल : शिक्षा मंत्री

- शिशोदा ग्राम में शिक्षा के क्षेत्र में अधिकतम कार्यों को लेकर हम रहेंगे प्रतिबद्ध : शिक्षा मंत्री
- गौमाता के संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग हर हाल में करें बंद : शिक्षा मंत्री
- शिशोदा में धाकड़ परिवार की ओर से निर्मित एवं आधुनिक भव्य विद्यालय भवन आमजन को हुआ समर्पित
- शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री दिलावर ने शिशोदा और शंकरपूरा में किया विद्यालयों का लोकार्पण

राजसमंद(पुकार)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को श्रीमती कंकुबाई-सोहनलाल जी धाकड़ की स्मृति में मंगल चेरीटेबल ट्रस्ट की ओर से 15 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित राउमावि शिशोदा के नवीन, भव्य, आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबनेट मंत्री महेंद्रसिंह, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, नाथद्वारा विधायक विश्वराजसिंह मेवाड़, जिला प्रमुख रतनीदेवी जाट, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, पीसीसी सदस्य देवकीनंदन गुर्जर सहित विद्यालय निर्माण के सूत्रधार धाकड़ परिवार के सोहनलाल, मेघराज, अजित, हार्दिक, आरव धाकड़, भाविका सहित बड़ी संख्या में स्थानीय मौजूद थे। डीईओ (प्रारम्भिक) राजेन्द्र गगड़, डीईओ (माध्यमिक) नूतन प्रकाश जोशी, एडीपीसी (समसा) घनश्याम गौड़ सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी, शिक्षक आदि भी मौजूद रहे। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि वे इस विद्यालय का नाम श्रीमती कंकुबाई-सोहनलाल जी धाकड़ राउमावि शिशोदा करने की घोषणा करते हैं। दिलावर ने कहा कि उन्होंने इससे भव्यतम भवन पहले नहीं देखा। यहां विज्ञान, गणित, कृषि विज्ञान सहित आधुनिक विषय पढ़ने की सुविधा होगी, सरकार यहां अधिकतम सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास करेंगी, जिससे यहां के बच्चें पढ़-लिख कर खूब आगे बढ़ें। न सिर्फ अध्ययन, बल्कि यहां खेल क्षेत्र के उत्थान को लेकर भी हम प्रतिबद्ध रहेंगे।

मेवाड़ की यह भूमि संघर्ष और त्याग की भूमि

सांसद महिमा मेवाड़ ने कहा कि मेघराज धाकड़ अपनी जड़ों को नहीं भूले, मुंबई जाने के बावजूद अपने गांव से जुड़े रहे और आज यहां इतना भव्य विद्यालय बनाया। चारों धाम से भी बड़ा माता-पिता का सम्मान हैं। जिस परिवार ने यह विद्यालय बनाया है वह हमारे लिए बेहद सम्मानीय है। मेवाड़ की यह भूमि संघर्ष और त्याग की भूमि है। उन्होंने कहा कि वे सौभाग्यशाली हैं कि मेवाड़ की जनता के सेवा का सुअवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने अपील की कि आज की परिस्थिति में हम सरकार द्वारा जारी गाइडलाईन का पालन करें तथा मिलजुल कर रहें। राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि शिशोदा ग्राम में आज त्यौहार का माहौल हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अधिकतम विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करते हैं। उन्होने कहा कि मेघराज धाकड़ और उनके परिवार ने लीड बाय एग्जाम्पल प्रस्तुत किया है। यह विद्यालय शिक्षा का मंदिर ही नहीं, बल्कि संस्कारों का पोषक भी बने, ऐसी आशा है। नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि ग्राम शिशोदा में निर्मित ऐसा विद्यालय शायद ही प्रदेश में कहीं होगा। मेघराज धाकड़ और उनके परिवार ने साबित किया हैं कि ठान लें तो कुछ असंभव नहीं। सरकार का शिक्षा पर पूरा जोर है। विधायक ने बताया कि डीएमएफटी फंड के माध्यम से खमनोर ब्लॉक के 40 विद्यालयों में गणित प्रयोगशाला की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्हें यह बताते हुए खुशी हैं कि इनमें से एक गणित प्रयोगशाला इस विद्यालय में भी बनेगी। नई पीढ़ी को शिक्षा के साथ नैतिकता सिखाना भी जरूरी है। कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबनेट मंत्री महेंद्रसिंह, जिला प्रमुख रतनीदेवी चौधरी, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन आदि ने भी संबोधित किया।

संस्कृत विद्यालय शंकरपूरा का भी लोकार्पण

शिशोदा विद्यालय के लोकार्पण के बाद शिक्षा मंत्री ने पीपरड़ा ग्राम पंचायत के ग्राम शंकरपूरा में 37.68 लाख रुपए की लागत से निर्मित राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय का लोकार्पण किया। इस दौरान विधायक दीप्ति माहेश्वरी मौजूद रही। यहां भी शिक्षा मंत्री ने प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में अधिकतम उत्थान का अपना संकल्प दोहराया। उन्होंने गरिमामय आतिथ्य के लिए जिले का आभार व्यक्त किया।

संस्कारों के निर्माण में संस्कृत की महती भूमिका: शिक्षा मंत्री

राजसमंद (पुकार)। संस्कृत भाषा न सिर्फ वैज्ञानिक एवं प्राचीन भाषा है वरन् इसी से संस्कार निर्माण भी होता है। यह बात मदन दिलावर शिक्षा, संस्कृत शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने शनिवार को पीपरड़ा पंचायत के राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय शंकरपुरा में कला कक्ष, विज्ञान लेब तथा पुस्तकालय कक्ष के लोकार्पण के अवसर पर कही। उन्होंने संस्कृत शिक्षा विभाग में किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राजसमन्द की पूर्व विधायक स्व किरण माहेश्वरी की इच्छा थी कि यहाँ संस्कृत में बीएसटीसी खुलें। अतः यहाँ विधायक मद, डीएमएफटी या अन्य मद से भवन निर्माण होता है तो इस स्थान पर संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम का शुभारम्भ उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन से किया तथा नव निर्मित कक्षा कक्षों पर मौलि बंध खोलकर उद्घाटन किया एवं शिला पट्टिका का अनावरण किया। इससे पहले अपने संबोधन में राजसमन्द विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने मंत्री जी का आभार व्यक्त किया तथा मुख्यालय पर संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की पुरजोर मांग की। उन्होंने संस्कृत को अपनी प्रिय भाषा बताते हुए ग्राम जनों से संस्कृत में नमस्कार किया। मंच पर जिला प्रमुख रतनी देवी जाट, प्रधान पंचायत समिति राजसमन्द अरविन्द सिंह राठौड़, पूर्व जिलाध्यक्ष मान सिंह बारहठ, नगर परिषद् के पूर्व सभापति सुरेश पालीवाल, राणा राजसिंह मंडल अध्यक्ष गोपाल श्रीमाली मंचासीन थे। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जगदीश बागोरा सुन्दरचा, महेन्द्र सिंह खारण्डिया, जवाहर जाट भावा, उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह गौड़, पार्षद सूर्यप्रकाश, बूथ अध्यक्ष विनोद सिंह ग्राम पंचायत पीपरड़ा की प्रशासक सीता देवी पालीवाल, समाजसेवी गणेश लाल पालीवाल के साथ अनेक कार्यकर्ता तथा ग्रामीण महिला पुरूष उपस्थित हुए। अतिथियों का स्वागत संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी भगवती शंकर व्यास, अति परियोजना समन्वयक घनश्याम गौड़, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरोत्तम दाधीच, संस्कृत शिक्षा जिला नोडल अधिकारी अलका पालीवाल, उपनिरीक्षक राममोहन शर्मा, कन्या महाविद्यालय की अध्यक्ष किरण राठौड़, खंगार सिंह, लक्ष्मण सिंह, परमेन्द्र सिंह, शिवराज, महेन्द्र सिंह, नाथू सिंह, लीलाधर ने साफा, पगड़ी उपरणा से किया। कार्यक्रम में जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रजमोहन बैरवा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र कुमार गग्गड़, जिला शिक्षा अधिकारी नूतन प्रकाश जोशी, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य रामदेव दीक्षित, राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के अभय सिंह राठौड़, सतीश आचार्य, सुजीत त्रिपाठी, नटवर लाल पंचाल, प्रधानाचार्य भेरू सिंह, मांगीलाल, देवेन्द्र जीनगर, विजय पालीवाल, राजेन्द्रप्रसाद, सागर सिंह, सुधा शर्मा, सुनिता परिहार, संतोष कुमार सहित जिले के समस्त संस्कृत विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं स्टाफउपस्थित रहे। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय शंकरपुरा के प्रधानाचार्य अनुराग सोलंकी ने आभार व्यक्त किया तथा संयोजन दिनेश श्रीमाली तथा ऋषभ कुमार जैन ने किया।

दुर्लभ रक्त ने बचाई जान रक्तदान बना जीवनदान

राजसमंद (पुकार)। जिला मुख्यालश स्थित आरके राजकीय जिला चिकित्सालय में भर्ती बासड़ा बडारड़ा निवासी मथरा भील, जिनका हीमोग्लोबिन स्तर (एचबी) मात्र 4 था और जिन्हें इमरजेंसी में अत्यंत दुर्लभ रक्त समूह एबी नेगेटिव की आवश्यकता थी, के लिए वेल कम ब्लड ग्रुप राजसमंद के सदस्य देवदूत बनकर आए। मरीज के परिवार द्वारा वेल कम ब्लड ग्रुप के छोगालाल गमेती और आशीष पालीवाल से संपर्क करने पर, उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। छोगालाल गमेती ने पीपली डोडियान निवासी देवीलाल अहीर, जो एक विशेष योग्यजन हैं और लंबे समय से रक्तदान के लिए तत्पर थे, से संपर्क किया। देवीलाल अहीर बिना किसी देरी के आरके हॉस्पिटल पहुंचे और उन्होंने रक्तदान कर मथरा भील को नया जीवनदान दिया। वेल कम ब्लड ग्रुप राजसमंद की ओर से इस महान पुनीत कार्य के लिए देवीलाल अहीर का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वेल कम ब्लड ग्रुप ने युवाओं से अपील की है कि देश में युद्ध की स्थिति को देखते हुए वे अधिक से अधिक रक्तदान करें, ताकि हमारे फौजी जवानों और घायलों के लिए आवश्यकता पड़ने पर सीमा बॉर्डर पर तुरंत रक्त पहुंचाया जा सकें। यह रक्तदान महादान वास्तव में किसी के लिए जीवनदान साबित हो सकता हैं।

विधायक दीप्ति ने शीतल जल मंदिर का किया लोकार्पण

राजसमंद (पुकार)। आरके जिला चिकित्सालय में स्व श्रीमती इंदू देवी जी की पुण्य स्मृति में मनोहर लोढ़ा एवं लोढ़ा परिवार द्वारा आरके राजकीय जिला चिकित्सालय परिसर में निर्मित शीतल जल मंदिर का लोकार्पण विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने किया। उन्होंने इसे जल सेवाए संरक्षण व समाज सेवा की प्रेरणादायक पहल बताया। उन्होंने स्व इंदु देवी के जीवन मूल्यों को प्रेरणास्रोत बताते हुए लोढ़ा परिवार को शुभकामनाएं दीं। समारोह में पीएमओं डॉ रमेश रजक, डॉ अमित चौधरी, डॉ सारांश सम्बल, पूर्व सभापति सुरेश पालीवाल, भाजपा नगर अध्यक्ष दिनेश कुमावत, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र टेलर, श्री बालाजी महाराज सेवा समिति अध्यक्ष कैलाश निष्कलंक, नर्सिंग अधीक्षक प्रकाशचन्द्र वैष्णव, भामाशाह मनोहर लोढ़ा, पूर्व पार्षद देविका निष्कलंक, हिम्मत मेहता, कुलदीप पुर्बिया, परिवारजन, चिकित्सालय प्रशासन व भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने आयोजकों के आतिथ्य के लिए आभार प्रकट किया। संचालन नर्सिंग अधिकारी नानालाल कुमावत ने किया। नर्सिंग अधीक्षक प्रकाश चंद्र वैष्णव ने भामाशाहों को दानवीर और दिल के धनी बताते हुए कहा कि जनता के हित में उनके द्वारा किए जा रहे कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने अपने संबोधन में अस्पताल में निर्माणाधीन भवन, जिसमें आईसीयू वार्ड, नवजात बच्चों एवं माता का एमसीयू वार्ड और डिलीवरी उपरांत जेएसवाई वार्ड के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन वार्डों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और विधायक द्वारा लोकार्पण का इंतजार है। इन वार्डों के शुरू होने से पूर्व ही अस्पताल को पांच विशेषज्ञ चिकित्सक, मेडिकल ऑफिसर और 20 नर्सिंग स्टाफ डीएमएफटी फंड से दिलाए गए हैं, जिससे मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ रमेश रजक ने भामाशाह द्वारा शीतल जल मंदिर का निर्माण कराने को मरीजों और परिजनों के लिए बहुत अच्छा धर्मार्थ कार्य बताया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि विधायक दीप्ति माहेश्वरी की पहल पर राज्य सरकार द्वारा अस्पताल में जल्द ही 150 से 200 बेड स्वीकृत कर कार्डियोलॉजी विभाग भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने इन सुविधाओं के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया। भामाशाह मनोहर लोढ़ा ने मरीज के बैठने के स्थान डोम के नीचे 15 पंखे और लगवाने की घोषणा की।

लोक अदालत शिविर में 120 प्रकरणों का निस्तारण

सीमलवाड़ा (पुकार)। विधिक सेवा समिति सीमलवाडा में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत शिविर का आयोजन हुआ। सिविल न्यायाधीश न्यायिक मजिस्ट्रेट सीमलवाड़ा हरीश मेनारिया की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन कर आपसी रजामंदी प्रकरणों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत शिविर में न्यायालय में लंबित प्रकरण एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण व सभी प्रकार के राजस्व प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

जिसमें प्री लिटिगेशन से संबंधित प्रकरण में धन वसूली बैंक रिकवरी, बिजली बिल से संबंधित एवं राजस्व विभाग से संबंधित, जन उपयोग की सेवा से संबंधित प्रकरण निस्तारित किए। न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य जिसमें धारा 138 के 2 प्रकरण, एनआईएक्ट के प्रकरण, भरण पोषण संबंधित 4 प्रकरण, प्रीलिटिगेशन प्रकरण 14 , राजीनामा प्रकरण 15 सहित निस्तारित किए। लोक अदालत शिविर में 120 प्रकरण निस्तारित हुए वही 15 लाख 71 हजार 208 रुपए प्राप्त कर अवार्ड पारित किए गए।

इस मौके पर रीडर हरिशंकर गमेती, रमणलाल रोत, गौतम लाल रोत, भंवर लाल डामोर, अधिवक्ता श्रवण रावल, मनीष कलाल, वीरेंद्र सिंह , विद्युत विभाग अधिशाषी अभियंता चेतन लाल रोत, सहायक अभियंता हर्षद पंचाल सहित उपस्थित रहे।

नये चलते-फिरते प्याऊ का शुभारंभ

डूंगरपुर(पुकार)। समाज सेवी हरीश मेहता ने बढ़ती गर्मी के मद्देनजर पीने के पानी की अधिक जरूरत को ध्यान में रखते हुए दो और नए निःशुल्क चलते फिरते प्याऊ का शुभारंभ विश्वनाथ एवं कमला मेहता के कर कमलों द्वारा करवाया गया। यह प्याऊ शहर भर में सभी स्थानों पर पहुंच कर निःशुल्क पानी पिलायेगा। इस मौके पर पंकज मेहता, विवेक रावल, अजय भावसार, लालशंकर व क्षेत्र के वाशिंदे मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

देश हित में किया जागरूक

राजसमंद(पुकार)। जिला मुख्यालय स्थित लोहिया कंप्यूटर की ओर से शनिवार को विद्यार्थियों को वर्तमान परिस्थिति में भारत-पाकिस्तान के बीच

युद्ध की स्थिति को देखते हुए जागरूक किया गया। साथ ही साइबर क्राइम पर भी जानकारी दी गई। संस्था की बसंती सालवी ने बताया कि किसी भी तरह की अफवाह से दूर रहे और प्रशासन द्वारा दी हुई गाइडलाइन का पालन करें। राष्ट्रीय युवा अवॉर्डी गुलाब सालवी ने कहा कि हमें देश हित में सतर्क रहना होगा और जरूरत पड़े तो रक्तदान के लिए भी तैयार रहना होगा। क्योंकि आज की स्थिति में हमारे नौजवान हमारी सुरक्षा के लिए युद्ध लड़ रहे हैं। हमें सतर्क और सावधान रहना होगा। इस दौरान रेखा, सरोज, भावना, केतन, सूरज, गजेंद्रसिंह, खुशवंत, करिश्मा, भावना सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

जतन संस्थान द्वारा प्राथमिक शिक्षकों के प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

राजसमंद(पुकार)। जतन संस्थान की ओर से संचालित पहला कदम परियोजना के अंतर्गत जेंडर प्रारंभिक शिक्षा समावेशी अभियान के तहत देवगढ़ ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में ब्लॉक की प्रत्येक पंचायत से

पांच-पांच प्राथमिक शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का मुख्य उदेश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा में लेगिंक समानता व समावेशिता लाना हैं, जिससे की बच्चों को समान अवसर प्राप्त हो सकें। इस दौरान शिक्षको की जेंडर पर समझ बनी और स्कूल स्तर पर बच्चों की प्राथमिक शिक्षा के तहत समावेशिता का वातावरण कैसे तैयार किया जाए आदि बिंदुओं पर चर्चा हुई। प्रशिक्षक के रूप जतन संस्थान से आकाश पालीवाल, उषा चौधरी एवं देवांश जुड़े। इस दौरान कन्हैयालाल जिनगर, प्रदीपसिंह, नीलोफर डायर, ललितसिंह, माधुलाल, समिता सुखरिया, खुशबू गर्ग, मंजू, मदनलाल आदि उपस्थित थे।

जिला भाजपा ने जिले में 106 मंदिरों में आरती कर सेना व देश की रक्षा के लिए प्रार्थना की

राजसमंद(पुकार)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिलों में भाजपा के द्वारा मंदिरों में सेना व देश की रक्षा के लिए महा आरती व हनुमान चालीसा का पाठ किया गया । जिला मीडिया प्रभारी अरविंद सिंह भाटी ने बताया कि इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश

पालीवाल ने कहा कि जिला भाजपा द्वारा समस्त मंडलो के 106 मन्दिरों में आरती, महाआरती और हनुमान चालीसा का पाठ हर्षोल्लास से किया गया एवं हिंदुस्तान के कल्याण की कामना की गई। भारतीय सेना के जाम्बाज जवान, भारत-पाकिस्तान युद्ध में हमारे देश की रक्षा के लिए सीमा पर लड़ रहे है एवं पाकिस्तानी सेना एवं आतंकवादियों का डटकर मुकाबला करते हुए पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करते हुए पाक सेना को करारा जवाब दे रहे हैं। हमारे देश के जाम्बाज जवान अधम्य बल, पराक्रम, सोर्यता एवं वीरता से डट कर मुकाबला करते रहे एवं वीर सैनिकों की सुरक्षा, लंबी आयु के लिए सभी मंदिरों पर कार्यकर्ताओं द्वारा सम्मिलित होकर प्रार्थना की गई। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक रांका, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष दिनेश कुमावत, प्रमोद सेन आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्वयं सेवी संस्थानो के प्रतिनिधियों एवं ब्लड बैंक के अधिकारी कार्मिको के साथ बैठक सम्पन्न

आपदा में समुचित मात्रा में रक्त उपलब्धता के लिए बैठक

राजसमंद(पुकार)। संभावित आपातकाल के दौरान चिकित्सा संस्थानों में समुचित मात्रा में ब्लड उपलब्धता के लिए सीएमएचओं डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने जिला चिकित्सालय राजसमंद एवं नाथद्वारा के ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त उपलब्धता के लिए स्वयं सेवी संस्थानों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर तत्काल ब्लड कैंप आयोजित करने के लिए निर्देशित किया।

सीएमएचओं डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने बताया कि दिशा-निर्देशो के अनुसार तय मात्रा में ब्लड बैंक में ब्लड होना आवश्यक हैं, जिससे किसी भी मेडिकल इमरजेन्सी से निपटा जा सकें। इसके लिए समय रहते शीघ्र ही शिविर आयोजित कर ब्लड की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी हैं। बैठक में सामाजिक कार्यकताओं एवं सम्बन्धित स्वयंसेवी संस्थानों से विमर्श के बाद 13 मई को जिला चिकित्सालय नाथद्वारा एवं 14 मई को जिला चिकित्सालय राजसमंद में शिविर आयोजित करने तथा आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरीत कर रक्तदान कराना सुनिश्चित किया गया। बैठक में संस्थानों को आपातकाल एवं नियमित तौर पर रक्तदान देने वाले रक्तदाताओं की सूचीयां तैयार रखने तथा शीघ्र सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए जिला स्तरीय वाट्सऐप ग्रुप बनायें जाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में लायन्स क्लब नाथद्वारा, वेलकम ब्लड ग्रुप, टीम जीवनदाता, रेडक्रॉस सोसायटी, रेडिसन नाथद्वारा, नेशनल मेडिकोज ऑग्रेनाईजेशन, वल्लभ दर्शन सोसायटी, महेश युवा मंच सहित विभिन्न स्वयंसेवी संस्थानों के प्रतिनिधी शामिल हुए। इस दौरान डॉ महावीर प्रसाद मीणा, डॉ बाबुलाल जाट, डॉ दीक्षा, युगल किशोर पालीवाल, ब्रजलाल कुमावत, आशीष पालीवाल, छोगालाल गमेती, अनिल कुमार, निरज शर्मा, योगेश जोशी, धमेन्द्र पालीवाल, तेजप्रकाश सेन, राकेश लखारा, रामेन्द्र पालकर, दीपलोक जावरीया सहित ब्लड बैंक प्रभारी एवं विभिन्न संस्थानों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

वैशाखी पूर्णिमा पर 73वें विशाल मेले का आयोजन कल

राजसमंद(पुकार)। जिला मुख्यालय स्थित रामेश्वर महादेव के प्राचीन एवं रमणीय स्थल पर सोमवार को वैशाखी पूर्णिमा पर विशाल मेला आयोजित होगा। प्रबंध समिति मीडिया प्रभारी भूपेंद्र लड्ढा ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति वैशाखी पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला 73वां विशाल मेला रामेश्वर महादेव परिसर में आयोजित होगा। ट्रस्ट मंडल संयोजक सत्येंद्र कुमार बडोला एवं अध्यक्ष जगदीश चंद्र लड्ढा ने बताया कि भगवान भोलेनाथ के दोपहर 12:15 बजे अभिषेक के साथ मेला प्रारंभ होगा। भगवान भोलेनाथ के फूलों का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इसके बाद अपरान्ह 3:15 बजे हवन होगा एवं सांयकाल 6 बजे ध्वजा रोहण होगा। साथ ही संध्या महा आरती मेले की विशेष आकर्षण होंगी।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस

International
Mother's Day Special

मां एक ऐसा शब्द है, जो भारतीय संस्कृति में प्रेम, त्याग, साहस और प्रेरणा का प्रतीक है। मां न केवल परिवार की धुरी होती है, बल्कि समाज को नई दिशा देने वाली शक्ति भी है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में मां अपने बच्चों के लिए हर मुश्किल से लड़ती हैं, चाहे वह सामाजिक बाधाओं को तोड़ना हो, आर्थिक तंगी से जूझना हो या अपने सपनों को भूलकर बच्चों के भविष्य को संवारना हो। इस मदर्स डे के अवसर पर हम पांच ऐसी प्रेरक कहानियां प्रस्तुत कर रहे हैं, जो भारतीय मांओं की अनमोल भूमिका को उजागर करती हैं।

...जब मांएं बनी समाज की प्रेरणा पुंज

इस मदर्स डे पर जानें कुछ ऐसी मांओं की कहानी जिनमें से कुछ ने समाज सेवा की तो कुछ ने नई ऊंचाइयों को छुआ...

ये कहानियां हैं, सावित्रीबाई फुले की समाज सुधार की मशाल, बिंदु खन्ना की संस्कारों की सीख, गायत्री देवी की सादगी, सुनंदा की एकल मां की हिम्मत और लक्ष्मी की माता तीर्थ औंशी की परंपरा। ये हमें दिखाती हैं कि मां का प्यार और समर्पण समय एवं परिस्थितियों की सीमाओं से परे हैं। हम शिवांगी सिंह की मां और भारत की पहली महिला ट्रेन ड्राइवर सुरेखा यादव की कहानी को भी शामिल करते हैं, जो आधुनिक भारत में मांओं की प्रेरणा को और सशक्त बनाती हैं। ये कहानियां न केवल मातृत्व की महानता को बताती हैं, बल्कि हमें अपनी मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके बलिदानों को सम्मान देने की प्रेरणा भी देती हैं। आइए, इन कहानियों के माध्यम से भारतीय मांओं की उस शक्ति को सलाम करें, जो हर बच्चे के जीवन को रोशन करती है।

सावित्रीबाई फुले

शिक्षा की मशाल जलाने वाली मां

सावित्रीबाई फुले (1831-1897) भारत की पहली महिला शिक्षिका और सामाज सुधारक थीं, जिन्होंने 19वीं सदी में लड़कियों की शिक्षा के लिए क्रांतिकारी कदम उठाए। उस समय भारतीय समाज में महिलाओं को पढ़ाने का विचार अस्वीकार्य था। सावित्रीबाई का जन्म पुणे के एक साधारण परिवार में हुआ था और उनकी शादी 9 साल की उम्र में ज्योतिराव फुले से हुई। ज्योतिराव ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया और यहीं से उनके जीवन का मकसद शुरू हुआ।

■ शिक्षा से जगाई अलख

सन् 1848 में उन्होंने पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोला, जिसमें केवल नौ छात्राएं थीं। समाज ने इसका कड़ा विरोध किया। लोग उन्हें गालियां देते, पत्थर मारते और उनके घर पर कचरा फेंकते। फिर भी, सावित्रीबाई हर दिन स्कूल जातीं, अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी लेकर, क्योंकि रास्ते में उन पर कीचड़ फेंका जाता था।

■ समाज सुधार का रास्ता अपनाया

सावित्रीबाई का मातृत्व केवल अपने बच्चे तक सीमित नहीं था; वे समाज की हर बेटी की मां थीं। उन्होंने दलित और वंचित लड़कियों को पढ़ाया, विधवाओं के लिए आश्रय स्थल खोले और छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाई। 1852 तक उन्होंने 18 स्कूल स्थापित किए। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी समाज में शिक्षा की मशाल जलाना, जिसने लाखों महिलाओं को सशक्त बनाया।

बीमारों की सेवा करते त्यागे प्राण

सावित्रीबाई ने 1897 में प्लेग महामारी के दौरान बीमारों की सेवा करते हुए अपनी जान गंवा दी। उनकी कहानी आज भी भारतीय मांओं को प्रेरित करती है, जो अपने बच्चों के लिए हर मुश्किल से लड़ती हैं। सावित्रीबाई का जीवन हमें सिखाता है कि एक मां का दृढ़ संकल्प न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज को बदल सकता है।

नेपाल-भारत की मांओं का सम्मान

माता तीर्थ औंशी की परंपरा

माता तीर्थ औंशी, नेपाल और भारत के कुछ हिस्सों में मनाया जाने वाला एक पारंपरिक त्योहार है, जो मांओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। यह बैशाख महीने की अमावस्या को पड़ता है। इस दिन, बच्चे अपनी जीवित मांओं को उपहार देते हैं और स्वर्गवासी मांओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। नेपाल के एक गांव की मां, लक्ष्मी की कहानी इस परंपरा की भावना को जीवंत करती है। लक्ष्मी ने अपने बेटे रमेश को पढ़ाने के लिए अपनी पुश्तैनी जमीन बेच दी। उस समय गांव में लोग उनकी आलोचना करते थे, लेकिन लक्ष्मी का विश्वास था कि शिक्षा ही उनके बेटे का भविष्य बनाएगी। रमेश ने अपनी मां की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए मेडिकल की पढ़ाई पूरी की और एक डॉक्टर बना। माता तीर्थ औंशी के दिन उसने अपनी मां को एक नया घर उपहार में दिया। उस दिन, लक्ष्मी की आंखों में खुशी के आंसू थे। यह कहानी भारतीय उपमहाद्वीप की उस संस्कृति को बताती है, जहां मां का त्याग और बच्चों की कृतज्ञता एक-दूसरे को पूर्ण करते हैं। माता तीर्थ औंशी की परंपरा हमें सिखाती है कि मां के प्रेम का कोई मोल नहीं और हमें उनके योगदान को हमेशा याद रखना चाहिए।

मांओं के प्रति कृतज्ञता, भावनाएं व्यक्त करने का पारंपरिक त्योहार

शिवांगी सिंह

भारत की पहली महिला राफेल पायलट की प्रेरणादायी गाथा

बनारस की गलियों से निकलकर आसमान की ऊंचाइयों को छूने वाली 29 वर्षीया लेफ्टिनेंट शिवांगी सिंह भारतीय वायुसेना की पहली महिला फाइटर पायलट हैं, जिन्होंने राफेल को उड़ा कर इतिहास रचा। एक छोटी सी बच्ची, जो दो दशक पहले नई दिल्ली के वायु सेना संग्रहालय में एक विमान को छूकर मंत्रमुग्ध हो गई थी, आज भारत की आधुनिक सेना का चमकता चेहरा है। बचपन में संग्रहालय की उस यात्रा ने शिवांगी के दिल में पायलट बनने का बीज बो दिया। यहीं से उनके रोमांच की शुरुआत हुई। 2015 में जब वायु सेना ने महिलाओं को फाइटर पायलट बनने की अनुमति दी, शिवांगी ने इस अवसर को दोनों हाथों से थामा। बनारस में जन्मी इस युवती ने पढ़ाई और खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने सपने को पंख दिए। उनकी मां ने उन्हें न केवल शिक्षित, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। पहली बार मिग-21 के कॉकपिट में बैठते समय उनकी धड़कनें तेज थीं, लेकिन जब उन्होंने अकेले उड़ान भरी, तो वह पल उनके लिए अविस्मरणीय बन गया। राफेल जैसे अत्याधुनिक जेट को उड़ाने का अनुभव उनके कौशल और साहस का परिचय देता है। 2023 के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय वायु सेना में 1,600 से अधिक महिला अधिकारी हैं, जिनमें कई फाइटर पायलट हैं। आज शिवांगी का अगला लक्ष्य अंतरिक्ष यात्री बनना है। उनके पति, जो स्वयं एक फाइटर पायलट हैं, उनके सपनों के सहयात्री हैं। शिवांगी की कहानी हर उस मां और बेटी को प्रेरित करती है, जो अपने सपनों को हकीकत में बदलना चाहती हैं। इस मदर्स डे, शिवांगी की मां जैसी प्रेरणादायी मांओं को सलाम, जिनके विश्वास ने बेटियों को आसमान छूने की ताकत दी।

भारत की पहली महिला ट्रेन ड्राइवर सुरेखा की दास्तां

भारत की पहली महिला ट्रेन ड्राइवर सुरेखा यादव पहली महिला लोको पायलट हैं, जिन्होंने 1988 में रेलवे में इतिहास रचा। महाराष्ट्र के सतारा में जन्मी सुरेखा ने पुरुष-प्रधान क्षेत्र में कदम रखा, जहां महिलाओं की मौजूदगी न के बराबर थी। उनकी मां ने उन्हें मेहनत और आत्मविश्वास की सीख दी। सुरेखा ने ट्रेन ड्राइविंग की कठिन ट्रेनिंग पूरी की और मालगाड़ी से लेकर पैसेंजर ट्रेन तक चलाई। उनकी मां ने हमेशा कहा, 'कोई काम छोटा या बड़ा नहीं, मेहनत से सब संभव है।' आज सुरेखा लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणा हैं। मां की सीख और समर्थन से बच्चे किसी भी क्षेत्र में इतिहास रच सकते हैं। इसका जीवंत उदाहरण हैं सुरेखा यादव।

मदर टेरेसा : समाजसेवा को समर्पित पूरा जीवन

मदर टेरेसा ने जीवनभर करुणा, सेवा और प्रेम का संदेश दिया। रोमन कैथोलिक नन होते हुए भी उन्होंने भारत में जरूरतमंदों की सेवा को अपना मिशन बनाया। मिशनरीज ऑफ चैरिटी के जरिए उन्होंने असहायों को संबल दिया और मानवता की मिसाल बनकर विश्वभर में प्रेरणास्रोत बनीं।

मदर टेरेसा एक ऐसी व्यक्तित्व थीं जिन्होंने अपने संपूर्ण जीवन को मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। उनका जन्म 26 अगस्त 1910 को मैसेडोनिया के स्कोप्जे नगर में हुआ था। वे रोमन कैथोलिक नन थीं, लेकिन उन्होंने भारत में आकर जरूरतमंदों की सेवा को अपना जीवन लक्ष्य बना लिया। मदर टेरेसा 1929 में भारत आईं और कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) में शिक्षिका के रूप में कार्य करने लगीं। लेकिन जल्द ही उन्होंने देखा कि सड़कों पर कितने लोग भूखे, बीमार और लाचार अवस्था में जी रहे हैं। इस पीड़ा ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया और उन्होंने 1948 में नन की वेशभूषा त्याग कर सीधे समाज सेवा का मार्ग अपनाया। 1950 में उन्होंने मिशनरीज ऑफ चैरिटी नामक संस्था की स्थापना की, जिसका उद्देश्य था- जो समाज से तिरस्कृत हैं, उन्हें सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिलाना। इस संस्था के माध्यम से उन्होंने अनाथ बच्चों, कुष्ठरोगियों, बुजुर्गों, रोगियों और असहायों के लिए आश्रय और देखभाल की व्यवस्था की। मदर टेरेसा को उनके महान कार्यों के लिए अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले, जिनमें प्रमुख हैं- नोबेल शांति पुरस्कार (1979), भारत रत्न (1980) और पद्मश्री (1962)। वाकई, मदर टेरेसा का जीवन करुणा, सेवा और निःस्वार्थ प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने दिखाया कि सच्ची सेवा धर्म, जाति या भाषा की सीमाओं से परे होती है। 5 सितंबर 1997 को उनका देहांत हुआ, लेकिन उनका सेवा भाव आज भी विश्व भर में प्रेरणा का स्रोत है।

समाज को बदला

ये कहानियां भारतीय मांओं के विभिन्न पहलुओं को उजागर करती हैं शिक्षा, संस्कार, साहस, समर्पण और कृतज्ञता। सावित्रीबाई फुले ने समाज को बदला, बिंदु खन्ना ने अपने बेटे को वैश्विक मंच पर चमकाया, गायत्री देवी ने सादगी से प्रेरित किया, सुनंदा ने अकेले परिवार को संभाला और लक्ष्मी ने त्याग की मिसाल कायम की। ये कहानियां हमें याद दिलाती हैं कि भारतीय मांएं न केवल परिवार की नींव हैं, बल्कि समाज की प्रेरणा भी हैं। इस मदर्स डे पर अपनी मां को उनके प्यार और बलिदान के लिए धन्यवाद दें।

मां की मेहनत और हिम्मत बच्चों के लिए सबसे बड़ी पूंजी

ममता बनर्जी

गायत्री देवी बनर्जी की ममता ने बनाया सफल राजनीतिज्ञ

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, अपनी मां गायत्री देवी को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा मानती हैं। गायत्री देवी एक साधारण गृहिणी थीं, जिन्होंने कोलकाता के एक मध्यमवर्गीय परिवार में अपने सात बच्चों को सीमित संसाधनों में पाला। ममता के पिता की मृत्यु तब हुई, जब वह छोटी थीं और गायत्री ने अकेले परिवार की जिम्मेदारी संभाली। वे सुबह जल्दी उठकर घर का काम करतीं, बच्चों को स्कूल भेजतीं और अपने सीमित साधनों में भी पड़ोसियों की मदद करतीं। ममता बताती हैं कि उनकी मां ने उन्हें सादगी, ईमानदारी और समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा दी।

■ मां ने सिखाया नैतिकता का पठ

जब ममता ने राजनीति में कदम रखा, तब समाज में महिलाओं की भागीदारी को कम आंका जाता था। गायत्री ने अपनी बेटी को हमेशा समर्थन दिया और उन्हें नैतिकता के रास्ते पर चलने की सलाह दी। ममता को याद है कि उनकी मां कहा करती थीं, 'कभी झूठ का सहारा मत लेना, सच हमेशा जीतता है।' गायत्री की सादगी ऐसी थी कि वे ममता के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी अपने पुराने घर में साधारण जीवन जीती रहीं। उनकी मृत्यु के बाद, ममता ने कहा था- 'मेरी मां मेरी ताकत थीं और मैं आज जो कुछ भी हूं, उनकी वजह से हूं।' गायत्री की कहानी उन लाखों भारतीय मांओं की याद दिलाती है, जो अपने सपनों को भूलकर अपने बच्चों को ऊंचाइयों तक पहुंचाती हैं।

सुनंदा

एकल मां की अटूट हिम्मत

सुनंदा की कहानी दिल्ली के एक छोटे से मोहल्ले से शुरू होती है, जहां वे अपने दो बच्चों राहुल और प्रिया के साथ रहती थीं। पति की मृत्यु एक सड़क दुर्घटना में हो गई, जब बच्चे केवल 6 व 8 साल के थे। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी और सुनंदा के पास कोई औपचारिक शिक्षा नहीं थी। फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने एक पुरानी सिलाई मशीन खरीदी और घर-घर जाकर कपड़े सिलने लगीं, ताकि अपने बच्चों को स्कूल भेज सकें। सुनंदा ने बच्चों को कभी अपनी तकलीफों का अहसास नहीं होने दिया। उनकी मेहनत रंग लाई। राहुल आज एक डॉक्टर है और प्रिया एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर। दोनों अपने कॅरियर में सफल हैं और अपनी मां को अपनी प्रेरणा मानते हैं। प्रिया बताती हैं, 'मां ने हमें सिखाया कि मुश्किलें कितनी भी बड़ी हों, हार नहीं माननी चाहिए।' सुनंदा की कहानी उन भारतीय एकल मांओं की ताकत को दर्शाती है, जो हर परिस्थिति में अपने बच्चों के लिए ढाल बनती हैं। आज सुनंदा अपने बच्चों के साथ एक छोटे से फ्लैट में रहती हैं और उनका सबसे बड़ा गर्व यह है कि उनके बच्चे आत्मनिर्भर बने। मां की मेहनत और हिम्मत बच्चों के लिए सबसे बड़ी पूंजी है।

मां की प्रेरणा ने बनाया सफल व्यवसायी

विश्व प्रसिद्ध शेफ और मिशेलिन स्टार रेस्तरां के मालिक, विकास खन्ना अपनी मां बिंदु खन्ना को अपनी सफलता का आधार मानते हैं। अमृतसर में जन्मे विकास का बचपन आसान नहीं था। वे क्लबफुट बीमारी से पीड़ित थे, जिसके कारण उन्हें चलने और सामाजिक स्वीकृति में मुश्किलें आईं। उनकी मां ने न केवल उनका हौसला बढ़ाया, बल्कि परिवार की रसोई को उनके लिए प्रेरणा का केंद्र बनाया। बिंदु सुबह सब्जी मंडी जातीं, फिर घर लौटकर मेहमानों के लिए स्वादिष्ट भोजन बनातीं। उन्होंने विकास को सिखाया कि मेहमान ही सबसे बड़ा धन है। यह सीख विकास के जीवन का मूलमंत्र बनी।

मां के पत्र ने जगाया जुनून

जब विकास ने विदेश में अपने कॅरियर की शुरुआत की, उनकी मां ने उन्हें पत्र लिखकर और फोन पर प्रेरित किया। न्यूयार्क में उनके रेस्तरां 'जुनून' की सफलता में उनकी मां का बड़ा योगदान था। बिंदु ने उन्हें भारतीय संस्कृति, मेहमाननवाजी और मेहनत का महत्व सिखाया। एक बार, जब विकास ने अपनी मां को न्यूयॉर्क आमंत्रित किया, बिंदु ने वहां भी रसोई संभाली और कर्मचारियों को पंजाबी खाने की रेसिपी सिखाईं। बिंदु की कहानी उन मांओं को दर्शाती है, जो अपने बच्चों को छोटी-छोटी सीखों से बड़े सपने साकार करने की ताकत देती हैं। मां की सीखें, चाहे कितनी भी साधारण हों, बच्चों को वैश्विक मंच पर चमकने की प्रेरणा देती हैं।

बीएमएस की जिला कार्यसमिति बैठक संपन्न

डूंगरपुर(पुकार)। अजमेर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ, डूंगरपुर संबद्ध बीएमएस की जिला कार्यसमिति बैठक के प्रारंभ में भारत माता भगवान विश्वकर्मा दातोपंत ठेंगड़ी के तेलीय चित्रों पर पुष्प अर्पण के साथ सुबह 11 बजे श्रम कल्याण केंद्र गेपसागर की पाल पर प्रारंभ हुई।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कैलाश जादू ने की। मुख्य अतिथि जिला विद्युत प्रभारी नन्दलाल पंड्या मुख्य वक्ता डिस्कॉम उपाध्यक्ष मनीष कुमार अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि डिस्कॉम सदस्य मनोहर ताबियाड़ रहे। विद्युत जिला महामंत्री लोकेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि यह जिला कार्यसमिति कि विस्तारित बैठक थी, जिसमें प्रदेश भामसं की पूरे साल के कार्यक्रम के क्रियान्वयन की योजना पर पूरा ध्यान रहा। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए

डूंगरपुर। बीएमएस की बैठक प्रारंभ से पूर्व मॉ शारदे को नमन करते। -फोटोः चन्द्रमौली चौबीसा

नदलाल पंड्या ने बताया कि हमें प्रत्येक उपखंड पर नियमित प्रवास करना होगा। प्रवास करने से संगठन के कार्यों में मजबूती आती है और संगठन का कार्य आगे बढ़ता है। इसलिए जिला पदाधिकारियों को योजना बना कर यह कार्य करना है साथ ही जिले में कार्यकर्ताओं के काम नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अगर कार्यकर्ताएं का काम समय पर नहीं होने से संगठन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है इसलिए डिस्कॉम और प्रदेश महासंघ को संपर्क कर लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने पर जोर दिया। वर्तमान मे कुछ लोग जानबूझ कर संगठन को हानि पहुंचाने का काम कर रहे हैं हम सबको ऐसे लोगों से सावधान रहना है। मुख्य वक्ता मनीष कुमार अग्रवाल ने संबोधित करते हुवे कहा कि बीएमएस की स्थापना के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हमे प्रदेश द्वारा जो कार्यक्रम दिए गए है 70 समापन कार्यक्रम में 24.07.2025 को जिले में भव्य रैली का आयोजन किया जाएगा। साथ ही बताया कि भारतीय मजदूर संघ के 6 उत्सव को प्रत्येक इकाई को पूरे उत्साह से सम्पन्न करना चाहिए आगामी 17 सितम्बर 2025 विश्वकर्मा जयन्ति पर सभी तहसीलों में रैली का आयोजन करने की रूपरेखा बनाई गई। इसी के साथ आगामी वर्ष में 45 वर्ष तक के युवाओ का अभ्यास वर्ग माह अगस्त-25 संभागवार होंगे एवं 2 दिवसीय महिला अभ्यास वर्ग सितंबर में होंगे। मनोहर ताबियाड़ ने कहा कि आगामी वर्ष में डूंगरपुर जिले की सभी तहसील में कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं को इन सभी कार्यक्रमों को सफल बनाए हेतु आव्हान किया। जिला बैठक मे सभी उपखंडों के प्रवास की रचना बनाई गई और उपस्थित सभी की समस्याएं पर विस्तृत चर्चा की गई और इन सभी समस्याओं का जल्द ही डिमांड चार्ट बना कर अधीक्षण अभियंता को दिया जाएगा। बैठक में प्रदेश मंत्री वीरेंद्र भट जिला कार्यकारी अध्यक्ष सलीम खान, जिला कोषाध्यक्ष धनराज प्रजापत, उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, मनोहर ताबियाड़, नटवर सिंह शंकरलाल, सुखलाल, बालकृष्ण भोई, प्रह्लाद सिंह, रजत गमोट आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लघु उद्योग भारती के चुनाव संपन्न -अरुण अध्यक्ष और हार्दिक महामंत्री

डूंगरपुर(पुकार)। लघु उद्योग भारती इकाई डूंगरपुर के द्विवार्षिक चुनाव प्रदेश महामंत्री योगेन्द्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य में चुनाव अधिकारी प्रांत संयुक्त सचिव पवन जैन ने संपन्न कराए चित्तौड़ प्रांत संयुक्त सचिव हँसमुख पंड्या विशिष्ट अतिथि रहे। जिन्होंने अध्यक्ष पद के लिए अरुण जैन को पुनः दायित्व देने का प्रस्ताव रखा जिसका अनुमोदन योगेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया और सर्वसम्मति होने से चुनाव अधिकारी द्वारा वर्ष 2025-27 के लिया अरुण कुमार जैन को अध्यक्ष के दायित्व पर निर्वाचित किया। इसीक्रम में महामंत्री के दायित्व पर हार्दिक जैन व कोषाध्यक्ष के दायित्व पर विवेक भावसार को निर्वाचित किया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा नव निर्वाचित

डूंगरपुर। अरुण अध्यक्ष और हार्दिक महामंत्री

पदाधिकारी को बधाई दी। प्रदेश महामंत्री योगेन्द्र शर्मा द्वारा सभी को निर्देशित गया कि डूंगरपुर इकाई बहुत ही जल्द शहरी युवा इकाई पूर्ण करें और नए युवाओं को अधिक से अधिक अवसर प्रदान किया जाए। उन्होनें बिछीवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र की पूर्ण इकाई बनाने के निर्देश दिये। जिससें क्षैत्र की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करवाया जा सके और सदस्यता अभियान प्रारंभ कर ज्यादा से ज्यादा उद्यमियों को सदस्य बनाया जाए। इस पर सभी ने प्राथमिकता से कार्य करने का आश्वासन दिया। अंत में नव नियुक्त महामंत्री हार्दिक जैन ने सभी का आभार जताया।

एसएमसी, एसडीएमसी बैठक हुई आयोजित

सीमलवाड़ा(पुकार)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कनबा पीठ ब्लॉक सीमलवाड़ा में एसएससी और एसडीएमसी की बैठक लक्ष्मण कुमार डामोर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सीमलवाड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 में हुए व्यय का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। व सामग्री का भौतिक सत्यापन किया गया 7बैठक में राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के लिए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओ के बारे में जानकारी दी गई।बैठक में सरदार सिंह डामोर सरपंच,छगन जी डामोर एसएमसी अध्यक्ष, श्यामलाल डामोर पीटीए अध्यक्ष , विधायक प्रतिनिधि रमण लाल जी डामोर,रायमल जी डामोर अमृत जी ,बाबूलालजी, बापूलाल

सीमलवाड़ा। राउमावि कनबा पीठ में एसडीएमसी की बैठक में चर्चा करते हुए। गुणवंत कलाल

जी डामोर , चंदुलाल ,भूरीदेवी, गलीदेवी,कोकिला देवी डामोर आदि सदस्य ,विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।बैठक का संचालन कार्यवाहक प्रधानाचार्य ईश्वर लाल जी डामोर ने किया।

20 मई की हड़ताल में शामिल होंगी आशा वर्कर्स

डूंगरपुर(पुकार)। राजस्थान आशा सहयोगिनी साथीन यूनियन के देवल पाल ब्लॉक की बैठक आशा फनात की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सीटू के सहसंयोजक बंशीलाल खराड़ी ने अपने संबोधन में कहां कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत वर्ष-2005 से कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं को वर्तमान में केवल रूपये 4508 का मानदेय प्राप्त हो रहा है, जो कि अत्यंत निराशाजनक और उनकी सेवाओं के अनुरूप बहुत कम है। उन्होंने कहा कि इस अल्प मानदेय के कारण आशाएं विषम परिस्थितियों में कार्य करने के लिए विवश हैं। सीटू नेता ने सभी आशा कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर अपनी मांगों को प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने आगामी 20 मई 2025 को होने वाली देशव्यापी हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

हड़ताल में शामिल होने के लिए सभी कार्यकर्ता 20 मई को प्रातः 11 बजे बादल महल रोड, डूंगरपुर में एकत्रित होकर शहर में रैली निकालेंगे। हड़ताल की प्रमुख मांगों को उठाया जाएगा, जिसमे लेबर कोड्स रद्द करने, ठेका प्रथा बंद करने,नई शिक्षा नीति रद्द करने, निजीकरण एवं सांप्रदायिकता पर रोक लगाने, न्यूनतम

वेतन रू. 26000 करने,आशा वर्कर्स को पक्का करने, पेंशन,मेडिकल, ग्रेच्युटी सहित सभी सामाजिक सुरक्षा लाभ देने, स्कीम में खाली पड़े पदों पर नियुक्ति करो फोटो कैप्चर बंद करने, समय पर मानदेय का भुगतान करने की मांग की जायेगी। बैठक में आशा फनात,बसंती देवी, मरियम, प्रिया, हंशा देवी, मंजुला, कमला, बसंती आदि सहित अनेक आशा कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय दी।

गुरुकुल में विदआउट फ्लेम कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

डूंगरपुर(पुकार)। स्थानीय विद्यालय गुरुकुल सेंट्रल एकेडमी में शनिवारीय कार्यक्रम के अंतर्गत विदआउट फ्लेम कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

प्रधानाचार्या दीप्ती जोशी ने बताया कि विद्यालय में कार्यक्रम के अंतर्गत विद्आउट फ्लेम कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता तथा स्वच्छ और पौष्टिक खाद्य आदतों को प्रोत्साहित करना था।

छात्र-छात्राओं ने फ्रुट सलाद, स्प्राउट्स चाट, हेल्दी सैंडविच, बिस्किट डेकोरेशन, मॉकटेल आदि जैसे स्वादिष्ट व पौष्टिक व्यंजन प्रस्तुत किए, जिनमें न केवल स्वाद बल्कि प्रस्तुति में भी नवाचार देखने को मिला।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हेशवी कंसारा, साध्या कंसारा और केयुर दोशी, किश्वी चौबिसा, मोहम्मद इमाद हुसैन, द्वितीय स्थान अन्नया कलासुआ, नक्ष सैनी, आमिर हसन, माहित

डूंगरपुर। गुरुकुल में विद्आउट फ्लेम कुकिंग प्रतियोगिता का अवलोकन करते।-फोटोः चन्द्रमौली चौबीसा

ताबियार, तथा तृतीय स्थान समर्थ उपाध्याय, जाग्रव खराड़ी, ताशी जैन और अयान अली, नयन खराड़ी ने प्राप्त किये। निर्णायकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए चयन किया।

संस्था निदेशक सतीश जोशी ने बताया कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक होती हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाती हैं। निर्णायक की भूमिका प्रियंका गांधी एवं विनया उपाध्याय ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन रीतू लुहाना एवं देशना कंसारा ने संयुक्त रूप से किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन

डूंगरपुर(पुकार)। केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, डूंगरपुर द्वारा क्षेत्र में चलाये जा रहे विशेष प्रचार अभियान के तहत शनिवार को धावड़ी ग्राम पंचायत में बाल विवाह के दुष्परिणाम,जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, तम्बाकू निषेध, लू तापघात से बचाव और हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताए प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन कर ग्रामीणों को जानकारी देकर जागरूक किया गया। धावड़ी ग्राम पंचायत में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालयए भारत सरकार, डूंगरपुर के क्षेत्रीय प्रचार सहायक नरेश कुमार बैरवा ने कहा कि संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार द्वारा हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान पर कार्यक्रम आयोजित करने के आदेश की अनुपालना में हमारा-संविधान, हमारा स्वाभिमान पर प्रदर्शनी लगाकर संविधान में दिए गए मौलिक अधिकार और कर्तव्यों के बारे में जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने ने बाल विवाह के दुष्परिणाम,जल संरक्षण,पर्यावरण संरक्षण, तम्बाकू निषेध, लू तापघात से बचाव और केंद्र सरकार की अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहां कि हमे समाज के हर तबके को जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया एवं उक्त विषयों पर पूछे गये प्रश्नों का सही जवाब देने वाले विजेता प्रतिभागियों को विभाग की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

युवक ने पेड़ से फांसी लगाकर की आत्महत्या

घर से 200 फिट दूर मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

सीमलवाड़ा। युवक के शव लटके होने की सुचना पर पहुंची पुलिस ओर उपस्थित ग्रामीण। फोटोः गुणवंत कलाल

सीमलवाड़ा(पुकार)। डूंगरपुर जिले के धम्बोला थाना क्षेत्र के गडा गोकल गाँव में एक युवक ने अपने घर के पास पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर से 200 फीट दूर युवक का शव लटका हुआ मिला। फिलहाल युवक द्वारा आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। वही पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया है। वही मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धम्बोला थाने के थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान खान ने बताया कि गड़ा गोकल गाँव निवासी 20 वर्षीय सुशील पुत्र मोहनलाल कटारा अहमदाबाद में मजदूरी करता था । 10 दिन पहले ही अहमदाबाद से अपने घर आया था । शुक्रवार रात को सुशील ने घर वालो के साथ खाना खाया था । वही सोने चला गया था । इधर शनिवार सुबह जब परिजन उठे तो देखा की सुशील बिस्तर पर नहीं था । परिजनों ने उसकी तलाश की तो घर से 200 फीट दूर पेड़ से सुशील का शव लटका हुआ था । घटना की सुचना पर मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई धम्बोला थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची । पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को फंदे नीचे उतरवाया । वही इसके बाद शव को सीमलवाडा अस्पताल की मोर्चरी पहुँचाया । फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है ।

परिवार में मृतक सहित चार भाई जो मृतक दूसरे नंबर का था। उसके पिता खेतीबाड़ी का कार्य करते है। मृतक सातवीं तक पढ़ा लिखा था। शव घर से दो सौ फिट दूर खुद के खेतों में स्थित महुवा का पेड़ से लटका मिला है। शुक्रवार को मृतक का जुड़वां भाई

पप्पू की शादी को लेकर परिवार जन शफी का मुहूर्त दिखाने गए थे। शाम को खाना खाकर सभी सोए थे। सुबह सुशील का शव घर के पीछे की ओर खेत में एक पेड़ से लटका मिला। मृतक के पिता मोहन पुत्र शंकर कटारा ने पुलिस को रिपोर्ट सौंपी है। जिसमें बेटा सुशील की मौत पर संदेह जताते हुए उसके मोबाइल की डिटेल खंगालने की मांग की है।

सूचना पर धंबोला थाने से हेड कॉन्स्टेबल मुकेश कुमार , कॉन्स्टेबल करण भट्ट, हरीश पाटीदार, अभिषेक, पलाश सहित जाब्ता मौके पर पहुंच शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिव मंदिर से शिखर चोरी

■ सीसीटीवी में कैद हुयें 2 युवक, क्षैत्रवासियों ने जताया आक्रोश

डूंगरपुर। चितरी शिव मंदिर मे चोरी की घटना के दौरान सीसीटीवी कैमरे में कैद युवक। फोटोः चन्द्रमौली चौबीसा

डूंगरपुर(पुकार)। जिलें के चितरी थाना क्षेत्र के जोगपुर गांव में सागवाड़ा-गलियाकोट मुख्य मार्ग पर स्थित लोहारिया भैरवजी मंदिर से सटे शिव मंदिर पर शुक्रवार रात चोरी की वारदात हुई। अज्ञात चोरों शिव मंदिर के ऊपर लगा शिखर चुरा ले गए। शिखर की अनुमानित कीमत 5 लाख रुपए बताई गई है। चोरी की वारदात के बाद लोगों में आक्रोश है। घटना के बाद आस पास में लगे सीसीटीवी में 2 युवक रात के समय दिखाई दिर्ये। जोगपुर गांव में शुक्रवार रात के समय वारदात को अंजाम दिया गया। वही लोहारिया भैरव मंदिर के पास ही शिव मंदिर है। जिस पर करीब 5 लाख का कलश लगा हुआ था।

ग्रामवासी वर्सेंग खराड़ी, मनीष,वेलजी, अशोक पाटीदार, विपिन,कमजी, कमलेश पाटीदार, रमेश पाटीदार, गोतम समेत लोगों ने बताया कि चोर मंदिर के ऊपर चढ़े और शिखर निकलकर ले गए। घटना का शनिवार सुबह के समय पता लगा। सुचना पर क्षैत्र के लोग इकट्ठे हक गए और मंदिर पर चोरी पर आक्रोश जताया। लोगों ने चोरों को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग रखी। लोगों ने कहा कि क्षैत्र में चोर लगातार मंदिरों को निशाना बना रहे हैं, लेकिन पुलिस चोरों को पकड़ नहीं पाई है।

संक्षिप्त समाचार

कृषि विभाग द्वारा अमानक उर्वरक के 226 बैग सीज

डूंगरपुर(पुकार)। कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षक एवं कृषि अधिकारी मुकेश कुमार बरण्ड़ा द्वारा सिंगल सुपर फॉस्फेट दानेदार उर्वरक का नमूना क्रय विक्रय सहाकारी समिति लिमिटेड, डूंगरपुर से आहरित किया गया एवं जाँच हेतु राज्य उर्वरक परीक्षण प्रयोगशाला भरतपुर भेजा गया था। जिसकी विश्लेषण रिर्पोट में अमानक होने के कारण क्रय विक्रय सहाकारी समिति लिमिटेड, डूंगरपुर से 226 बैग एसएसपी को सीज किया गया। जिसकी सुपुर्दगी केवीएसएस को दी गयी एवं इसकी जानकारी जिला कलक्टर को दी गई।

जब्ती कार्यवाही के दौरान कृषि विभाग के अन्य उर्वरक निरीक्षक गीता रोत, सहायक निदेशक कृषि (मुख्यालय),सोहनलाल मीणा, उप परियोजना निदेशक आत्मा, पूज्यपाल ननोमा, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, कमलेश अहारी, कृषि पर्यवेक्षक, लेम्पस प्रतिनिधि राजेन्द्र कुमार कटारा,प्रवीण भाटिया आदि मौजूद रहें।

प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

डूंगरपुर(पुकार)। विद्यानिकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय गोकुलपुरा में वर्ग के सातवे दिन के समापन सत्र में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व गणेश त्रिवेदी द्वारा मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया गया। वर्ग में प्रांत के 11 जिलो से कुल 95 आचार्य तथा 81 दीदीयों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छबिलाल पंड्या ने की। वही मुख्य बौद्धिक वक्ता प्रांत सचिव विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत के मानेंग पटेल रहें। वक्ता उद्बोधन में कहा की देश में जो परिस्थिति बन रही है उसके लिए चिंता की नही चिन्तन करने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि पुरातन पद्धति के गुरुकुल को समाप्त कर अंग्रेजी विद्यालय खोल दिए गए । वैज्ञानिक ने भारतीय प्राचीन काल में शिक्षा देने का कार्य किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वह सब बाते है जो हमारी भारतीय परंपरा में है। आने वाले 15 वर्षों में हम कहाँ जाने वाले हैं । उसका अध्ययन करना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रबंध प्रमुख पदमा पंड्या, कांतिलाल अहारी, ओमप्रकाश चौबीसा, देवीलाल जैन, भूपेश सह सचिव, दिनेश व्यास झालावाड़ के सहसचिव रामप्रसाद, हरिसिंह, करण सिंह, कुलदीप, हितेश शुक्ला, सह प्रबंध प्रमुख नाहरसिंह, अरविन्द चौबीसा, प्रमोद, लक्ष्मण सिंह, गरवरसिंह, सुरेन्द्र, मुकेश डामोर,भारत,देवेन्द्रसिंह, जगदीश आदि की उपस्थिति रही। आभार प्रकट दिनेश व्यास, मुख्य सूचना पदमा पंड्या, संचालन सूरज, वंदना ममता के द्वारा कीया गया।

वनवासी कल्याण परिषद की बैठक सम्पन्न

डूंगरपुर(पुकार)। राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद डूंगरपुर जनजाति प्रबुद्ध जन की बैठक परिषद् के भवन में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय जनजाति सम्पर्क के प्रमुख राजस्थान मणिराम पाल थे जबकि अध्यक्षता रामलाल गरासिया ने की तथा विशिष्ठ आतिथ्य हर रतन डामोर, शंकरलाल पटेल तथा प्रांतीय छात्रावास प्रमुख गुरु प्रसाद पटेल थे। बैठक में परिषद् में विभिन्न प्रकार के एनजीओ के कार्य, लक्ष्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।एवं सरकार के द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जो जनजाति समाज के लोग धर्मांतरित हो गए हैं उनकी घर वापसी के लिए प्रयास करने का निर्णय लिया। बैठक में इस बैठक में विधायक प्रत्याशी बंशीलाल कटारा विधानसभा डूंगरपुर, गौरीशंकर कटारा पूर्व उप निदेशक कृषि विभाग, लक्ष्मण कोटेड़ पूर्व प्रधान डूंगरपुर, धनेश्वर पंड्या कर्मचारी महासंघ, रामलाल डामोर, सुरेश रोत, भंवर कटारा, रामचंद्र परमार, पोपट बरांडा,रमेश घोघरा, गौतम कटारा, धीरज खराड़ी, महिपालसिंह राठौड़, उमेश भणात, राजेश प्रजापत, अनुराग कटारा ने भाग लिया संचालन जिला जनजाति संपर्क प्रमुख विष्णु कटारा, अरविंद, अमृतलाल कटारा ने किया। स्वागत आश्रम प्रमुख एवं जिला मंत्री डामोर ने किया। आभार प्रदेश जनजाति संपर्क प्रमुख धनेश्वर ननोमा ने व्यक्त किया।

नवम पाटोत्सव एवं रक्तदान शिविर 12 मई को

डूंगरपुर(पुकार)। श्री त्रिपुरा सुंदरी मंदिर ट्रस्ट मंडल पंचाल समाज चौदह चोखरा द्वारा नवम पाटोंत्सव कार्यक्रम बड़े धूम धाम से आयोजित किया जाएगा और साथ में चिकित्सा विभाग के सहयोग द्वारा नवम पाटोत्सव के उपलक्ष्य में पंचाल समाज भारतमाता के वीर सपूतों के लिये रक्तदान शिविर का भी आयोजन भी कर रहा है ।

महामंत्री नटवरलाल पंचाल लिखी बड़ी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवम पाटोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है एकार्यक्रम के तहत प्रातः 10 बजे माताजी की शोभायात्रा, 12 बजे हवन प्रारंभ, 2 बजे से भोजन प्रसादी और शाम 5 बजे पूर्णाहुर्ति की जाएगी। व्यवस्थाओं को लेकर के ट्रस्ट मंडल द्वारा गर्मी को मद्दे नजर रखते हुए दर्शनार्थियों के लिए टेंट की व्यवस्था एजल व्यवस्था एचिकित्सा सुविधा व्यवस्था ट्रस्ट मंडल के द्वारा संपूर्ण व्यवस्था कर ली गई है। त्रिपुरा सुंदरी ट्रस्ट मंडल व समाज के चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रभारी राजेश पंचाल रेयाना ने बताया कि वर्तमान परिपेक्ष को ध्यान रखते हुए जो स्थिति बन रही है, वर्तमान समय में भारत-पाकिस्तान के बीच उत्पन्न स्थिति और सेना की संभावित आवश्यकता को देखते हुए सरकार द्वारा देशवासियों से रक्तदान की अपील की गई हैए जिसके तहत् स्वास्थ्य विभाग एवं मंदिर श्री त्रिपुर सुंदरी ट्रस्ट मंडल एवं पंचाल समाज चोदह चौखरा के संयुक्त तत्वाधान में नवम पटोत्सव के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा हैए जिसका समय प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक रहेगा। उक्त सम्पूर्ण कार्यक्रम त्रिपुरा सुंदरी ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष धुलजी भाई पंचाल पालोदा के नेतृत्व में होगा। उक्त कार्यक्रम में संरक्षक मंडल,चौदह चौखलो के अध्यक्ष, केंद्रिय कार्यकारिणी, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य, समस्त प्रकोष्ठों के प्रभारी, समाजजन और मातृ शक्ति उपस्थित रहेगी। यह जानकारी त्रिपुरासुंदरी ट्रस्ट मंडल के मीडिया प्रभारी संजय पंचाल डूंगरा छोटा द्वारा दी।

जलापूर्ति आज रहेंगी बाधित

डूंगरपुर(पुकार)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग उपखंड आसपुर के अधीन 61 ग्रामों की सोम कमला आम्बा बांध से संचालित पेयजल योजना के मुख्य पंप हाउस के बाहर परियोजना खंड द्वारा पाइप लाइन लेइंग का कार्य किया जा रहा हैए जिससे पूर्व से लेइंग 450 एमएम पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे मरमत का कार्य जारी है। एईएन पीएचईडी आसपुर पंकज डामोर ने बताया इससे 61 ग्रामों में रविवार 11 मई को होने वाली जलापूर्ति बाधित रहेगी।

विराट विराट हास्य कवि सम्मेलन आज

विजयाराजें सिंधिया में होगा आयोजन

डूंगरपुर(पुकार)। भारत गौरव मनोज्ञाचार्य पुलक सागर गुरुदेव के 55 वें अवतरण दिवस के उपलक्ष में पुलक मंच परिवार द्वारा विजया राजे सिंधिया ऑडिटोरियम परिसर में रविवार रात्रि को आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में सूत्रधार एवं संयोजक कवि बलवंत बलू, कवि अशोक चारण, कवि सुनील व्यास, कवि डॉ राजीव राज, कवि गौरव चौहान, कवियित्रि दीपिका माही, कवि लोकेश महाकाली द्वारा काव्य पाठ किया जायेगा। अध्यक्ष जिनेंद्र जैन ने बताया कि गुरुदेव के अवतरण दिवस के उपलक्ष में तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

परिजनों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, झाड़ियों में मिला था शव

डूंगरपुर(पुकार)। रामसागड़ा थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस अभी तक कोई सुराग नहीं ढूंढ पाई है। युवक के परिजनों ने शनिवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर न्याय की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार झेलाना गांव का रहने वाला लोकेश 30 अप्रैल को मजदूरी के लिए घर से निकला था। वह घर नहीं लौटा। 2 मई को उसका शव घर से करीब आधा किलोमीटर दूर झाडियों में मिला। परिजनों का आरोप है कि लोकेश की हत्या की गई है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की थी। शनिवार को झेलाना गांव के ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मामले की जल्द जांच और दोषियों के खिलाफकार्रवाई की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

आदिनाथ में मातृत्व दिवस का आयोजन

उदयपुर (पुकार)। आदिनाथ सी.सै. पब्लिक स्कूल सेक्टर 11 में शनिवार को मातृदिवस के उपलक्ष्य में शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया

एवं साथ ही प्राचार्या डा रितु भटनागर ने बताया कि कार्यक्रम में 250 माताओं ने बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया। माताओं, प्राचार्या डा रितु भटनागर, एवं निर्देषिका चंदू कंठालिया ने कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ की। सुश्री गुंजन डांगी ने माँ के महत्व को बताते हुए, अपनी बात रखी एंव साथ ही चलचित्र प्रस्तुत किया। प्राचार्या डा रितु भटनागर ने अपने शब्दों के माध्यम द्वारा माताओं का स्वागत किया एंव कहा कि ' मै क्या खुदा भी तुझ पर नहीं लिख पाएगा, जहा में शब्द कम पड जाएगें जब ख्याल तुझपे लिखने का आएगा' और इसी के साथ माताओं को प्रोत्साहित किया कि अपनी जिम्मेदारी को निभाने के साथ - साथ अपने सपनों को भी उडान देना चाहिए, इसी के साथ शिक्षको ने मनोरंजन से भरपूर खेल माताओं को खिलाए एवं साथ ही पारम्परिक खेल भी खिलाए, जिससे बच्चे अपनी संस्कृति से दूर ना हो। विद्यार्थी दक्ष शर्मा, राहत, आलिमा, भव्या और प्रतिष्ठा ने माता को समर्पित प्रस्तुति दी। अभिभावक माताओं ने भी अपनी प्रस्तुति दी एंव अपनी बात रखी। अंत में देष की सुरक्षा एवं जवानों के लिए प्रार्थना कि गई एवं उनकी माताओं को भी सलामी दी गई एवं भारत की जय जय कार कि गई। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कविता अलावत एवं श्रीमती मघु टांक ने किया।

जेएसजी संगिनी विजय द्वारा मनाया मदर्स डे

उदयपुर (पुकार)। जेएसजी संगिनी विजय की ओर से आज मदर्स डे समारोह को अनूठे अंदाज में मनाया गया।

अध्यक्ष प्रियंका तलेसरा ने बताया कि इसमें सास और बहू के प्रेम को घनिष्ठ बनाने हेतु मेरी प्यारी सासू मां थीम पर सेल्फी प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं सास बहू पर नाटिका का मंचन भी किया गया।

संस्थापक अध्यक्ष मधु खमेसरा ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम नयना दोशी, द्वितीय स्नेहलता बागरेचा, तृतीय क्रमशः मधु जैन व रानी मेहता रहें, वहीं सांत्वना पुरस्कार की विजेता निर्मला कोठारी एवं ललिता सियाल रही। कार्यक्रम की थीम फ्लोरल रखी गई जिसमें ड्रेस प्रतियोगिता में प्रथम निर्मला कोठारी एवं द्वितीय वेलिका जैन रही।

जेएसजी मेवाड़ रीजन अध्यक्ष अरुण मांडोत, पूर्व रीजन अध्यक्ष अनिल नाहर एवं संगिनी कन्वीनर मंजू गांग ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

ज्योति बोहरा व गरिमा सियाल द्वारा हाउज़ी खेलाई गई। कार्यक्रम में संजीता कोठारी, मीना अरोड़ा, रचिता मोगरा, संध्या नाहर, रंजना छाजेड़, ललिता बापना, चंदा बापना, अनीता पोरवाल, अनिता भंडारी, लतिका जैन, ट्विंकल नाहर आदि बहनों का सहयोग रहा। कार्यक्रम संचालन स्नेहलता वागरेचा एवं ज्योति बोहरा ने किया। धन्यवाद सचिव निर्मला बड़ाला द्वारा दिया गया।

विश्वेश्वर त्रिवेदी ने सैनिक कल्याण कोष के लिए 21 हजार रुपए का चैक भेंट

उदयपुर (पुकार)। एमबी हॉस्पिटल उदयपुर के सीनियर नर्सिंग ऑफिसर विश्वेश्वर त्रिवेदी ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के चलते सैनिक कल्याण कोष के लिए 21 हजार का चैक भेंट किया। आरएनए उदयपुर के सम्भागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया ने बताया कि विश्वेश्वर त्रिवेदी ने सैनिक कल्याण कोष के लिए नर्सिंग अधीक्षक गीता आहारी को 21 हजार रुपए का चैक भेंट किया। कार्यक्रम में नर्सिंग अधीक्षक गीता आहारी, ओमप्रकाश पालीवाल, नूरानी मेइडा, जितेंद्र भटनागर, नारायण सिंह राठौड़, नरेश पूर्बिया, जितेंद्र शर्मा, तृप्ति शर्मा, दीपक मेघवाल उपस्थित थे।

फेस योग से निरोगी होने के गुर सीखाए

उदयपुर (पुकार)। विज्ञान समिति नवाचार महिला प्रकोष्ठ में आज दिनांक 10 मई को विज्ञान समिति हाल में महिला उपयोगी कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें स्पेशल फेस योगा स्पेशलिस्ट शालिनी पोद्दार ने फेस योग पर लेक्चर देते हुए इसे विशेष महिलाओं के लिए बहुत ही उपयोगी बताया। उन्होंने बताया की माइग्रेन की समस्या महिलाओ के हार्मोन जनित होने से इस आधी आबादी को बहुत परेशान करती है। फेस योगा के माध्यम से इससे काफ़ी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इसी तरह ब्लड प्रेशर नियंत्रण में भी फेस योगा सहायक है। समिति के मीडिया प्रभारी प्रोफेसर विमल शर्मा ने बताया कि सभी उपस्थित 50 सदस्यो को फेस योगा कराया गया व इसे प्रतिदिन कर निरोगी रहने का संकल्प दिलाया गया। प्रारम्भ में शालिनी पोद्दार का स्वागत ग्रुप की संरक्षिका डॉ पुष्पा कोठारी ने किया एवं धन्यवाद अध्यक्षा संगीता भाणावत द्वारा ज्ञापित किया गया। ग्रुप को कन्वीनर आभा झंवार ने व्यवस्था में सहयोग किया व इस महत्वपूर्ण सेशन में आशा कोठारी, आशा सिसोदिया, मंजुला शर्मा, मंजू सिंघवी सहित 50 महिलाओं ने लाभ लिया।

धन देने वाले से श्याम सेवा मे समय देने वाला महान होता है - नन्दू भैय्या

भजन सम्राट नन्द किशोर भैय्या का जोरदार स्वागत सम्मान

उदयपुर (पुकार)। भजन सम्राट पूज्य नन्द किशोर नन्दू भैय्या धर्मपत्नी के साथ वृन्दावन से उदयपुर मे प्रवेश करने के पूर्व डबोक एयरपोर्ट रोड पर निर्माणाधीन खाटूश्याम मन्दिर पधारे। जहां श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारी सहित अनेक भक्तो ने हारे के सहारे की जय, जय श्रीश्याम उद्घोष के साथ गर्मजोशी से स्वागत सम्मान किया। अपने सारगर्भित संक्षिप्त प्रवचन मे अशोक पोद्दार का उदाहरण देते हुए बताया कि मन्दिर निर्माण मे धन देने वाले से समय देने वाला महान होता है। मन्दिर मॉडल और निर्माणाधीन मन्दिर को देखकर अति प्रसन्नता सन्तोष व्यक्त कर शीघ्र विशाल भव्य मन्दिर बनने की कामना की। निर्माण प्रक्रिया मे आनेवाली बाधाओ और निराकरण को खूबसूरती से समझाकर मार्ग दर्शन दिया। साथ ही हर सम्भव सहयोग मार्ग दर्शन देने का आशीर्वाद प्रदान कर निर्देश दिया कि ग्यारस मे एकबार खाटू मे मिलते रहना। प्रारम्भ मे ट्रस्टीगण ने पाग उपरणा शाल ओढाकर श्रीनाथ जी की छवि भेंट की। इस अवसर पर अहमदाबाद के श्याम भक्त मनीष केमिता राठौड आदि भी उपस्थित रहे।

बाबा ऐसा मंतर मार दे, मेरे हो जाए वारे न्यारे, जी रहे हैं कन्हैंया हम तुम्हारे लिए ...

फतह स्कूल में सजा श्याम दरबार, नंदू महाराज, नरेश सैनी, बंटू भैया, महावीर अग्रवाल वासु और नीलम रस्तोगी के भजनों में डूबे भक्त

हजारों की संख्या में आए भक्त , रात से भोर हो गई भजनों पर नाचते झूमते

उदयपुर (पुकार)। चांद की चटक चांदनी, कान्हा को यमुना पार करवाते वासुदेव, आशीर्वाद देते प्रथम पूज्य भगवान गणेशजी और सालासर बालाजी और गौ ग्वाल के रुप भगवान कृष्ण के साथ साक्षात प्रभु खाटू श्याम के दर्शन। बाबा के दरबार का स्वरुप ऐसा कि हर कोई चकित व भावुक हो गया। श्री खाटू श्याम मित्र मण्डल ट्रस्ट की ओर से फतह स्कूल में तीन दिवसीय श्री श्याम महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार को बाबा के कीर्तन में भक्त ऐसे डूबे कि रात से कब भोर हो गई पता ही नहीं चला। भजन सम्राट नंदू महाराज के साथ ही गुरुग्राम के नरेश सैनी, नजफगढ के बंटू भैया दिल्ली के महावीर अग्रवाल वासु व मयूर रस्तोगी ने भजनों ने ऐसी सरिता बहाई कि हजारों की संख्या में मौजूद भक्त खाटू के दरबार में नाचते-झूमते रहे।

श्री खाटू श्याम मित्र मण्डल ट्रस्ट की ओर से पिछले एक महीने से श्री श्याम महोत्सव की तैयारियां चल रही थी। निशान यात्रा व मेहंदी के बाद शनिवार को भव्य श्याम कीर्तन हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में भक्त बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने आए।

बाबा के दरबार में हर भक्त वीआईपी बना जिन्होंने न केवल बाबा को ज्योत पधराई, बल्कि बाबा के आशीर्वाद के रुप में हर भक्त का उपरना पहनाकर स्वागत किया गया। बाबा के दर्शन और ज्योत से पहले मंच के नीचे ही हर भक्त के हाथ गंगाजल से धुलवाकर उनके हाथ में कलावा बांधा गया और तिलक लगाया गया। इस व्यवस्था से भक्तों ने सहजता से खाटू श्याम के दर्शन किए।

कीर्तन की शुरुआत दिल्ली के महावीर अग्रवाल वासु ने गणेश वंदना से की। वासु ने कितना प्यारा है श्रृंगार कि तेरी लेउ नजर उतार कितना प्यारा है, लीला रे म्हने श्याम से मिला दे, बेगा-बेगा आओ श्याम, धन गडी धन भाग हमारा, लीले चढ श्री श्याम पधारा करो स्वागत बाबा का सहित बाबा के कई भजन सुनाए कई। भजन सम्राट नंदू महाराज ने जब अपना स्वरचित भजन कीर्तन की है रात बाबा आज थाणे आणो है से शुरुआत की तो सैंकडों की संख्या में भक्त झूम उठे और बाबा को बुलाने के लिए उनकी आंखें नम हो गई। उन्होंने तीन घंटे तक अपने भजनों से बांधे रखा।

नंदू महाराज ने भर दो रे श्याम झोली भर दो, ऐसी मस्ती कहां मिलेगी, तुम्हारी शरण मिल गई सांवरे, पलके ही पलके बिछाएंगे, जिस दिन मेरे बाबा घर आएंगे, दरबार अनोखा सरकार अनोखी खाटू वाले की हर बात अनोखी जैसे अपने लोकप्रिय भजन सुनाए तो भक्त बाबा के ध्यान में ही डूब गए। नंदू महाराज ने मेरे बाबा बडे दिलदार है और मिली नजरे जुडे दिल के तार है भजन से भक्तों को भाव विभोर कर दिया।

गुरुग्राम से आए प्रख्यात भजन गायक नरेश सैनी ने खाटू श्याम के प्रिय भजनों से भक्तों का दिल जीत लिया। सैनी ने बाबा कृपा लुटाने लगा है, मुझको खाटू बुलाने लगा है, हारा जो भी बाबा इस जहां में दिल से लिया उसने तेरा नाम रे, कैसे भूलौना तेरा मैं एहसान सांवरे और बाबा ऐसा मंतर मार दे मेरे हो जाए वारे न्यारे भजन सुनाकर माहौल को श्याममय कर दिया। नजफगढ से आए प्रख्यात भजन गायक बंटू भैया ने खाटू का श्याम रंगीलो रे, जी रहे हैं कन्हैया तुम्हारे लिए, मुझे श्याम अपने गले से लगा लो और मांगा है मैंने श्याम से वरदान एक ही जैसे मन आनंदित कर देने वाले भजन सुनाए।

महोत्सव में पंडित पंकज शर्मा का भी सानिध्य मिला, लेकिन छोटा खाटू धाम से गुरु मां उषा बाईजी व गुरु उमानंदजी विमान सेवा रद्द होने के कारण नहीं आ पाए।

तीन दिवसीय श्री श्याम महोत्सव में श्री खाटू श्याम मित्र मण्डल ट्रस्ट के सुनील बंसल, शुभम गर्ग, कैलाश चंद्र गर्ग, सीपी बंसल, मुकेश अग्रवाल, एचके एरन, राजेश अग्रवाल, राजेश गोयल राजेंद्र भटनागर, प्रियांशु भटनागर, योगेश कुमावत, सुरेश अग्रवाल, बंसी लाल बत्रा व बालमुकुंद पित्ती, पुनीत अग्रवाल, नलिन बंसल, कृष्णकांत अग्रवाल के साथ ही महिला कार्यकर्ता बीनू गोयल, प्रीति गर्ग, मीना गर्ग, प्रतिभा भटनागर, रूपम भटनागर, स्नेह लता बंसल, रजनी भावसार व चित्रयामा अग्रवाल ने अपनी सेवाएं दी।

हजारों लोगों ने ग्रहण किया भंडारा

श्री श्याम महोत्सव में आए सभी भक्तों के लिए खुले भंडारे की व्यवस्था की गई जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। पिछले दो दिनों से भंडारे के लिए तैयारियां की जा रही थी। सभी भक्तों को भरपेट और सम्मान के साथ प्रसाद मिले ऐसी व्यवस्था मित्र मंडल द्वारा की गई।

पहली बार समुद्र की थीम पर दरबार

श्री श्याम महोत्सव के दौरान पहली बार उदयपुर में समुंद्र की थीम पर बाबा का दरबार सजाया गया, जिसके दर्शन कर भक्त भावुक हो गए। दरबार में श्री डी सेटअप भी लगाया गया जिसमें ग्राफिक डिजाइन का पहली बार प्रयोग किया गया।

बाबा का दरबार सजाने के लिए दिल्ली के नवीन कसेरा और इनकी टीम कई दिनों से उदयपुर में थी।

फूलों से सजे बाबा, छप्पन भोग धराया गया : रात्रि 8.00 बजे कण्डे, धूप, दीप से स्वप्रज्जवलित अखण्ड ज्योत एवं श्याम स्तुति महाआरती से संध्या का शुभारंभ हुआ। साथ ही गणपति, बालाजी एवं प्रभु श्याम को छप्पन भोग धराया गया। जिसमें कई प्रकार के फल फ्रूट, ड्राय फ्रूट, मिठाईया, नमकीन के साथ प्रभु के प्रिय भोजन सवामणी चूरमा, मक्खन, केसर दुध, खीर, पंचामृत, पान बीडा, खोपरा-नारीयल, सभी प्रकार के सूखे मेवे, ताजा मौसमी फल, छप्पन प्रकार के मिष्ठान एवं व्यंजनो का छप्पन-भोग महाप्रसाद दरबार में सजाया गया। आदि के भोग शामिल रहे। बाबा का दिल्ली और कोलकोता से आए फूलों से श्रृंगार किया गया।

पूजा के बाद स्थापित किया गया शीश

श्याम दरबार में इस बार दिल्ली श्याम दरबार से बाबा का शीश भव्य रूप से उदयपुर लाया गया। यहां सुनिल बंसल-स्नेहलता बंसल द्वारा सुबह उनकी पूजा-अर्चना के साथ आगवानी की गई। प्रभु का शीश ढोल नगाडों के साथ शाम को श्याम दरबार में स्थापित किया गया। उनका रजत स्वर्णाभुषणों हीरे-मोती-माणिक्य आदि नवरतों से श्रृंगार किया गया।

इत्र एवं गुलाब पंखुडियों की वर्षा

प्रभु के दरबार के समक्ष, भजन गायको एवं उपस्थित भक्तजनों पर अनवरत-अविराम गुलाब की पंखुडियों एवं अनेक व्यक्तियों द्वारा स्प्रींकलर से मुम्बई, अजमेर एवं ब्यावर से लाये गये इत्र एवं सुगन्धित दिव्य पदार्थो की वर्षा की गई।

चरण पादुका हेतु लगे स्टॉल

श्याम भजन संध्या रीत अनुसार आगन्तुक सभी भक्त जनों द्वारा पाण्डाल में जुते-मौजे, बेल्ट, चरण पादुकाए, खोलकर जाने हेतु चरणपादुका कक्ष लगाया गया। इस हेतु नई दिल्ली से अपनी अद्भुद अमुल्य एवं अविस्मरणीय सेवाए देने हेतु ''सावरिया सेठ के चरण चाकर'' के 15 से भी अधिक श्याम भक्त उदयपुर आए।

होटलों की नावें 15 अगस्त तक होंगी सौलर या इलेक्ट्रिक, जयसमंद झील को मिलेगा संरक्षित दर्जा

जिला झील संरक्षण एवं विकास समिति की बैठक

उदयपुर (पुकार)। जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में शनिवार को जिला झील संरक्षण एवं विकास समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जयसमंद झील के संरक्षण के लिए जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट का अनुमोदन करते हुए इसे संरक्षित झील का दर्जा देने के लिए प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया। नगर निगम आयुक्त एवं सचिव जिला झील संरक्षण एवं विकास समिति रामप्रकाश ने बताया कि पिछली बैठक में बड़ी और बड़ा मदार झील को संरक्षित श्रेणी में डालने का प्रस्ताव मुख्य कार्यकारी राजस्थान झील विकास प्राधिकरण, जयपुर को भेज दिया गया है। जिला कलक्टर मेहता ने सुझाव दिया कि तीन हेक्टेयर से अधिक भराव क्षेत्र वाले जिले के अन्य तालाबों को भी संरक्षित क्षेत्र में ले सकते हैं।

होटलों द्वारा संचालित नावों के अनुबंध नवीनीकरण पर चर्चा करते हुए जिला कलक्टर ने नगर निगम आयुक्त, उदयपुर विकास प्राधिकरण सचिव और अधिशाषी अभियंता यांत्रिकी को दरों का विश्लेषण कर अपनी अनुशंषा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। वहीं, झीलों में होटलों द्वारा पेट्रोल या डीजल इंजन से संचालित नावों को 15 अगस्त तक सोलर या इलेक्ट्रिक इंजन में कन्वर्ट करवाने के निर्देश दिए। जिनकी अनुबंध राशि बकाया है उनके प्रबंधन को नोटिस जारी कर राशि जमा करवाने के निर्देश दिए और यदि निर्धारित समयावधि में राशि जमा नहीं कराई जाती है, तो अनुबंध समाप्त करने के निर्देश दिए।

पंच गौरव में शामिल फतहसागर और पिछोला के सौंदर्यन पर चर्चा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए सौंदर्यन किया जाए। जलीय जीवन प्रभावित नहीं होना चाहिए। इसके लिए एक समिति का गठन करने के निर्देश दिए। ध्वनि प्रदूषण और मत्स्य पालन पर भी चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

बैठक में उदयपुर विकास प्राधिकरण राहुल जैन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शरद सक्सेना, मत्स्य विभाग सहायक निदेशक दीपिका पालीवाल, नगर निगम अधिशाषी अभियंता (यांत्रिकी) लखनलाल बैरवा, यूडीए अधीषण अभियंता अनित माथुर, जल संसाधन विभाग अधीषण अभियंता मनोज जैन, पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना, एक्सईएन सलूम्बर प्रतीक चौधरी अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डी पी एस, उदयपुर प्रांगण बना ममतामय

उदयपुर (पुकार)। माँ और बच्चे का रिश्ता बेहद खास होता है। माँ के समर्पण और प्रेम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल, उदयपुर के प्रांगण में कक्षा पाँच के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के साथ आज मातृ दिवस मनाया।

विद्यालय में उपस्थित विद्यार्थियों की माताओं का स्वागत तिलक, कार्ड, बैज व विद्यार्थी परिषद् के छात्रों ने अपनी करतल ध्वनि से किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश पूजा और वंदना से किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी माँ को खास महसूस कराने के लिए नृत्य, संगीत, भाषण और कविताओं की शानदार प्रस्तुति दी। अपने बच्चों की मनभावन प्रस्तुतियों से माताएँ आनंदविभोर हो गई।

कई मनोरंजक खेलों के माध्यम से माताओं की प्रतिभा बच्चों के सामने उजागर की गई। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर उपहार के रूप में माताओं को अपने हाथों से बनाई हुई फोटो फ्रेम दी।

प्रबंधन समिति की सदस्या श्रीमती अशिता अग्रवाल ने सभी माताओं को अपनी शुभकामनाएं दीं और एक माँ की विभिन्न भूमिकाओं के बारे में बताया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय नरवारिया ने उपस्थित सभी माताओं का स्वागत करते हुए कहा कि माँ का स्थान कोई नहीं ले सकता।

प्रधानाध्यापिका श्रीमती वरुश्री बनर्जी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों को संदेश दिया कि आप सभी को ध्यान रखना हैं कि आपके कारण आपकी माँ की आँखों में आँसू न आए।

गीतांजली हॉस्पिटल में मातृत्व दिवस समारोह का आयोजन

उदयपुर (पुकार)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर में प्रेक्षा एंटरटेनमेंट के सहयोग से एक अत्यंत भव्य, भावनात्मक और यादगार मातृत्व दिवस समारोह का आयोजन शनिवार को हुआ। कार्यक्रम का आयोजन स्व. नर्मदा देवी ऑडिटोरियम में किया गया, जिसकी मुख्य अतिथि महाराज कुँवरानी साहिबा निवृत्ति कुमारी मेवाड़ रही। उनके प्रेरणादायक और आत्मीय उद्बोधन ने समस्त दर्शकों को भावविभोर कर दिया। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रीमती गीता आहारी (नर्सिंग अधीक्षक, एमबी हॉस्पिटल), डॉ. सुषमा सिंघवी (सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्था की संरक्षक), और डॉ. अंजना वर्मा, विभागाध्यक्ष - प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, गीतांजलि हॉस्पिटल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्था के संस्थापक भंवर सेठ व उनके संसथान से माताओं में भी कार्यक्रम में भाग लिया।

आयोजन की संकल्पना को आकार देने में गीतांजलि हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड कल्पेश चंद रजबार ने मुख्य भूमिका निभायी।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद निव्या पोरवाल जैन व उनकी पुत्री ने 'छोटी सी चिड़िया' गीत पर एक कोमल और भावनात्मक प्रस्तुति दी। इस आयोजन की संकल्पना दीपमाला मेवाड़ा ने की जिनकी ऊर्जा, संवेदना और सकारात्मक दृष्टिकोण ने पूरे आयोजन को जीवंतता दी। इसके पश्चात डॉ. सुषमा मोगरी ने मातृत्व, स्वास्थ्य और भावनात्मक सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पारंपरिक उर्पणाओं द्वारा स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में गीतांजली हॉस्पिटल एवं गीतांजलि यूनिवर्सिटी के स्टाफ सहित 500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। विशेष दृश्य यह था कि सभी महिलाओं ने क्रीम रंग की पोशाकें पहनी हुई थीं, जिससे सारा ऑडिटोरियम ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे धरती पर परियाँ उतर आई हों - यह दृश्य ही कार्यक्रम को अलौकिक बना गया।

सबसे प्रेरणादायक क्षण रहा 13 बेस्ट स्टोरीज का सम्मान, जिन्हें Story Winners के रूप में उनके जीवन संघर्षों, अनुभवों और मातृत्व की भावना के लिए सराहा गया। ये थीं: मधु भटनागर, भावना पोखरना, शाहिन खान, डॉ. शकुंतला सरूपरिया, गीता सिंह राठौर, देविका टाक, डॉ. माला मट्ठा, भावना जैन, उर्मिला भट्ट, सोहिनी जोशी, उषा मिश्रा, डॉ. सोनिया साहू, मनीषा कपिल।

इसके बाद JDCA एकेडमी द्वारा श्रीदेवी को समर्पित डांस ट्रिब्यूट प्रस्तुत किया गया, जिसे कोरियोग्राफ जितेन्द्र सालवी ने किया। इस पेर्फोमांस के बाद पूरा सभागार भाव विभोर हो उठा बहुत ही सुन्दर अंदाज़ में श्रीदेवी के जीवन को उनकी माँ बनने की यात्रा को खूब्सुती से दर्शाया गया। यशोधरा क्लासिकल डांस ने भी कार्यक्रम में सांस्कृतिक गरिमा जोड़ी।

डॉ. राशी अग्रवाल ने महिलाओं को त्वचा की देखभाल और आत्म-देखभाल पर व्यावहारिक सलाह दी और दर्शकों के सवाल जवाब किये।

खेल व इंटरएक्टिव गतिविधियों ने हंसी, जुड़ाव और आनंद के पल रचे। कार्यक्रम का संचालन डॉ सोनिया साहू ने किया व हेड पीआर हरलीन गंभीर द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन में सभी उपस्थित अतिथियों, सम्मानित माताओं, कलाकारों, वक्ताओं, आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों और विशेष रूप से उपस्थित सभी महिलाओं को हृदय से धन्यवाद अर्पित किया गया। यह आयोजन मातृत्व के सम्मान, प्रेम और प्रेरणा को समर्पित रहा – एक ऐसा दिन जो सदैव हृदय में जीवित रहेगा।

नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर आज

उदयपुर (पुकार)। श्री रामचरित मानस समिति द्वारा 11 मई को बीइंग मानव व नक्षत्र ज्योतिष संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 11 मई को अशोका पैलेस के मधुश्री बैंक्वेट हॉल में निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर आयोजित किया जायेगा।

समिति के संस्थापक पं. सत्यनारायण चौबीसा ने बताया कि ज्योतिश एक विज्ञज्ञनयह भटके हुए मनुष्य को सही रास्ता दिखता है। इस शिविर में कुण्डली मिलान, कालसर्प दोष, मांगलिक कुण्डली, वास्तु दोष को अनेक ज्योतिषियों द्वारा निःशुल्क देखा जायेगा। बीईंग मानव के संस्थापक मुकेश माधवानी ने बताया कि ज्योतिष में पारदर्शिता रहती है। इसे समण्ने की आवश्कयता है। जनोपयोगी रूप से महत्वपूर्ण यह शिविर पूर्ण रूप से निःशुल्क रहेगा। ज्योतिष संबंधी किसी प्रकार की समस्या का समाधान पण्डितों द्वारा किया जायेगा। नक्षत्र शोध संस्थान के अध्यक्ष डॉ. भगवती शंकर व्यास ने बताया कि ज्योतिश भटकते मानव को सीधी राह दिखता है। पं. सुरेश त्रिपाठी ने बताया कि ज्योतिष प्राचवीन काल की कला विज्ञान है। इसे मानव को समझना होगा। सत्यनारायण चौबीसा ने बताया कि शिविर का उद्घाटन महामण्डलेश्वर रासबिहारी शरण करेंगे। मुख्य अतिथि समाजसेवी एडवोकेट निर्मल कुमार पण्डित करेंगे। अध्यक्षता मुकेश माधवानी, करेंगे। अति विशिष्ठ अतिथि राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस.एस.सारंगदेवोत, ज्योतिष कुलदीप चतुर्वेदी, कुवंरदीप शर्मा, नीरज शर्मा, राकेश बजाज उपस्थित रहेंगे। शिविर में आने वाले नागरिक की हर समस्या का समाधान पण्डितों द्वारा निकालनें का पूरा प्रयास किया जायेगा। शिविर संयोजक पं सुरेश जोशी ने बताया कि मधुश्री बेंक्वेटहॉल में प्रातः 9 से 2 बजे आयोजित किया जायेगा। शिविर में ज्योतिष वार्ता भी आयोजित होगी। जिसके विशिष्ठ अतिथि कुलदीप चतुर्वेदी होंगे। पं. सत्यनारायण चौबीसा ने बताया कि शिविर में आने वाले लोग अपने साथ अपनी कुण्डली अवश्य ले कर आयें। शिविर में पं. भगवती शंकर व्यास, पं. सुरेश त्रिपाठी, पं. गणेशलाल नागदा, पं. सुरेश जोशी, पं. गणपतलाल शास्त्री, डॉ.गुंजन आचार्य, शंकरलाल साहु, डॉ.मंजू शर्मा, मीना शर्मा, मुमल मेनारिया, डॉ.प्रवीणा माथुर, डॉ. नीलम माथुर, रीना जोशी, शंकरलाल साहु, पं. प्रकाश परसाई, आर.पी.जैन, अलखनन्दा शर्मा, जगदीश श्रीमाली, हितेश उपाध्याय, पं.प्रेमशंकर उपाध्याय, पं. कैलाश शर्मा, हेमलता जोशी, आदि पण्डित अपनी सेवायें देंगे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, पत्रकार विहार, नांदी फाउण्डेशन के सामने, उदयपुर (राज.) में मुद्रित एवं पुकार प्रकाशन संस्थान कार्यालय 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, पत्रकार विहार, नांदी फाउण्डेशन के सामने, उदयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक : लोकेश कुमार आचार्य। केन्द्रीय कार्यालय : प्रेम कुंज 92 नेहरू बाजार उदयपुर। फोन/फैक्स : (0294) 5103299. मोबाइल : 98290 05007, 94140 58114. प्रबंध सम्पादक : लीला राय आचार्य, उप सम्पादक : अजय कुमार आचार्य।। जयपुर कार्यालय : कुंभामार्ग प्रतापनगर, सांगानेर, जयपुर, फोन : (0141) 3271115, E-mail: dainikpukar@yahoo.com.